नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 27

सोमवार, 17 से 23 अगस्त 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

अयोध्या में 15 से 23 दिसंबर तक होगी 9 दिवसीय श्रीराम कथा 03

काशी विद्यापीठ में परीक्षा व्यवस्था को लेकर छात्रों का प्रदर्शन... 08

NCR समाचार

बांग्लादेश की पहली पारी 64 पर ढेर 10

आपके किचन में मौजूद है सन टैन हटाने के आसान... 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

रानी मुखर्जी को मेलबर्न में मिला खास सम्मान 12

एक नजर

जंतर-मंतर पर आरक्षण सुधार प्रदर्शन की अनुमति नहीं : दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने रविवार को कहा कि आरक्षण सुधारों को लेकर जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन या सभा करने की अनुमति किसी भी व्यक्ति या संगठन को नहीं दी गई है। अधिकारियों ने साथ ही लोगों को गुमराह करने वाले सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर वहां एकत्र होने को लेकर चेतावनी भी दी है। पुलिस का बयान ऐसे समय आया है जब सोशल मीडिया पर कई वीडियो और पोस्ट सामने आए हैं, जिनमें लोगों से रविवार को जंतर-मंतर पर इकट्ठा होने की अपील की गई है। इसने कहा, नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा पहले से ही लागू है। बीएनएसएस ने भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 की जगह ली है। अधिकारियों ने कहा कि इसकी वजह से इलाके में विरोध मार्च, जुलूस, प्रदर्शन और पांच या उससे अधिक लोगों के जमा होने पर रोक है। पुलिस ने कहा कि लोगों को सलाह दी जाती है कि वे ऐसे पोस्ट या वीडियो के आधार पर एकत्र न हों और बिना पुष्टि वाली सामग्री साझा न करें। इसने चेतावनी दी कि जो लोग फर्जी या गुमराह करने वाली जानकारी फैलाएंगे, उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि लोगों को केवल प्रामाणिक जानकारी पर ही भरोसा करना चाहिए।

सरकार ने त्योहारों से पहले चीनी की मिठास में कड़वाहट घोली : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है और मध्यम वर्ग का घरेलू बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। पार्टी ने शनिवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि साबुन, डिटर्जेंट, टूथपेस्ट और बिस्कुट जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं से लेकर आटा, चावल, मसाले, खाद्य तेल और चीनी जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के अनुसार, पिछले एक महीने में आटे की कीमत 32 से बढ़कर 40 रुपये तथा चावल की 42 से 54 रुपये प्रति किलो हो गई है। जीरे की कीमत 180 से 380 रुपये, हल्दी की 130 से 260 रुपये, सरसों तेल की 165 से 200 रुपये, मूंगफली तेल की 170 से 230 रुपये और रिफाइंड तेल की 130 से 190 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। चीनी भी दो महीनों में करीब 40 प्रतिशत तक महंगी हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि दुनिया के बड़े चीनी उत्पादक और निर्यातक भारत में चीनी का भंडार नौ साल के निचले स्तर पर क्यों है और स्थिति चीनी का निर्यात रोकने तथा 10 लाख टन चीनी शुल्क-मुक्त आयात करने तक क्यों पहुंची। उन्होंने कहा कि तीन महीने में चीनी करीब 40 प्रतिशत महंगी हो गई है। त्योहारों से पहले जनता पर पड़ी इस महंगाई की मार का जिम्मेदार कौन है। उन्होंने सवाल किया कि जब देश में चीनी की कमी है और सरकार विदेश से चीनी मंगा रही है तो गन्ने और अनाज को ई-20 के लिए एथनॉल बनाने में इस्तेमाल करने की नीति की समीक्षा क्यों नहीं की जा रही है। पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि साबुन से कारों तक, मसालों से आटा, चावल, चीनी और तेल तक महंगाई का असर दिखाई दे रहा है।

बेरोजगारी दूर करना पहला लक्ष्य : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार केवल नियमों में बदलाव नहीं कर रही, बल्कि नियमों से जुड़ी पूरी नीति बदल रही है। सुधारों को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक विकास की गति बनाए रखने और शासन व्यवस्था को सरल बनाने के लिए अगली पीढ़ी के सुधार लागू किए जा रहे हैं।

दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, भारत में राजनीतिक स्थिरता और नीतियों में निरंतरता है। दुनिया आर्थिक विकास को लेकर कई चुनौतियों का सामना कर रही है और संसाधनों का इस्तेमाल दबाव बनाने के साधन के तौर पर किया जा रहा है। इसके बावजूद दुनिया भारत को विकास के एक उज्ज्वल केंद्र के रूप में देख रही है। प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों की नीतियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी व्यवस्था लोगों को अभाव में रखने वाली थी, जिससे उन्हें बुनियादी जरूरतों के लिए भी सरकार पर निर्भर रहना पड़ता था।

लाइसेंस राज ने बढ़ाई बेरोजगारी

मोदी ने कहा कि लाइसेंस राज ने बेरोजगारी की समस्या को बढ़ाया, जबकि उनकी सरकार नए अवसर पैदा करने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा

कि सरकार का मानना है कि कानून के तहत जिस काम पर स्पष्ट रोक नहीं है, उसके लिए अलग से अनुमति लेने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। शासन को आसान बनाने के साथ लोगों के जीवन में सहूलियत लाने के लिए नीतिगत स्तर पर बदलाव किए जा रहे हैं।

स्टार्टअप के साथ भारत सरकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में दुनिया के सामने मजबूत और नवोन्मेषी मॉडल पेश करने के लिए तैयार हो रहा है। मोदी ने यहां अंतरिक्ष गतिविधियों से जुड़ी 20 स्टार्टअप कंपनियों के सीईओ एवं संस्थापकों के साथ बातचीत में यह बात कही।इस दौरान उन्होंने युवा अंतरिक्ष उद्यमियों को सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन देते हुए उनसे अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को कृषि, पशुधन प्रबंधन, डेयरी, पर्यावरण और आम लोगों के रोजमर्रा के जीवन से जुड़े अन्य क्षेत्रों तक ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, भारत सरकार भविष्य के लिए देश की क्षमताओं को विकसित करने में अंतरिक्ष स्टार्टअप के साथ खड़ी रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में काम कर रही कंपनियां अपने प्रौद्योगिकी का नए क्षेत्रों में इस्तेमाल पर विचार करें और इससे लोगों का जीवन आसान बनाने के तौर-तरीकों पर गौर करें। उन्होंने कहा,अंतरिक्ष मलबा हटाने के काम में जुटी कंपनियां पर्यावरण संगठनों के साथ मिलकर अपनी प्रौद्योगिकियों का विस्तार कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि भारत का निजी अंतरिक्ष क्षेत्र एक बड़ी ताकत बन सकता है और ऐसा परिवेश विकसित किया जाना चाहिए जहां दुनिया अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए भारत की ओर देखे।

छोटे-छोटे बदलाव से बदल रही तस्वीर

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय रेलवे, दिल्ली मेट्रो और नमो रैपिड रेल में हुए छोटे-छोटे बदलाव बताते हैं कि देश समय के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पहले भारत का नक्शा तैयार करने के लिए भी अनुमति लेनी पड़ती थी, जबकि विदेशी उपग्रह भारत की मैपिंग कर सकते थे। उनकी सरकार ने इस व्यवस्था को बदला है। उन्होंने कहा कि सीमा से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया है और सीमा क्षेत्रों की तस्वीर बदली है।

पीयूष गोयल 200 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ जापान रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 24 से 27 अगस्त तक जापान की यात्रा पर रहेंगे और इस दौरान वह टोक्यो, नागोया और ओसाका का दौरा करेंगे। उनके साथ इस दौरे में अब तक उस देश का दौरा करने वाला भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी होगा।

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार इस व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल में 200 से अधिक व्यापार प्रतिनिधि शामिल हैं जो विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और इस्पात से लेकर ऑटोमोटिव, वित्तीय सेवाएं, स्वास्थ्य सेवा और स्टार्टअप जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हैं। यह यात्रा दोनों देशों की विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के प्रति उनकी महत्वाकांक्षा को दशार्ती है और यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और जापान व्यापार और निवेश संबंधों को और अधिक मजबूत करने की दिशा में प्रयासरत हैं।

मंत्रालय का कहना है कि मंत्री गोयल टोक्यो में भारत के विकास में लंबे समय से भागीदार रहे प्रमुख जापानी समूहों और औद्योगिक घरानों के शीर्ष नेतृत्व के साथ कई

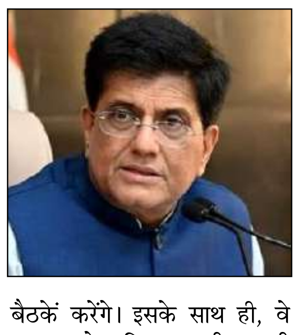

बैठकें करेंगे। इसके साथ ही, वे 1,500 से अधिक अग्रणी जापानी कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाली सर्वोच्च संस्था, कीडानरेन (जापान बिजनेस फेडरेशन) के साथ एक गोलमेज सम्मेलन में भी भाग लेंगे। सेमीकंडक्टर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप और विदेशी संस्थागत निवेशकों के साथ जुड़ाव पर विशेष सत्रों की योजना बनाई गई है। यह निवेश और नवाचार गंतव्य के रूप में भारत के बढ़ते आकर्षण को दशार्ता है। श्री गोयल वहां के व्यापार मंत्री अकाजावा रयोसेई, अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्री (एमईटीआई) के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे और जापान सरकार और संसद के वरिष्ठ सदस्यों से भेंट करने के साथ साथ जापान में भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करेंगे।

वैक्सीन लगने से पहले ही पता चल सकता है कितना होगा असर?

नई दिल्ली, एजेंसी। वैक्सीन हमारे शरीर को गंभीर बीमारियों से बचाने में अहम भूमिका निभाती है, लेकिन हर व्यक्ति के शरीर में वैक्सीन का असर एक जैसा नहीं होता। किसी में मजबूत इम्यून रिस्पॉन्स बनता है, तो किसी में इसका असर अपेक्षाकृत कमजोर रह सकता है। अब वैज्ञानिकों ने यह समझने की दिशा में एक अहम कदम बढ़ाया है कि आखिर ऐसा क्यों होता है।

अमेरिका की एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी (एएसयू) के नेतृत्व में हुए एक नए अध्ययन में सामने आया है कि वैक्सीन लगने से पहले ही खून में मौजूद कुछ एंटीबॉडी संकेत यह बता सकते हैं कि किसी व्यक्ति का शरीर वैक्सीन को कितनी मजबूती से जवाब देगा।

इस रिसर्च में वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से हजारों लोगों के ब्लड सैंपल का विश्लेषण किया। उनका मकसद यह पता लगाना था कि क्या वैक्सीन लेने से पहले शरीर की इम्यून स्थिति को देखकर यह अनुमान लगाया जा सकता है कि वैक्सीन के बाद मजबूत या कमजोर इम्यून रिस्पॉन्स बनेगा।

अध्ययन में 4,089 लोगों के कुल

8,687 ब्लड सैंपल शामिल किए गए। शोधकर्ताओं ने इन सैंपल में 185 अलग-अलग एंटीजन के खिलाफ मौजूद एंटीबॉडी की जांच की। इन एंटीजन में सामान्य वायरस और बैक्टीरिया के साथ-साथ ऑटोइम्यून बीमारियों से जुड़े कुछ टारगेट भी शामिल थे। शोधकर्ताओं ने वैक्सीन लगने से पहले और उसके बाद लिए गए सैंपल की तुलना की। इसके बाद एआई और डीप-लर्निंग मॉडल की मदद से उन पैटर्न को खोजा गया, जो मजबूत और कमजोर वैक्सीन रिस्पॉन्स वाले लोगों के बीच अंतर कर सकते थे। अध्ययन का नेतृत्व करने वाले एएसयू के बायोडिजाइन इंस्टीट्यूट के कार्यकारी निदेशक और वर्जीनिया जी. पाइपर सेंटर फॉर पर्सनलाइज्ड डायग्नोस्टिक्स के निदेशक जोशुआ लाबेयर के मुताबिक, कुछ ऐसे बायोमार्कर मिले हैं।

राजस्थान में स्कूलों की जर्जर हालत पर भड़के आशुतोष रांका, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में सरकारी स्कूलों की स्थिति को लेकर विवाद तेज होता जा रहा है। सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने राज्य सरकार पर स्कूलों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा कि स्कूलों की बदहाली के खिलाफ शुरू किया गया अभियान अब और तेज किया जाएगा और जरूरत पड़ी तो जयपुर में बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

आशुतोष रांका ने हाल में हुए घटनाक्रम को लेकर पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उनके पास घटना से जुड़े कथित तौर पर कई अनएडिटेड वीडियो मौजूद हैं, जिन्हें सोशल मीडिया पर सार्वजनिक किया जा चुका है। उन्होंने राजस्थान पुलिस से वीडियो फुटेज के आधार पर कार्रवाई करने की मांग की।

रांका ने कहा कि पिछले दिन हुई घटना से संबंधित वीडियो उनके पास मौजूद हैं और उन्हें एक्स, इंस्टाग्राम सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि ये वीडियो अनएडिटेड हैं और पुलिस के साथ भी साझा किए गए हैं। वीडियो में कथित तौर पर पत्थरबाजी करने वाले लोगों के चेहरे दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में पुलिस को वीडियो के आधार पर उनकी पहचान कर गिरफ्तारी करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर पुलिस या दूसरे पक्ष के

पास घटना को लेकर कोई अलग दावा या साक्ष्य है, तो उसे भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए। केवल बयान देने से किसी आरोप की पुष्टि नहीं होती, बल्कि वीडियो और सबूत सामने रखे जाने चाहिए। राजस्थान पुलिस की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि इस मामले पर पूरे देश की नजर है। ऐसे में पुलिस की जांच और कार्रवाई से यह भी स्पष्ट होगा कि वह मामले में कितनी निष्पक्षता के साथ काम कर रही है।

आशुतोष रांका ने कहा कि उनका अभियान किसी राजनीतिक दल के खिलाफ चुनावी राजनीति करने के लिए नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरा उद्देश्य उन सरकारी स्कूलों की स्थिति सामने लाना है, जहां बच्चों को कथित तौर पर खराब और असुरक्षित परिस्थितियों में पढ़ना पड़ रहा है। उन्होंने एक ऐसे स्कूल का उदाहरण देते हुए कहा कि वह स्कूल करीब ढाई से चार साल से भैंसों के तबेले में चल रहा है। रांका ने दावा किया कि उन्होंने स्वयं पिछले वर्ष उस स्कूल का निरीक्षण किया था और वहां की स्थिति का वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया था।

रांका ने राज्य सरकार पर हमला करते हुए कहा कि सरकार को अगर बच्चों के लिए स्कूलों की बेहतर व्यवस्था करनी है तो उसे ऐसे स्कूलों की वास्तविक स्थिति देखने और उन्हें सुधारने की मांग स्वीकार करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को यह मंजूर है कि बच्चे खराब परिस्थितियों में पढ़ते रहें, लेकिन स्कूलों की स्थिति पर सवाल उठाना और निरीक्षण करना स्वीकार नहीं है। स्कूलों की स्थिति सुधारने की मांग को लेकर शुरू की गई लड़ाई अब रुकने वाली नहीं है। उनके मुताबिक, पिछले दिन की घटना के बाद आंदोलन और व्यापक होगा।

आशुतोष रांका ने कहा कि पिछले दिन के घटनाक्रम के बाद राजस्थान के अलग-अलग जिलों से स्कूलों की स्थिति को लेकर वीडियो सामने आने लगे हैं। उन्होंने दावा किया कि लोग अपने-अपने क्षेत्रों के स्कूलों की स्थिति दिखा रहे हैं और उनके निरीक्षण से जुड़े वीडियो भी साझा कर रहे हैं।

चीनी की बढ़ती कीमतों के पीछे एथेनॉल नहीं है कारण, गन्ने का कम उत्पादन और रिकवरी का है असर: कृषि विशेषज्ञ

नई दिल्ली, एजेंसी। देश भर में चीनी की कीमतों में आई तेजी को लेकर चल रही बहस के बीच कृषि और चीनी उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि इसकी मुख्य वजह चीनी को एथेनॉल उत्पादन के लिए डायवर्ट करना नहीं, बल्कि गन्ने के उत्पादन और चीनी रिकवरी में आई कमी है। उनका कहना है कि सरकार चीनी, एथेनॉल और निर्यात के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी करती है और उपभोक्ताओं की जरूरत को प्राथमिकता दी जाती है।

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट, कानपुर के पूर्व निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में जो तेजी देखने को मिली है, वह कुछ हद तक अप्रत्याशित जरूर है, लेकिन इसके लिए सीधे तौर पर एथेनॉल उत्पादन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार हर साल चीनी उत्पादन

का आकलन करते समय यह सुनिश्चित करती है कि देश की घरेलू जरूरतों के लिए पर्याप्त चीनी उपलब्ध रहे।

उन्होंने कहा कि देश में सालाना करीब 280 लाख टन चीनी की आवश्यकता होती है। इसके बाद ही अतिरिक्त चीनी को एथेनॉल उत्पादन या निर्यात के लिए अनुमति दी जाती है। उन्होंने बताया कि चालू वर्ष में लगभग 31 लाख टन चीनी के बराबर मात्रा का उपयोग एथेनॉल उत्पादन में किया गया, जबकि करीब 7 लाख टन चीनी का निर्यात भी हुआ। इसके बावजूद देश में पर्याप्त बफर स्टॉक मौजूद है।

प्रोफेसर मोहन ने कहा, इस वर्ष देश में करीब 306 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है और इसके अलावा पिछले वर्ष का कैरी-ओवर स्टॉक भी उपलब्ध था। सामान्य परिस्थितियों में भारत के पास 50 लाख टन या उससे अधिक का बफर स्टॉक रहता है, ताकि किसी अप्रत्याशित स्थिति में बाजार में आपूर्ति प्रभावित न हो। ऐसे में केवल एथेनॉल डायवर्जन को चीनी महंगी होने का कारण बताना उचित नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय चीनी उद्योग के लिए एथेनॉल एक गेम चेंजर साबित हुआ है। पहले जब देश में चीनी का उत्पादन जरूरत से कहीं अधिक हो जाता था, तब बाजार में कीमतें गिर जाती थीं और चीनी मिलों को नुकसान उठाना पड़ता था, जिसका सीधा असर किसानों के भुगतान पर पड़ता था।

उन्होंने बताया कि पहले अतिरिक्त चीनी को निर्यात करने का विकल्प था, लेकिन वैश्विक प्रतिस्पर्धा और अंतरराष्ट्रीय कीमतों के कारण यह हमेशा लाभकारी नहीं रहता था। ऐसे में सरकार ने अतिरिक्त चीनी को एथेनॉल उत्पादन में उपयोग करने की नीति अपनाई, जिससे न केवल चीनी उद्योग को स्थिरता मिली, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, पेट्रोलियम आयात में कमी और स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने जैसे कई लाभ भी प्राप्त हुए।

उन्होंने कहा कि सरकार लगातार उत्पादन की स्थिति की समीक्षा करती है और उसी के अनुसार तय करती है कि कितनी चीनी एथेनॉल के लिए डायवर्ट की जा सकती है। यदि उत्पादन कम होने की आशंका होती है, तो सरकार डायवर्जन और निर्यात दोनों पर नियंत्रण कर सकती है।

इस बीच, बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), सबौर के गन्ना शोध विभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. हरिओम ने कहा कि मौजूदा स्थिति की एक बड़ी वजह गुणवत्तापूर्ण गन्ना उत्पादन में कमी भी है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों में गन्ने की फसल की अवधि अधिक होने के कारण वहां चीनी रिकवरी भी ज्यादा होती है, जबकि उत्तर भारत में अपेक्षाकृत कम अवधि में गन्ने की कटाई और पेराई हो जाती है।

संसद के मानसूत्र सत्र के औपचारिक समापन का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी।२ संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने के दस दिन बाद भी मानसून सत्र औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ है, जिससे ये अटकलें लगाई जा रही हैं कि सरकार बिना नया सत्र बुलाए कोई अहम कानून पारित कराना चाहती है।

लोकसभा और राज्यसभा, दोनों की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई थी। आमतौर पर, अगले तीन से चार दिन के भीतर सत्रावसान कर दिया जाता है। हालांकि, रविवार सुबह तक मानसून सत्र के सत्रावसान की अधिसूचना जारी

नहीं की गई थी।

इससे पहले, बजट सत्र 18 अप्रैल को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुआ था और 20 अप्रैल को उसका सत्रावसान हुआ था।

संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, राष्ट्रपति सरकार की सिफारिश पर सत्र बुलाते हैं और उसका सत्रावसान करते हैं। ऐसी अटकलें हैं कि सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए उसमें संशोधन करने वाला विधेयक ला सकती है।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र
के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

बारिश के मौसम में डेंगू-मलेरिया का बढ़ा खतरा

अस्पतालों में वायरल मरीजों की भीड़

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेशः सोनभद्र में बारिश के मौसम के साथ सोनभद्र और आसपास के क्षेत्रों में मौसमी बुखार, सर्दी-जुकाम और वायरल संक्रमण के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। जुलाई से अक्टूबर के बीच डेंगू और मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। जिला मुख्यालय समेत आसपास के सरकारी अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी में पिछले करीब एक सप्ताह से वायरल बीमारी से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ी है।स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। चिकित्सकों के अनुसार बारिश के बाद घरों और आसपास जमा होने वाला साफ पानी मच्छरों के पनपने का कारण बन सकता है। ऐसे में पानी जमा होने से रोकना और आसपास साफ-सफाई रखना बेहद जरूरी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी की अधीक्षक डॉ. वरुणा निधि ने बताया कि बारिश के मौसम में सर्दी-जुकाम, वायरल फीवर और डेंगू जैसे संक्रमण में कमजोरी महसूस होना आम है। हालांकि, यदि मरीज अचानक इतना कमजोर हो जाए कि उठने-बैठने में परेशानी हो, अत्यधिक सुस्ती या बेचैनी महसूस हो अथवा हालत तेजी से बिगड़ने लगे तो तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए।

महिला चिकित्सक डॉ. ऐमन अंसारी ने बताया कि शुरूआती दौर में डेंगू और सामान्य वायरल बुखार के लक्षणों में अंतर करना मुश्किल हो सकता है। तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, कमजोरी और कभी-कभी उल्टी जैसी शिकायतें दोनों में हो सकती हैं। इसलिए बुखार को सामान्य समझकर लंबे समय तक घर पर इंतजार नहीं करना चाहिए। चिकित्सक डॉ. विनोद कुमार सिंह के अनुसार डेंगू जैसे संक्रमण में अचानक तेज बुखार के साथ सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, जी मिचलाना, उल्टी तथा शरीर पर लाल चकत्ते जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। हालांकि, केवल लक्षणों के आधार पर डेंगू की पुष्टि नहीं की जा सकती और जांच के लिए चिकित्सकीय सलाह जरूरी है।

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि गंभीर स्थिति में पेट में तेज दर्द, पेट दबाने पर अधिक दर्द, लगातार बेचैनी, तेज सांस चलना या सांस लेने में परेशानी जैसे संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में मरीज को तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए। महिला चिकित्सक डॉ. मुस्कान ने बताया कि इन वायरल बीमारियों में उपचार मुख्य रूप से लक्षणों को नियंत्रित करने, शरीर में पर्याप्त तरल बनाए रखने और जटिलताओं से बचाव पर केंद्रित होता है। उन्होंने लोगों को नाक या मसूड़ों से खून आने, उल्टी या मल में खून दिखाई देने जैसे लक्षणों को गंभीरता से लेने की सलाह दी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि घरों और आसपास पानी जमा न होने दें, मच्छरों से बचाव करें और तेज बुखार या गंभीर लक्षण दिखाई देने पर बिना देरी किए डॉक्टर से संपर्क करें।

5% मासिक ब्याज का झांसा देकर 2.75 लाख की ठगी का आरोप, कैनविज कंपनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

राजू

उत्तर प्रदेशः बरेली धोखाधड़ी और ठगी के मामलों में घिरे महाठग कन्हैया गुलाटी और उसकी कैनविज कंपनी के खिलाफ बरेली में एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। भारी-भरकम ब्याज और रकम दोगुनी करने का लालच देकर लोगों की गाढ़ी कमाई हड़पने वाली इस कंपनी पर शिकंजा कसता जा रहा है। ताजा मामला थाना प्रेमनगर क्षेत्र का है, जहां एक महिला की शिकायत पर पुलिस ने कैनविज कंपनी, उसके मास्टरमाइंड और एजेंट के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 5 प्रतिशत मासिक ब्याज का दिया था झांसा हार्टमैन रोड की ऊषा वाटिका की रहने वाली पीड़िता रूबी गुप्ता पत्नी दीपक गुप्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि थाना बारादरी के नवादा जोगियान निवासी एजेंट

अंशुल मौर्य पुत्र राजेंद्र मौर्य ने उन्हें कंपनी में निवेश करने के लिए उकसाया था।

एजेंट ने दावा किया था कि कैनविज कंपनी में पैसा लगाने पर हर महीने की पहली तारीख को 5 प्रतिशत ब्याज मिलेगा और 20 महीने बाद पूरी मूल धनराशि सुरक्षित वापस लौटा दी जाएगी। एजेंट के झांसे में आकर पीड़िता ने 2.25 लाख रुपये का सेंट्रल बैंक का चेक और 50,000 रुपये नकद (कुल 2.75 लाख रुपये) दे दिए दो महीने ब्याज देकर किया टालमटोल पीड़िता के अनुसार, शुरूआत में उन्हें महज दो महीने ही ब्याज की रकम दी गई, जिसके बाद भुगतान रोक दिया गया। जब उन्होंने एजेंट से अपने पैसे मांगे तो वह लगातार टालमटोल करने लगा। एजेंट के पिता राजेंद्र मौर्य ने भी पैसा वापस कराने का आश्वासन दिया, लेकिन धनराशि वापस नहीं मिली। धोखाधड़ी का अहसास होने और पैसे डूबने के सदमे से पीड़िता का मानसिक संतुलन तक बिगड़ गया एसएसपी के आदेश पर प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कैनविज कंपनी द्वारा सभी निवेशकों के पैसे गबन करने और लगातार हो रही टालमटोल से परेशान होकर पीड़िता ने एसएसपी अनुराग आर्य से न्याय की गुहार लगाई। एसएसपी के कड़े रुख को देखते हुए उनके आदेश पर थाना प्रेमनगर पुलिस ने धोखाधड़ी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

भाजपा महिला मोर्चा की जिला कार्यकारिणी घोषित, मौसमी केवट बनीं जिला मंत्री

अज्जू प्रसाद साहू

मध्य प्रदेशः भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला-शहडोल की बहुप्रतीक्षित जिला कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। जारी की गई सूची के अनुसार, नगर परिषद बकहो की अध्यक्ष श्रीमती मौसमी केवट जी को संगठन में जिला मंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा के प्रदेश नेतृत्व एवं महिला मोर्चा की जिला टीम द्वारा जारी इस सूची के बाद क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। श्रीमती मौसमी केवट जी की कार्यशैली, जनसेवा के प्रति निष्ठा और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ जुड़ाव को देखते हुए संगठन ने उन पर यह विश्वास जताया है।

संगठन को मिलेगी नई मजबूती स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों का मानना है कि मौसमी केवट जी के जिला मंत्री बनने से न केवल नगर परिषद बकहो, बल्कि संपूर्ण जिले में महिला सशक्तिकरण और संगठन के कार्यों को एक नई गति मिलेगी। बधाइयों का लगा तांता इस मनोनयन की खबर मिलते ही भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, शुभचिंतकों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं मिठाई बांटकर शुभकामनाएं दी हैं। समर्थकों ने इस नियुक्ति के लिए शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।

कोयला मजदूर पंचायत के अध्यक्ष बने लवकुश तिवारी

जयप्रकाश सिंह को सचिव की जिम्मेदारी

अज्जू प्रसाद साहू

मध्य प्रदेशः सोहागपुर क्षेत्र में हिंद खदान मजदूर फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रेशम लाल यादव की सहमति और राष्ट्रीय संगठन के सचिव विनय सिंह के निर्देश पर कोयला मजदूर पंचायत के नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। सोहागपुर क्षेत्र में अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी लवकुश तिवारी को जबकि सचिव पद का दायित्व जयप्रकाश सिंह को सौंपा गया है। नियुक्ति की जानकारी सामने आने के बाद क्षेत्र में उनके समर्थकों और शुभचिंतकों ने खुशी जताते हुए दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी।

शुभचिंतकों ने उम्मीद जताई कि लवकुश तिवारी और जयप्रकाश सिंह मजदूरों के हितों को प्राथमिकता देते हुए अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और

जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगे। अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद लवकुश तिवारी ने मजदूरों के हितों को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा कि सोहागपुर क्षेत्र में किसी भी मजदूर के साथ अन्याय या शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उन्हें प्रबंधन के समक्ष प्रमुखता से रखा जाएगा।

लवकुश तिवारी ने कहा कि यदि किसी मजदूर को बिना वजह परेशान किया जाता है या उसके साथ किसी प्रकार का अन्याय होता है तो संगठन पहले प्रबंधन के सामने मामले को रखकर समाधान कराने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि मजदूरों के अधिकारों और उनकी समस्याओं को लेकर संगठन मजबूती से आवाज उठाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बातचीत और संगठन की मांगों के बावजूद मजदूरों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मजदूरों के हितों से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा और प्रबंधन को मजदूरों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार करना होगा। नवनियुक्त अध्यक्ष ने कहा कि जल्द ही अपनी पूरी टीम का गठन किया जाएगा। संगठन के पदाधिकारी सोहागपुर क्षेत्र में मजदूरों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनेंगे और संबंधित मामलों को उचित मंच पर उठाएंगे। उन्होंने मजदूरों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को संगठन के पदाधिकारियों तक पहुंचाएं, ताकि उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

लवकुश तिवारी ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि मजदूरों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। सोहागपुर क्षेत्र में नई नियुक्तियों के बाद मजदूर संगठन से जुड़े लोगों और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। संगठन से जुड़े लोगों का कहना है कि नए पदाधिकारियों के नेतृत्व में मजदूरों की समस्याओं को प्रभावी तरीके से उठाने और उनके समाधान के लिए प्रयास तेज किए जाएंगे।

रुड़की में चीनी मिल पर व्यापारियों से तय सौदे से मुकरने के आरोप, लाखों के नुकसान का दावा

छत्र पाल

उत्तराखंडः रुड़की स्थित उत्तम शुगर मिल पर कुछ व्यापारियों ने तय कीमत पर चीनी की आपूर्ति नहीं करने और एडवांस राशि लेने के बाद सौदे से पीछे हटने के आरोप लगाए हैं। व्यापारियों का दावा है कि मिल की ओर से पहले निर्धारित रेट पर चीनी का सौदा बुक किया गया था और इसके लिए उन्होंने मिल के खाते में एडवांस राशि भी जमा कराई थी। हालांकि, बाजार में चीनी के दाम बढ़ने के बाद कथित तौर पर मिल ने तय कीमत पर माल देने से इनकार कर दिया। व्यापारियों के अनुसार, चीनी मिल के अधिकारियों से बातचीत के बाद उन्होंने निर्धारित कीमत पर चीनी की खरीद का सौदा तय किया था। सौदा तय होने के बाद व्यापारियों ने मिल के खाते में रकम जमा कर दी। उनका कहना है कि एडवांस भुगतान के बाद उन्हें उम्मीद थी कि तय समय पर उसी रेट पर चीनी की आपूर्ति कर दी जाएगी।

व्यापारियों का आरोप है कि बाजार में चीनी की कीमत बढ़ने के बाद मिल की ओर से उन्हें पहले तय किए गए रेट पर माल उपलब्ध कराने से मना कर दिया गया। इसके बजाय बढ़ी हुई कीमत पर चीनी देने की बात कही जा रही है। व्यापारियों के मुताबिक पुराने और नए रेट में करीब 2 से 4 रुपये प्रति किलोग्राम का अंतर बताया जा रहा है। बड़ी मात्रा में चीनी की खरीद के कारण यह अंतर लाखों रुपये के नुकसान में बदल सकता है। व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने जिस कीमत पर मिल के साथ सौदा तय किया था, उसी कीमत पर चीनी की आपूर्ति की जानी चाहिए। उनका तर्क है कि जब सौदा बुक करते समय एडवांस राशि भी जमा कर ली गई थी, तो बाजार भाव बढ़ने के बाद कंपनी को एकतरफा तरीके से सौदे की शर्त बदलने से बचना चाहिए।

मामले को लेकर व्यापारियों में नाराजगी है। उनका कहना है कि यदि मिल और व्यापारियों के बीच पहले से सौदा तय था और उसके बदले भुगतान स्वीकार किया गया था, तो उस सौदे को पूरा किया जाना चाहिए। व्यापारियों ने मामले में मिल प्रबंधन से स्पष्ट स्थिति बताने और तय कीमत पर माल उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं, व्यापारियों की ओर से यह सवाल भी उठाया जा रहा है कि एडवांस राशि लेने के बाद तय सौदे के तहत माल उपलब्ध कराने से इनकार करने की स्थिति में नियम क्या कहते हैं। इस संबंध में किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए संबंधित अनुबंध, भुगतान की शर्तों, बुकिंग की रसीद और सौदे की लिखित शर्तों की जांच जरूरी होगी।

फिलहाल व्यापारियों द्वारा लगाए गए आरोपों पर उत्तम शुगर मिल प्रबंधन का विस्तृत पक्ष सामने नहीं आया है। मिल प्रबंधन का पक्ष मिलने के बाद मामले की तस्वीर और स्पष्ट हो सकेगी। व्यापारियों का कहना है कि यदि तय रेट पर चीनी उपलब्ध नहीं कराई गई तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। अब देखने वाली बात होगी कि मिल प्रबंधन इस विवाद पर क्या स्पष्टीकरण देता है और व्यापारियों द्वारा बुक किए गए सौदों के संबंध में क्या निर्णय लिया जाता है।

औरैया में 25 हजार के इनामी आरोपी से पुलिस की मुठभेड़, पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार

राघवेंद्र

उत्तर प्रदेशः औरैया अजीतमल कोतवाली पुलिस, स्वाट और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में गोकशी के मामले में वांछित चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। मुठभेड़ अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के भीखेपुर-जुआ मार्ग पर हुई। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से आरोपी के क्षेत्र में आने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने चेकिंग अभियान शुरू किया। इसी दौरान बिना नंबर की बाइक से एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन आरोपी बाइक तेजी से भगाने लगा। कुछ दूरी पर बाइक फिसलने के बाद आरोपी ने खुद को पुलिस से घिरा देख टीम पर फायरिंग कर दी।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी की गोली पुलिस की जीप में लगी। इसके बाद पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने घायल आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, चार जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और बिना नंबर की बाइक बरामद की है। पुलिस क्षेत्राधिकारी अजीतमल मनोज गंगवार के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ डेढ़ दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह गोकशी के मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर उसके आपराधिक नेटवर्क और पूर्व में दर्ज मामलों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बजरंग दल नेता की मौत के मामले में आदेश शंखधार गिरफ्तार, मिलक कोतवाल हटाए गए

राजू

उत्तर प्रदेशः मिलक बजरंग दल के प्रखंड संयोजक सूरज पटेल की मौत के मामले में पुलिस ने आत्महत्या को उकसाने के आरोपी अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष आदेश शंखधार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। साथ ही कार्यकर्ताओं की मांग पर कोतवाल मनीराम सिंह को भी हटा दिया गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बजरंग दल नेता का अंतिम संस्कार कर दिया गया। गांव में पुलिस बल तैनात रहा क्षेत्र के लखीमपुर विष्णु गांव में बजरंग दल के प्रखंड संयोजक सूरज पटेल का शव पेड़ से लटका हुआ मिला था, जिसके बाद परिजनों के साथ ही कार्यकर्ताओं में गुस्सा कायम हो गया था। बुधवार को हुई इस घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था

वहीं, सूरज पटेल की पत्नी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष आदेश शंखधार के खिलाफ आत्महत्या को उकसाने, रंगदारी मांगने व धमकाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया था।

पुलिस ने आरोपी अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष आदेश शंखधार को गिरफ्तार कर लिया पोस्टमार्टम के बाद बृहस्पतिवार को सूरज पटेल का शव गांव लाया गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया। शव गांव पहुंचते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिजनों और हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं के आक्रोश को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह के नेतृत्व में कई थानों का पुलिस बल गांव में तैनात रहा

वहीं, मामले में कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में मिलक कोतवाल मनीराम सिंह को हटा दिया गया। उनके स्थान पर शिकायत प्रकोष्ठ प्रभारी संजय कुमार को मिलक कोतवाली का प्रभारी बनाया गया है। इससे पहले आरोपी की गिरफ्तारी और कोतवाल पर कार्रवाई की मांग को लेकर बृहस्पतिवार सुबह से ही कोतवाली के सामने लोगों ने नारेबाजी की। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने भीड़ को वहां से हटाया।

इसके बाद आक्रोशित परिजन और ग्रामीण बिलासपुर रोड स्थित बिजलीघर के सामने एकत्र हो गए और विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंचे सीओ ट्रैफिक राजवीर सिंह परिहार और बिलासपुर सीओ हर्षिता सिंह ने प्रदर्शनकारियों को समझा-बुझाकर शांत कराया पुलिस प्रशासन रहा सतर्क मिलक। शव गांव पहुंचने की सूचना पर पुलिस प्रशासन पहले से ही अलर्ट रहा। अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह, मिलक सीओ प्रीतम पाल सिंह, सीओ ट्रैफिक राजवीर सिंह परिहार, बिलासपुर सीओ हर्षिता सिंह, शाहबाद सीओ के अलावा कई थानों के प्रभारी, दरोगा और पुलिसकर्मी गांव में तैनात रहे।

15-20 साल से बंद सीतापुर आई हॉस्पिटल के फिर खुलने की उम्मीद, डीएम ने किया निरीक्षण

अमर दीप

उत्तर प्रदेशः फरुर्खाबाद जिले में करीब 15 से 20 वर्षों से निष्क्रिय पड़े सीतापुर आई हॉस्पिटल के दोबारा शुरू होने की उम्मीद जगी है। स्थानीय नागरिकों की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आनंद उपाध्याय के साथ अस्पताल परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया। डीएम ने अस्पताल के जीर्णोद्धार और पुन संचालन की दिशा में आवश्यक प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने भवन, परिसर और इससे जुड़े दस्तावेजों की जानकारी ली। भूमि से संबंधित अभिलेखों की जांच के लिए जिला शासकीय अधिवक्ता (सिविल) कृष्णकांत महाजन को विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, भवन की तकनीकी स्थिति का

आकलन करने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता मुरलीधर को भौतिक निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है।

डीएम ने अस्पताल को दोबारा संचालित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग को अंतरविभागीय समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। अस्पताल को 'आई रिलीफ सोसाइटी' के माध्यम से फिर से क्रियाशील करने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। जिलाधिकारी इस सोसाइटी की अध्यक्ष हैं, जबकि मुख्य चिकित्सा अधिकारी इसके उपाध्यक्ष हैं। बताया गया कि सीतापुर आई हॉस्पिटल से जुड़ी जमीन वर्ष 1963 में प्रशासन द्वारा अधिग्रहीत की गई थी। इसके बाद जनता के सहयोग और सरकारी अनुदान से अस्पताल का निर्माण कराया गया था। लंबे समय तक लोगों को यहां नेत्र संबंधी चिकित्सा सुविधाएं मिलने की उम्मीद रही, लेकिन पिछले कई वर्षों से अस्पताल निष्क्रिय पड़ा है। जानकारी के मुताबिक वर्ष 2022 से अस्पताल को मिलने वाला सरकारी अनुदान भी बंद हो गया था। इसके चलते अस्पताल की इमारत की स्थिति लगातार खराब होती गई और भवन जर्जर अवस्था में पहुंच गया।

अब प्रशासन की ओर से अस्पताल के पुराने स्वरूप को सुधारने और इसे दोबारा जनता के लिए उपयोगी बनाने की कवायद शुरू की गई है। अधिकारियों द्वारा भूमि संबंधी दस्तावेजों और भवन की तकनीकी स्थिति की रिपोर्ट तैयार किए जाने के बाद आगे की कार्ययोजना तय की जाएगी। स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि प्रशासन की इस पहल से लंबे समय से बंद अस्पताल में फिर से चिकित्सा सेवाएं शुरू हो सकेंगी। अस्पताल के दोबारा संचालन से फरुर्खाबाद और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को नेत्र जांच और उपचार की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने की संभावना है।

नगर निकायों की समीक्षा, डीएम ने सफाई-पेयजल और विकास कार्यों में तेजी के दिए निर्देश

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः जनपद गाजीपुर के जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार, गाजीपुर में नगर निकायों से संबंधित विकास कार्यों एवं जनसुविधाओं की समीक्षा हेतु बैठक संपन्न हुई। बैठक में जनपद के नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों में संचालित विभिन्न विकास कार्यों, साफ-सफाई व्यवस्था, जल निकासी, पेयजल आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य नागरिक सुविधाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई।जिलाधिकारी ने नगर निकायों में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में नियमित रूप से सफाई कराई जाए तथा कूड़ा-कचरा निर्धारित स्थानों पर ही एकत्रित एवं निस्तारित किया जाए। जलभराव की समस्या वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि नागरिकों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराया जाए। खराब हैंडपंप, पाइपलाइन एवं अन्य जलापूर्ति संबंधी समस्याओं का तत्काल निस्तारण कराया जाए। उन्होंने नगर क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइटों की स्थिति की जानकारी लेते हुए खराब प्रकाश व्यवस्था को शीघ्र दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने नगर निकायों में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराए जाएं तथा कार्यों की नियमित निगरानी की जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित की जिम्मेदारी निर्धारित की जाएगी। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किया कि चिन्हित कर स्थानो पर खेल मैदान में ओपेन जीम तथा पूर्व मे संचालित हो या उचित स्थान चिन्हित कर डिजीटल लाइब्रेरी निर्माण किया जाय। गाजीपुर शहर में प्रवेश मार्ग पर उचित लाईट की व्यवस्था की जाय।

उन्होंने कर वसूली की भी समीक्षा करते हुए राजस्व बढ़ाने के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छता, पथ प्रकाश, नाली निर्माण, सड़क मरम्मत सहित जनहित से जुड़ी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर निकायों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें तथा आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करें। बैठक में संबंधित नगर निकायों के अधिकारी, अधिशासी अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

काकोरी मंदिर में बीजेपी विधायक को पूजा से रोकने का आरोप, जातिगत भेदभाव पर विवाद

फूलचंद मालवीय

उत्तर प्रदेशः राजधानी लखनऊ के काकोरी क्षेत्र स्थित शीतला माता मंदिर में आयोजित जीर्णोद्धार समारोह के दौरान भारतीय जनता पार्टी की दलित विधायक जय देवी कौशल को पूजा-अर्चना करने से कथित तौर पर रोके जाने का गंभीर मामला सामने आया है इस घटना के बाद सामाजिक समानता और मंदिर प्रवेश के अधिकारों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं विधायक जय देवी कौशल का आरोप है कि पासी समाज से होने के कारण उनके साथ मंदिर परिसर में जातिगत भेदभाव किया गया और विधि-विधान से पूजा नहीं करने दी गई।

विधायक के अनुसार जिस मंदिर के जीर्णोद्धार का उत्सव मनाया जा रहा था उसके निर्माण और सौंदर्यीकरण के लिए उन्होंने स्वयं अपनी विधायक निधि से बजट स्वीकृत कराया था इसके बावजूद

समारोह के दिन उनके साथ ऐसा दुर्व्यवहार किया गया विधायक ने पूरे मामले पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए पुलिस और प्रशासन से दोषियों के खिलाफ तुरंत सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है घटना के बाद से क्षेत्र में भारी रोष देखा जा रहा है और प्रशासन मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जांच में जुटा है।

अयोध्या में 15 से 23 दिसंबर तक होगी 9 दिवसीय श्रीराम कथा

मुजफ्फर खान शेख

उत्तर प्रदेशः भगवान श्रीराम की पावन जन्मभूमि श्रीधाम अयोध्या में आगामी 15 से 23 दिसंबर 2026 तक नौ दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा का वाचन व्यासपीठ से परम पूज्य आचार्य रामानुज जी के श्रीमुख से होगा। कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखा जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, कथा का आयोजन मानस भवन, श्रीधाम अयोध्या में किया जाएगा। धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में आयोजित होने वाली इस कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। आयोजन का उद्देश्य लोगों को भगवान श्रीराम के आदर्शों, मयार्दा, भक्ति और सेवा के संदेश से जोड़ना है। श्री हरिकथा आयोजन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष गंभीर मल जी राठी और उपाध्यक्ष रमेश सोनी ने बताया कि यह

आयोजन मानवता मिशन ट्रस्ट द्वारा संचालित धर्म, संस्कार, सेवा, शिक्षा एवं मानव कल्याण से जुड़े विभिन्न सत्कार्यों के लाभार्थ आयोजित किया जा रहा है। समिति की ओर से श्रद्धालुओं से सपरिवार कथा में शामिल होकर आध्यात्मिक लाभ लेने और सेवा कार्यों में सहयोग करने की अपील की गई है।

आयोजकों ने कहा कि जहां प्रभु श्रीराम का स्मरण होता है, वहां जीवन में भक्ति, मयार्दा और आनंद का प्रकाश फैलता है। अयोध्या की पावन धरती पर होने वाली इस नौ दिवसीय श्रीराम कथा को श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक अवसर बताया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान कथा श्रवण के साथ सेवा कार्यों में सहयोग करने का भी अवसर मिलेगा। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी समिति के पदाधिकारियों से प्राप्त करने की अपील की है। वहीं, राणापुर नगर से भी श्रद्धालुओं को अयोध्या ले जाने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार, करीब एक बस के जरिए श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने की व्यवस्था बनाने पर तैयारी चल रही है। इससे स्थानीय लोगों में भी कथा में शामिल होने को लेकर उत्साह है। आयोजकों ने लोगों से अपील की है कि वे परिवार सहित अयोध्या पहुंचकर श्रीराम कथा का श्रवण करें और सेवा-यज्ञ में सहभागी बनें।

राणापुर में शान से फहराया तिरंगा, एकता-अखंडता बनाए रखने का लिया संकल्प

मुजफ्फर खान शेख

मध्य प्रदेशः राणापुर में स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद् की ओर से मुनिसुव्रत स्वामी जिनालय परिसर में गरिमामय वातावरण में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भक्ति के साथ राष्ट्रभक्ति की भावना भी देखने को मिली। बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने कार्यक्रम में शामिल होकर राष्ट्रीय ध्वज को नमन किया और देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान श्रीसंघ के वरिष्ठ सदस्य चंद्रशेखर सालेचा, दिनेशचंद्र नाहर और प्रवीण कटारिया ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया। तिरंगा फहराए जाने के बाद उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में राष्ट्रगान गाया। राष्ट्रगान के दौरान पूरा वातावरण देशभक्ति से ओत-प्रोत नजर आया।

ध्वजारोहण के बाद उपस्थित नागरिकों ने राष्ट्रीय ध्वज को नमन किया। इस दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के गगनभेदी जयकारों से पूरा जिनालय परिसर गूंज उठा। लोगों ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना बलिदान देने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हुए उनके योगदान के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल राष्ट्रीय पर्व ही नहीं, बल्कि देश की एकता, संप्रभुता और अखंडता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को याद करने का अवसर भी है। सभी नागरिकों को मिल-जुलकर देश की प्रगति और सामाजिक सौहार्द के लिए कार्य करना चाहिए। उपस्थित लोगों ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर परिषद् अध्यक्ष प्रवीण नाहर सहित जितेंद्र कटारिया, दिनेश सालेचा, संजय कटारिया, सुनील नाहर, पवन नाहर, संदीप कटारिया, नितिन कटारिया और प्रणय कटारिया मौजूद रहे। इसके अलावा महिला परिषद् की सदस्याओं तथा समाज के कई गणमान्य नागरिकों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में उत्साह और देशभक्ति का माहौल बना रहा। समाज के लोगों ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्र की उन्नति और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम ने लोगों में देशप्रेम, आपसी भाईचारे और राष्ट्रीय एकता की भावना को और मजबूत किया।

जिला कारागार और किशोर गृह का औचक निरीक्षण, बंदियों को विधिक अधिकारों की दी जानकारी

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेशों के अनुपालन में आज दिनांक 20.08.2026 को जिला कारागार, गाजीपुर व राजकीय प्लेस ऑफ सेफ्टी गाजीपुर एवं राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) गाजीपुर का निरीक्षण नीरज गोंड, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर द्वारा औचक निरीक्षण एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। सचिव महोदय द्वारा बंदियों से कारागारों में स्थित मुलाकाती स्थल पर लीगल एड हेल्प डेस्क की स्थापना से संबंधित लाभ, निःशुल्क अधिवक्ता, जेल अपील व अन्य समस्याएं पूछी गयी एवं उनके यथोचित अधिकार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया तथा बंदियों को उनके संवैधानिक अधिकारों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा बंदियों के सुबह का नाश्ता, दोपहर का भोजन व सायं के भोजन के संबंध में उचित दिशा-निर्देश दिया गया।

सचिव महोदय द्वारा जेल के बंदियों से बात कर उनकी समस्याओं को समझने के साथ ही उनके निस्तारण का निर्देश दिया। सचिव महोदय द्वारा बीमार बंदियो के संबंध में कारापाल एवं चिकित्सक को उचित निर्देश दिया गया तथा कारापाल को जिला कारागार में स्थित जेल लीगल क्लीनिक व जेल लोक अदालत पर पिषेश रूप से ध्यान देने के निर्देश दिए ताकि जेल में निरूद्ध बंदियों को समय से व समुचित विधिक सहायता प्राप्त हो सके। कारागार परिसर में साफ-सफाई, मच्छरों से बचाव हेतु दवा के छिड़काव के लिए निर्देशित किया गया।

इस अवसर पर कारागार के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। राजकीय प्लेस ऑफ सेफ्टी गाजीपुर में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे, तथा आवासित किशोर उपस्थिति पंजिका दिनांक 20.08.2026 के अनुसार किशोर उपस्थित पाये गये। राजकीय प्लेस ऑफ सेफ्टी गाजीपुर एवं राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) गाजीपुर को निर्देशित किया गया कि मीनू के अनुसार भोजन, साफ-सफाई, कपडे. तथा स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य परीक्षण व्यवस्था करना सुनिश्चित करें, बच्चों से प्रतिदिन शारीरिक गति विधि कराने एवं शिक्षा के लिए निर्देशित किया गया। किसी भी बालक द्वारा किसी उत्पीड़न अथवा परेशानी का कोई उल्लेख नहीं किया गया है।

खेत में मिला युवक का शव, ससुराल पर शक

मोइन उद्दीन

बिहारः मुख्तियारपुर नवादा में खेत में पड़ा मिला शव कांठ। थाना क्षेत्र में ग्राम मुख्तियारपुर नवादा निवासी किसान के खेत में एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। थाना पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस के अनुसार मृतक की उसके ससुराल एवं घर पर कहासुनी होना बताया गया है।

थाना कांठ के ग्राम मुख्तियारपुर नवादा के जंगल में किसान अशोक कुमार के गन्ने के खेत में कुछ लोगों ने एक व्यक्ति का शव पडा देखा तो उन्होंने घटना की जानकारी थाना कांठ पुलिस को दी। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर क्राइम रामनरेश यादव एवं सीओ अभिनव द्विवेदी ने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही आसपास के गांव के लोगों को बुलाकर मौके पर जानकारी की तो मृतक की पहचान थाना छजलैट क्षेत्र के ग्राम सराय खजूर निवासी नासिर पुत्र सफीक उम्र 25 वर्ष के रूप में हुई है। मृतक के स्वजन मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए मुरादाबाद भेज दिया है। मौके पर पहुंचे परिजनों का रोते बिलखते बुरा हाल था।

उनका कहना था कि ससुराल पक्ष के लोगों ने ही उसे नशा करा कर हत्या की है। इंस्पेक्टर क्राइम रामनरेश यादव ने बताया कि मृतक की अपनी ससुराल वालों एवं घर वालों से कहासुनी होना उसके स्वजनों द्वारा बताया गया है। उसके शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही असलियत का पता लगेगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हत्या के मामले में मुख्य आरोपी के बाद हथियार सप्लायर भी गिरफ्तार, पुलिस रिमांड पर होगी पूछताछ

राजपूत रंजीत

हरियाणाः थाना आजाद नगर पुलिस ने हत्या के मामले में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद वारदात में प्रयुक्त तेजधार हथियार उपलब्ध करवाने वाले आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनोज पुत्र तारचन्द, निवासी चिड़ोद के रूप में हुई है। आरोपी को आज अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि वारदात एवं हथियार उपलब्ध करवाने से जुड़े अन्य पहलुओं के संबंध में गहनता से पूछताछ की जा सके। थाना आजाद नगर प्रभारी इंस्पेक्टर मनदीप सिंह ने बताया कि बलवान सिंह पुत्र महावीर सिंह निवासी तलवंडी रुक्का ने पुलिस को शिकायत देकर बताया था कि उसके पिता महावीर सिंह पुत्र देवतराम रात के समय अपने घर के बाहर चबूतरे पर सो रहे थे। इसी दौरान तीन अज्ञात युवकों ने तेजधार हथियारों से उन पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। उपचार के दौरान उनके पिता की मृत्यु हो गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घटनास्थल सहित अन्य सभी पहलुओं की गहनता से जांच शुरू की। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी लवकेश उर्फ आशीष पुत्र विनोद कुमार, निवासी रावत खेड़ा को पहले ही गिरफ्तार कर चार दिन के रिमांड पर लिया था । जांच के दौरान पुलिस को वारदात के पीछे रंजिश का कारण सामने आया। प्रारंभिक जांच के अनुसार आरोपी पक्ष मृतक के पोते द्वारा एक युवती के साथ अंतरजातीय प्रेम विवाह किए जाने को लेकर रंजिश रखता था। इसी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम देने की बात सामने आई है। पुलिस मामले के प्रत्येक पहलू की गहनता से जांच कर रही है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की भी पहचान कर ली गई है तथा उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। वहीं, वारदात में प्रयुक्त तेजधार हथियार उपलब्ध करवाने वाले आरोपी मनोज को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

एसपी सिद्धान्त जैन ने कहा कि हत्या जैसे गंभीर अपराधों में किसी भी आरोपी के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। हिसार पुलिस अपराधियों के खिलाफ सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई कर रही है। मामले में फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर कानून के समक्ष पेश किया जाएगा। हिसार पुलिस की अपराधियों को स्पष्ट चेतावनी है कि कानून से बचने का कोई रास्ता नहीं है। अपराध में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संलिप्त प्रत्येक व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अजमेर के डिग्गी बाजार स्थित होटल नाज में लगी आग 4 लोगों की मौत

मोहम्मद मोइन गौरी

राजस्थानः डिग्गी बाजार में स्थित होटल नाज में लगी आग में 9 लोगों के झुलसने की खबर है। झुलसे लोगों में से 4 लोगों के मरने की खबर है। मरने वालों में 2 पुरुष, 1 महिला और 1 बच्चे की मौत की खबर है। यह हादसा सुबह तकरीबन 7:30 बजे हुआ था, जिस वक्त होटल में दरगाह जियारत पर आए हुए जायरीन सो रहे थे। जब यह हादसा हुआ, मौके पर दमकल की गाड़ियाँ पहुँचीं और आग पर नियंत्रण पाया। झुलसे हुए लोगों को जल्द से जल्द जे एल एन हॉस्पिटल पहुँचाया गया, जहाँ पर इलाज के दौरान चार लोगों की मौत हो गई।

जल-मिश्रित नकली शराब का खुलासा

51 बोतले और 28 हजार से अधिक नकदी बरामद, दो गिरफ्तार

इरशाद अहमद

हरियाणाः अवैध व जल-मिश्रित नकली शराब के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार, 51 अदद बोतलें व नकदी बरामद संतकबीरनगर जिले में आबकारी विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अवैध और मिलावटी शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की गई है। दिनांक 19.08.2026 को उप आबकारी आयुक्त बस्ती प्रभार (बस्ती) श्री एस.पी. पाण्डेय, जिला आबकारी अधिकारी संतकबीरनगर श्री संजय कुमार, आबकारी निरीक्षक प्रवर्तन-01 बस्ती श्री कमलकान्त यादव तथा आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-02 मेहदावल श्री बसंत प्रसाद मय आबकारी टीम के साथ कम्पोजिट दुकान अब्बासगंज भिटिया का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकान में रखी संदिग्ध मदिरा की गहन जांच एल्कोहल मीटर से मौके पर की

गई। जांच में मदिरा की तीव्रता मानक से कम पाई गई, जिससे स्पष्ट हुआ कि बोतलों, अध्धों और पौवों में पानी मिलाकर अवैध रूप से नकली शराब तैयार की जा रही थी। पुराने ढक्कन और क्यूआर कोड का उपयोग कर नए और खाली बोतलों में जल-मिश्रित शराब भरकर ग्राहकों को असली बताकर बेचा जा रहा था।

जिससे सरकारी राजस्व की भारी क्षति हो रही थी और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा था। मौके से कुल 51 अदद (बोतल, अध्धा और पौवा) जल-मिश्रित संदिग्ध मदिरा तथा दुकान की बिक्री से प्राप्त 28,212 रुपये नकद, सील मुहर, नमूना मुहर और निरीक्षण चेकलिस्ट की प्रतियां बरामद की गईं। गिरफ्तार अभियुक्तगण लवी पुत्र विरेन्द्र कुमार, निवासी- करमापुर माफी (करमपुर माफी), थाना बीसलपुर, जनपद पीलीभीत (उत्तर प्रदेश)। मनोज पाल पुत्र अहिबरन लाल, निवासी- उनौती, थाना टडियावा, जिला हरदोई। मामले में संलिप्त अन्य अभियुक्त आदित्य कुमार पुत्र राजित राम, निवासी- चकअली पुर शाह, थाना फतेहपुर, जनपद फतेहपुर का नाम भी प्रकाश में आया है। पंजीकृत अभियोग सर्वोच्च न्यायालय एवं मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करते हुए अभियुक्तों को गिरफ्तार कर थाना दुधारा लाया गया। वादी आबकारी निरीक्षक श्री बसंत प्रसाद की तहरीर पर थाना दुधारा में निम्नलिखित धाराओं के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

मुअसंः 347/26 धाराएंः 318, 319 बीएनएस (BNS) एवं 60/64 आबकारी अधिनियम

घटनास्थलः अब्बासगंज भिटिया (थाना दुधारा क्षेत्र, संतकबीरनगर) विवेचकः उ.नि. श्री रामसूरत प्रसाद संबंधित अभियुक्तों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बरेली में चीनी की बढ़ती कीमतों के बीच गोदामों पर हुई छापेमारी, 4 हजार क्विंटल से अधिक स्टॉक पर लगी रोक

छत्र पाल

उत्तर प्रदेशः बरेली चीनी के बढ़ते दामों और जमाखोरी की आशंका को देखते हुए पूर्ति विभाग ने शुक्रवार को शहर के थोक और फुटकर कारोबारियों के गोदामों की औचक जांच की। टीम ने गोदामों में मौजूद चीनी के स्टॉक की जांच कर स्टॉक रजिस्टर से उसका मिलान किया। अधिकारियों ने कारोबारियों को तय सीमा से अधिक चीनी का भंडारण मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि 20 अगस्त को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस में चीनी कारोबारियों के स्टॉक की सीमा निर्धारित किए जाने की जानकारी दी गई थी। निर्देशों के अनुसार कोई भी चीनी व्यापारी 4 हजार क्विंटल से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं रख सकता। निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक मिलने पर संबंधित कारोबारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

निर्देशों के बाद पूर्ति निरीक्षकों की टीम ने कई कारोबारियों के गोदामों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने स्टॉक रजिस्टर की जांच के साथ मौके पर मौजूद चीनी की मात्रा का भी मिलान किया। जांच के दौरान किसी भी गोदाम में निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक नहीं मिला। जिला पूर्ति अधिकारी ने कहा कि जिले में चीनी की कोई कमी नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की कि चीनी की उपलब्धता और कीमतों को लेकर फैल रही अफवाहों पर भरोसा न करें और जरूरत से अधिक खरीदारी कर अनावश्यक भंडारण से बचें। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

इस बीच अन्य खाद्य पदार्थों के दामों में भी तेजी दर्ज की गई है। पिछले एक महीने में धनिया 90 से बढ़कर 180 रुपये किलो, गुड़ और बूरा करीब 70 रुपये किलो, खील 90-95 रुपये किलो और बादाम करीब 1120 रुपये किलो तक पहुंच गया है। कारोबारियों के अनुसार चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे उत्पादन में कमी को प्रमुख कारण बताया जा रहा है। प्रशासन ने साफ किया है कि बाजार में स्टॉक और कीमतों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। जमाखोरी या निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक मिलने पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सोहागपुर में RKTC के खनन कार्य पर उठे सवाल, प्रबंधन व राजनीतिक संरक्षण की जांच की मांग

लवकुश प्रसाद तिवारी

मध्य प्रदेशः सोहागपुर क्षेत्र में RKTC Infratech Limited को मिले बड़े खनन कार्य के बाद कंपनी के कामकाज और स्थानीय स्तर पर उसके प्रभाव को लेकर सवाल उठने लगे हैं। कंपनी को अमलाई ओपनकास्ट माइन, सोहागपुर एरिया में ओवरबर्डन हटाने, कोयला उत्खनन, लोडिंग एवं परिवहन से संबंधित कार्य मिला है। कंपनी की अपनी वेबसाइट के अनुसार इस परियोजना की लागत लगभग 393.56 करोड़ है। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि सोहागपुर क्षेत्र के प्रबंधन से लेकर कुछ निजी राजनीतिक प्रभाव रखने वाले लोगों तक कंपनी का प्रभाव बना हुआ है। हालांकि इन आरोपों

RKTC के जनरल मैनेजर वेंकटेश्वर रेड्डी ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या कंपनी को प्रशासनिक स्तर पर किसी प्रकार का अनुचित संरक्षण या दबाव का लाभ मिल रहा है? मामले में यह भी जांच का विषय है कि कंपनी के कार्यस्थल पर श्रमिकों के वेतन, ड्यूटी, सुरक्षा, पीएफ तथा अन्य वैधानिक सुविधाओं का पालन निर्धारित नियमों के अनुसार नहीं हो रहा है। कंपनी द्वारा परियोजना में श्रमिक कल्याण और सुरक्षा मानकों के पालन का दावा किया गया है।

स्थानीय लोगों और श्रमिकों की मांग है कि एएउछ के उच्च अधिकारी महाप्रबंधक पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराएं और यह स्पष्ट करें कि कंपनी को किसी अधिकारी, प्रबंधन अथवा राजनीतिक प्रभावशाली व्यक्ति का अनुचित संरक्षण तो नहीं मिल रहा है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित व्यक्तियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं यदि आरोप निराधार हैं तो कंपनी और संबंधित अधिकारियों का पक्ष भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि पूरे मामले की वास्तविक स्थिति सामने आ सके।मुख्य सवाल यह भी हैं कि क्या RKTC Infratech को नियमों के अनुसार काम नहीं चल रहा है और वहीं श्रमिकों को किसी भी प्रकार की कोई भी वैधानिक सुविधाएं नहीं मिल रही हैं? क्या SECL प्रबंधन द्वारा कंपनी की निगरानी निष्पक्ष रूप से नहीं की जा रही है?और किसी राजनीतिक या निजी प्रभाव का कंपनी को लाभ मिल रहा है?इन सवालों का जवाब जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

रास्ता पूछने के बहाने किसान से 50 हजार की टप्पेबाजी, लिफ्ट देकर जेब से उड़ाए रुपये

अमर दीप

उत्तर प्रदेशः कंपिल क्षेत्र में टप्पेबाजों ने एक किसान को अपना शिकार बनाया है। रास्ता पूछने के बहाने बाइक पर लिफ्ट देकर शातिर बदमाशों ने किसान की जेब से 50 हजार रुपये पार कर दिए। जब तक किसान को इस ठगी का अहसास हुआ, तब तक आरोपी मौके से फरार हो चुके थे। क्या है पूरा मामला? कासगंज जिले के थाना सिकंदरपुर वैश्य क्षेत्र के गांव बहोरा निवासी किसान राजेंद्र यादव मंगलवार सुबह भैंस खरीदने के लिए फुलू नगला जा रहे थे। रास्ते में कंपिल बाईपास के पास उनकी बाइक पंचर हो गई, जिसे ठीक कराने के लिए उनके साथी चले गए। इसी बीच पीछे से बाइक पर सवार दो युवक आए। उन्होंने राजेंद्र

से 'अटैना' जाने का रास्ता पूछा और बातों में उलझाकर उन्हें अपनी बाइक पर बैठा लिया। आरोप है कि इसी दौरान बड़ी चालाकी से किसान की जेब काटकर 50 हजार रुपये निकाल लिए गए।

ठगी का अहसास और पुलिस की कार्रवाईः बाइक से उतरने के बाद जब राजेंद्र ने अपनी जेब चेक की, तो उनके होश उड़ गए। उनके शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई, लेकिन तब तक टप्पेबाज रफूचक्कर हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस और पीड़ित के साथी के बीच विवादः जांच के दौरान पीड़ित के साथ आए एक युवक और पुलिसकर्मी के बीच मोबाइल फोन और पासवर्ड को लेकर विवाद की बात भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि पुलिस उस युवक को पूछताछ के लिए थाने ले गई। हालांकि, थाना प्रभारी नितिन कुमार ने किसी भी तरह के विवाद या हाथापाई की घटना से साफ इनकार किया है।

पुलिस फिलहाल मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और टप्पेबाजों की तलाश जारी है। इस खबर को ज्यादा से ज्यादा शेयर करें ताकि अन्य लोग भी ऐसी घटनाओं को लेकर सतर्क रहें। अनजान लोगों से लिफ्ट लेते समय या उन्हें रास्ता बताते समय पूरी सावधानी बरतें।

मुरादाबाद में हरिहर मंदिर जलाभिषेक के लिए कूच कर रहे शिवसैनिकों को पुलिस ने रोका, करीब 1200 ने दी गिरफ्तारी

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेशः राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा हरिहर मंदिर जलाभिषेक के लिए मुंबई के वरिष्ठ नेता राजेश दुबे जी, अनिल देशमुख जी, उत्तराखंड के प्रदेश उप प्रमुख रूपेंद्र नागर जी, पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी महेश आहूजा जी ने इस बार मुरादाबाद शिवसेना द्वारा शुरू किए गए आंदोलन का नेतृत्व किया। मुरादाबाद जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा जी और महानगर प्रमुख कमल सिंह राव जी के साथ बरेली, हल्द्वानी, मेरठ, गाजियाबाद, बिजनौर एवं नोएडा के जिला प्रमुख भी मौजूद रहे। हरिहर मंदिर की तरफ कूच करने के लिए मुरादाबाद शिवसेना की विभिन्न इकाईयों एवं

शाखों के सैकड़ो शिव सैनिक प्रातः 11:00 बजे बुध बाजार स्थित जिला कार्यालय पर समय अनुसार एकत्रित होने लगे मव ग्रामीण क्षेत्रों से ट्रैक्टर ट्राली में इकट्ठे होकर आते कई शिव सैनिकों को रास्ते में ही भारी पुलिस बल लगाकर और महानगर के कई वरिष्ठ पदाधिकारी को घरों में नजर बंद कर रोक लिया गया। बावजूद इसके सैकड़ो शिव सैनिक जिला कार्यालय पर एकत्रित होकर 12:30 बजे जब शिवाजी चौक से से निकलने लगे थे शिवाजी चौक के निकट पहुंचते ही पुलिस ने चारों तरफ भारी बल लगाकर एक छावनी बना दी और वहीं उन्हें रोक लिया, जिससे शिव सैनिको और पुलिस के बीच भारी नोक-झोक हुई।

"बाबा हम तो आएंगे जल वही चढ़ाएंगे", " जय भवानी जय शिवाजी" के नारों से पूरा बुध बाजार गूंज उठा। पुलिस द्वारा रोकने के विरोध में शिव सैनिक धरना देते हुए सड़क पर बैठ गए इसके बाद पुलिस ने शिव सैनिकों को गिरफ्तार किया। आज के आंदोलन में भाग लेते हुए लगभग 1200 शिवसैनिकों ने अपनी लिखित गिरफ्तारी दी। आज के कार्यक्रम में विपिन भटनागर, वीरेंद्र अरोड़ा,कमल सिंह राव , मुदित उपाध्याय, शिबू पांडे, राजीव राठौर, अरुण ठाकुर,आकाश सिंह, मयंक सैनी, महेश राजपूत, विक्की कश्यप, प्रदीप ठाकुर, तिलक राज, विशाल सैनी, शिबू सैनी, शरद कपूर, यश कश्यप, हरि सिंह, सोनू, जीतू प्रजापति , तेजपाल सैनी, राजपाल, राहुल, जितेंद्र पासी, मधुबाला कश्यप, धर्मेंद्र कश्यप, उमेश ठाकुर, सुरेश सैनी, नितेश सिंह,पंकज पाल, बादाम सिंह,हर्ष सिंह, अशोक सैनी, पवन रोहिल्ला, चंचल अरोड़ा के साथ सैकड़ों शिव सैनिक मौजूद रहे।

अजमेर में अखिल भारतीय किन्नर महासम्मेलन की शोभायात्रा, जगह-जगह हुआ स्वागत

मोहम्मद मोइन गौरी

राजस्थानः शुक्रवार को अजमेर में चल रहे दस दिवसीय अखिल भारतीय किन्नर महासम्मेलन के तहत भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। किन्नर समाज की आराध्या बहुचरा माता की पूजा-अर्चना के बाद यह शोभायात्रा शुरू हुई, जिसमें देशभर से किन्नर समाज के लोग और गुरू शामिल हुए। शोभायात्रा में अजमेर की गद्दीपति सलोनी बाई के नेतृत्व में नागौर, नसीराबाद, पीसांगन, श्योपुर, सोजत, सुमेरपुर, गंगरार, मेड़ता, किशनगढ़, हरिद्वार और कई अन्य स्थानों से किन्नर समाज के लोग शामिल हुए। यात्रा वैशालीनगर से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बजरंगगढ़ चौराहे, आगरा गेट चौराहे, चूड़ी बाजार, नया बाजार चोपड़, सोनी जी की नसिया, और अंत में अम्बे माता मंदिर पहुँची। यहां माता को सवा किलो चाँदी का छत्र चढ़ाया गया और स्वागत किया गया। इस अवसर पर गद्दीपति सलोनी बाई का स्वागत जय अम्बे नवयुवक सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश टंडन, सचिव संदीप गौड़ और अन्य मंदिर कमेटी के सदस्यगण ने किया। शोभायात्रा का

समापन वैशाली नगर आयोजन स्थल पर हुआ। शोभायात्रा के दौरान हाथी, घोड़े, ढोल और बैंड बाजों की धुनों पर किन्नर समाज के लोग नाचते गाते चल रहे थे। बग्गी में किन्नर समाज के प्रमुख सदस्य सवार थे, और पूरी यात्रा में किन्नर समाज के लोग अपनी सुंदरता और आभूषणों से सजे हुए थे। पूरे मार्ग में विभिन्न संस्थाओं द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। आयोजक शमशुद्दीन और उनकी टीम ने शोभायात्रा की व्यवस्था संभाली, और यह आयोजन किन्नर समाज के बीच एकजुटता और सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करने का एक अहम अवसर बन गया।

लाड़ली बहना की एक किस्त से बनेगा माता शीतला का नया मंदिर, महिलाओं ने लिया संकल्प

नरेश कुमार

मध्य प्रदेशः आगर मालवा में तहसील सुसनेर के ग्राम मैना में महिलाओं ने आस्था, भक्ति और एकजुटता की अनूठी मिसाल पेश की है। गांव में स्थित वर्षों पुराना माता शीतला मंदिर जर्जर हालत में पहुंच गया था, जिसके कारण श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मंदिर की स्थिति को देखते हुए गांव की महिलाओं और ग्रामीणों ने मिलकर इसके पुनर्निर्माण का निर्णय लिया है। ग्राम मैना की महिलाओं ने तय किया है कि लाड़ली बहना योजना के तहत मिलने वाली एक-एक किस्त की राशि को एकत्रित कर माता शीतला का नया मंदिर बनाया जाएगा। महिलाओं के इस निर्णय के बाद गांव में उत्साह और धार्मिक माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर निर्माण के लिए

महिलाओं द्वारा अपनी योजना की राशि देने का निर्णय उनकी श्रद्धा और समर्पण को दशार्ता है।

ग्रामीणों के अनुसार माता शीतला मंदिर गांव की धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है। वर्षों पुराना होने के कारण मंदिर की स्थिति खराब हो गई थी। समय के साथ मंदिर की मरम्मत और नए निर्माण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी बीच गांव की महिलाओं ने आगे बढ़कर मंदिर के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी में सहयोग करने का संकल्प लिया।महिलाओं का कहना है कि लाड़ली बहना योजना से मिलने वाली राशि उनके लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन माता शीतला के मंदिर के निर्माण में योगदान देना उनके लिए आस्था और सेवा का विषय है। एक किस्त की राशि को मंदिर निर्माण के लिए समर्पित करने का निर्णय गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है।

इस पहल में ग्रामीणों की भी सहभागिता दिखाई दे रही है। ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर का नया निर्माण होने से गांव के लोगों को बेहतर धार्मिक स्थल मिलेगा और आने वाले समय में श्रद्धालु यहां सुविधाजनक तरीके से पूजा-अर्चना कर सकेंगे। महिलाओं के इस फैसले को गांव के लोगों ने सराहनीय बताया है। उनका कहना है कि यह पहल केवल एक मंदिर के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गांव की महिलाओं की एकजुटता, आपसी सहयोग और धार्मिक आस्था का उदाहरण भी है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि सामूहिक प्रयासों से माता शीतला का नया मंदिर जल्द आकार लेगा। महिलाओं के इस संकल्प से गांव में उत्साह का माहौल है और क्षेत्र में भी उनके इस कदम की प्रशंसा की जा रही है।

बारावफात को लेकर दुधारा थाने में पीस कमेटी की बैठक, शांति-सौहार्द बनाए रखने की अपील

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेशः संतकबीरनगर में आगामी पवित्र त्योहार बारावफात को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से 20 अगस्त 2026 को थाना दुधारा परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देश और अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद के निर्देशन में हुई। अध्यक्षता थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा ने की। बैठक में थानाध्यक्ष ने क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों और ग्राम प्रधानों से आपसी भाईचारा और सद्भाव बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि बारावफात का त्योहार परंपरागत और शांतिपूर्ण तरीके से मनाया जाए तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या विवाद की स्थिति से बचा जाए।

पुलिस की ओर से बताया गया कि त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। जुलूस और अन्य धार्मिक आयोजनों के निर्धारित मार्ग और समय का पूरी तरह पालन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आयोजकों से प्रशासन और पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई। बैठक में सोशल मीडिया पर निगरानी को लेकर भी विशेष चर्चा हुई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अफवाह फैलाने वाली, भड़काऊ या आपत्तिजनक पोस्ट और संदेश साझा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लोगों से अपील की गई कि वे बिना पुष्टि के किसी भी जानकारी को सोशल मीडिया पर प्रसारित न करें।

थानाध्यक्ष ने ग्राम प्रधानों और संभ्रांत नागरिकों से अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या समस्या की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि समय रहते सूचना मिलने पर किसी भी स्थिति को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। बैठक में क्षेत्र के विभिन्न गांवों के ग्राम प्रधान, संभ्रांत नागरिक और थाना दुधारा के पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। बैठक के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने क्षेत्र में आपसी सौहार्द, भाईचारा और शांति बनाए रखने का संकल्प लिया। पुलिस ने त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए लोगों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

फतेहाबाद पुलिस का 'ऑपरेशन जीवन ज्योति' अभियान

लोगों को किया नशे के खिलाफ जागरूक

राजपूत रंजीत

हरियाणा: फतेहाबाद जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से फतेहाबाद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन जीवन ज्योति' के तहत नशा मुक्ति टीम द्वारा गांव-गांव पहुंचकर नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ-साथ नशा पीड़ितों को उपचार के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी कड़ी में उपनिरीक्षक सुंदर लाल के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद ने गांव हड़ोली में आयोजित होने वाले नशा मुक्ति शिविर की तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। टीम ने गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पहुंचकर विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों को बताया गया कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्हें आगामी नशा मुक्ति शिविर के बारे में जानकारी देते हुए यह संदेश

अपने माता-पिता, परिजनों एवं आसपास के लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। टीम ने गांव की गलियों व चौराहों पर मिले ग्रामीणों को भी शिविर की जानकारी दी तथा नशा पीड़ित व्यक्तियों को शिविर में पहुंचकर उपचार एवं परामर्श का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

वहीं सहायक उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान की टोहाना टीम ने गांव गुलरवाला के स्कूल में विद्यार्थियों को नशे की समस्या एवं उससे बचाव के प्रति जागरूक किया। गांव में उपस्थित जनसमूह को भी अपने घर-परिवार और युवाओं को नशे से सुरक्षित रखने के लिए सजग रहने का संदेश दिया गया। इसके अतिरिक्त टीम ने गांव मेयोद खुर्द में नशा पीड़ितों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उन्हें नशा छोड़ने एवं नियमित उपचार जारी रखने के लिए प्रेरित किया। गांव शक्करपुरा में भी नशा पीड़ित व्यक्तियों की पहचान कर उनकी काउंसलिंग की गई तथा उन्हें नशे से मुक्ति के लिए उपचार शुरू करवाने के लिए समझाया गया। फतेहाबाद पुलिस ने आमजन से आह्वान किया है कि नशे की गिरफ्त में आए व्यक्तियों को छिपाने की बजाय उन्हें उपचार के लिए आगे लाएं और जिले को नशामुक्त बनाने के इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें।

2027 से सड़क पर दौड़ते वाहन करेंगे आपस में बातचीत, हादसों पर रोक के लिए सरकार लागू करेगी V2V तकनीक

आनंद कुमार

दिल्ली: देश में बढ़ते सड़क हादसों को कम करने और वाहन चालकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार एक नई अत्याधुनिक तकनीक लागू करने की तैयारी में है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने व्हीकल-टू-व्हीकल (V2V) कम्युनिकेशन सिस्टम को भारतीय सड़कों पर लागू करने का खाका तैयार कर लिया है। इस तकनीक के जरिए सड़क पर चल रहे वाहन एक-दूसरे से रियल टाइम में जरूरी जानकारियां साझा कर सकेंगे, जिससे संभावित दुर्घटनाओं की चेतावनी पहले ही मिल जाएगी। श्२श सिस्टम एक वायरलेस नेटवर्किंग तकनीक है, जिसके तहत वाहन अपनी गति, लोकेशन, दिशा, ब्रेकिंग स्टेटस और एक्सीलरेशन जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां आपस में साझा करेंगे। यदि कोई वाहन अचानक ब्रेक लगाता है, गलत दिशा में आ जाता है या सड़क पर कोई वाहन खड़ा है, तो यह सिस्टम आसपास मौजूद अन्य वाहनों के ड्राइवरों को तुरंत

अलर्ट कर देगा।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस तकनीक को लागू करने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन नियम-1989 में संशोधन का ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। वाहन निमार्ताओं और उद्योग जगत को तैयारी का समय देने के लिए इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। पहले चरण में 1 अक्टूबर 2027 से निर्मित होने वाले L, M और N श्रेणी के वाहनों में V2V सिस्टम लागू किया जाएगा। इन वाहनों को अक्र-230 सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा। वहीं, दूसरे चरण में 1 अक्टूबर 2028 से सभी नए वाहनों जैसे दोपहिया, कार, बस, ट्रक और कमर्शियल वाहनों में श्२श कम्युनिकेशन सिस्टम को अनिवार्य किया जाएगा। फिलहाल कई आधुनिक वाहनों में एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS) मौजूद है, जो कैमरा, रडार और ऑन-बोर्ड सेंसर की मदद से काम करता है। हालांकि, कोहरे, तेज बारिश या मोड़ के पीछे की स्थिति में सेंसर की क्षमता सीमित हो सकती है। V2V तकनीक सीधे दूसरे वाहनों के डेटा नेटवर्क से जुड़कर काम करेगी। यह मौसम, दूरी या दृश्यता की बाधाओं से प्रभावित हुए बिना दूसरे वाहनों से चेतावनी प्राप्त कर सकेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, यह तकनीक सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने और दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकती है।

अंजुमन-ए-इस्लाम प्राथमिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व तैयारी, विद्यार्थियों ने बनाए तिरंगे के सुंदर नमूने

मोइंशा मोहम्मद हसनशा फकीर

गुजरात: स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के तहत अंजुमन-ए-इस्लाम प्राथमिक स्कूल, असरवाडिया में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए तिरंगे की छाप और तिरंगे से संबंधित रंगीन कागजों से आकर्षक एवं सुंदर नमूने तैयार किए। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने कागजों से तिरंगे के अलग-अलग मॉडल और कलात्मक नमूने बनाए। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज के महत्व और देशभक्ति की भावना से जोड़ने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति के गीत भी प्रस्तुत

किए। देशभक्ति गीतों से विद्यालय का वातावरण उत्साह और राष्ट्रप्रेम से भर गया। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया और स्वतंत्रता दिवस को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। विद्यालय के आचार्य केरुवाला शाहीन बेन के साथ समस्त शिक्षकगण कार्यक्रम में उपस्थित रहे। शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उनकी रचनात्मक गतिविधियों की सराहना की।

विद्यालय परिवार की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशप्रेम, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और स्वतंत्रता दिवस के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करना रहा। तिरंगे से जुड़े रचनात्मक कार्यों और देशभक्ति गीतों के माध्यम से बच्चों को राष्ट्र की एकता और अखंडता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को खास बना दिया। स्वतंत्रता दिवस से पहले आयोजित इस गतिविधि के जरिए बच्चों में देशभक्ति और राष्ट्रीय पर्व के प्रति उत्साह देखने को मिला।

कस्टमर केयर कर्मचारी बनकर 98 हजार की साइबर ठगी

खाता उपलब्ध कराने वाला आरोपी रुद्रपुर से गिरफ्तार

राजपूत रंजीत

हरियाणा: कस्टमर केयर कर्मचारी बनकर साइबर ठगी करने वाले आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए साइबर थाना NIT की टीम ने मामले में एक और आरोपित को रुद्रपुर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान फईम खान निवासी खेड़ा कॉलोनी, रुद्रपुर, जिला ऊधम सिंह नगर, उत्तराखंड के रूप में हुई है। उसने ठगी की रकम प्राप्त करने के लिए बैंक खाता उपलब्ध करवाया था। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सेक्टर-56अ, फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना NIT में शिकायत दी थी कि उसने 23 दिसंबर 2025 को गूगल पर कस्टमर केयर नंबर सर्च कर

संबंधित नंबर पर फोन किया था। फोन उठाने वाले व्यक्ति ने खुद को कस्टमर केयर कर्मचारी बताते हुए बातचीत की और 10 सर्विस चार्ज लगने की बात कहकर फोन काट दिया।

कुछ समय बाद शिकायतकर्ता के व्हाट्सऐप पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने उसे फोन-पे का बैलेंस चेक करने के लिए कहा। शिकायतकर्ता जैसे ही मोबाइल फोन पर बैलेंस चेक करने का प्रयास करने लगा, उसके मोबाइल फोन की स्क्रीन बंद हो गई। कुछ समय बाद उसे पता चला कि उसके बैंक खाते से ?98,000 की रकम निकल चुकी है। शिकायत के आधार पर साइबर थाना NIT में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने मामले में शामिल आरोपितों की कड़ियां जोड़ते हुए पहले खाताधारक सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया था। अब पुलिस ने फईम खान को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित फईम ने पहले गिरफ्तार किए जा चुके इलमान से खाताधारक इम्तियाज का बैंक खाता प्राप्त किया था। इसके बाद फईम ने यह खाता आगे साइबर ठगी के लिए आगे उपलब्ध करवाया। इसी खाते में शिकायतकर्ता से ठगी गई 98,000 की रकम ट्रांसफर हुई थी। आरोपित फईम रुद्रपुर में उरउ सेंटर चलाने का काम करता है। फरीदाबाद पुलिस की आमजन से अपील है कि किसी भी सेवा का कस्टमर केयर नंबर गूगल अथवा अन्य सर्च इंजन पर सर्च करते समय सावधानी बरतें। बैंक, यूपीआई अथवा किसी ऑनलाइन सेवा से संबंधित समस्या होने पर संबंधित कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या ऐप पर उपलब्ध कस्टमर केयर नंबर का ही इस्तेमाल करें। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में कोई ऐप डाउनलोड न करें और न ही बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा करें।

टांडा पुलिस पर महिला को बंधक बनाए रखने का आरोप, हाईकोर्ट के आदेश के पालन की मांग

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश: थाना टांडा क्षेत्र के ग्राम सैंटाखेड़ा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस पर अपनी पत्नी को कथित रूप से बंधक बनाए रखने और हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने का गंभीर आरोप लगाया है। मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक रामपुर को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की गई है। प्रार्थना पत्र के अनुसार आवेदक का विवाह चमन अंजुम पुत्री इरशाद हुसैन, निवासी ग्राम सैंटाखेड़ा, थाना टांडा, जनपद रामपुर के साथ प्रेम प्रसंग के बाद 25 जुलाई 2026 को हुआ था। विवाह के बाद पत्नी की सुरक्षा को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में रिट सी संख्या 30791/2026 दाखिल की गई थी।

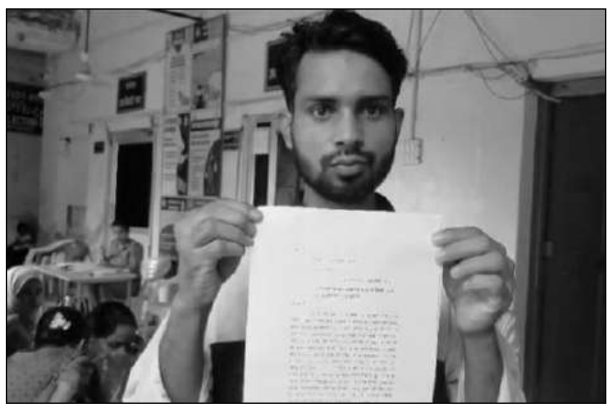

आरोप है कि हाईकोर्ट ने 5 अगस्त 2026 को चमन अंजुम की सुरक्षा को लेकर आदेश पारित किया था।

प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि इसके बावजूद महिला पुलिस अभिरक्षा में है और आरोप के मुताबिक पुलिस द्वारा उसे प्रताड़ित किया गया तथा उसके पिता के साथ साज-बाज कर कथित रूप से उसकी इच्छा के विरुद्ध पिता के सुपुर्द किया जा रहा है। प्रार्थी का आरोप है कि इससे महिला की जान को खतरा है और वह थाना हाजा में मौजूद है। प्रार्थना पत्र में यह भी कहा गया है कि हाईकोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। आवेदक ने मांग की है कि महिला को तत्काल उसके पति/प्रार्थी की सुपुर्दगी में दिया जाए तथा उसे पुलिस अधीक्षक के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश कराया जाए।

मामले में लगाए गए आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच और संबंधित न्यायालय के आदेश के अनुपालन की स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही हो सकेगी। अब देखना होगा कि पुलिस इस पूरे मामले में क्या कार्रवाई करती है। यह खबर प्रार्थना पत्र में लगाए गए आरोपों के आधार पर है; आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

विजयपुर में बसपा का समीक्षा एवं प्रशिक्षण शिविर हुआ संपन्न, संगठन मजबूती पर दिया जोर

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेश: विजयपुर बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में 20 अगस्त 2026 को विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में संगठन समीक्षा एवं प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और कार्यकताओं को आगामी राजनीतिक गतिविधियों के लिए तैयार करना रहा। कार्यक्रम बसपा मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष जियालाल अहिरवार के नेतृत्व में हुआ। इस दौरान पार्टी की संगठनात्मक स्थिति की समीक्षा के साथ आगामी कार्ययोजना और कार्यकताओं की भूमिका पर चर्चा की गई।

शिविर में मुख्य अतिथि मोहित आनंद, जियालाल अहिरवार, दिलीप बौद्ध, मनीष कतरोलिया और भीम सिंह पहाड़िया सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्योपुर जिला अध्यक्ष गंगाधर जाटव ने की।

धारा सिंह कुशवाह सहित कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। वक्ताओं ने कार्यकताओं से गांव, सेक्टर और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने तथा जनता से लगातार संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया। साथ ही अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में कार्यकताओं ने संगठन को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

मनोज गुप्ता ने भस्म आरती में लिया हिस्सा, महाकाल से की जनकल्याण की कामना

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश: आज मुरादाबाद नगर के दाऊ दयाल खन्ना नगर लाइनपार स्थित प्राचीन श्री महेश्वर काली मंदिर में आयोजित भव्य ॐ दिव्य भस्म आरती में भारतीय जनता पार्टी मुरादाबाद महानगर के पूर्व महानगर अध्यक्ष श्री मनोज कुमार गुप्ता एडवोकेट ने सहभागिता कर श्रद्धापूर्वक आरती में भाग लिया तथा 'जय श्री महाकाल' के उद्घोष के साथ बाबा महाकाल से समस्त जनमानस के सुख, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। इस अलौकिक एवं दिव्य भस्म आरती के पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित रहे। महादेव के दिव्य दर्शन एवं आध्यात्मिक वातावरण ने सभी को भक्ति और आस्था से अभिभूत कर दिया। भगवान महाकाल की कृपा से सभी भक्त पुण्य लाभ के भागीदार बने।

कांठ क्षेत्र के मुख्तियारपुर नवादा में खेत से युवक का शव बरामद, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया

मोइन उद्दीन

उत्तर प्रदेश: ग्राम मुख्तियारपुर नवादा में खेत में पड़ा मिला शव कांठ। थाना क्षेत्र में ग्राम मुख्तियारपुर नवादा निवासी किसान के खेत में एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। थाना पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस के अनुसार मृतक की उसके ससुराल एवं घर पर कहासुनी होना बताया गया है। थाना कांठ के ग्राम मुख्तियारपुर नवादा के जंगल में किसान अशोक कुमार के गन्ने के खेत में कुछ लोगों ने एक व्यक्ति का शव पडा देखा तो उन्होंने घटना की जानकारी थाना कांठ पुलिस को दी। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर क्राइम रामनरेश यादव एवं

सीओ अभिनव द्विवेदी ने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही आसपास के गांव के लोगों को बुलाकर मौके पर जानकारी की तो मृतक की पहचान थाना छजलैट क्षेत्र के ग्राम सराय खजूर निवासी नासिर पुत्र सफीक उम्र 25 वर्ष के रूप में हुई है। मृतक के स्वजन मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए मुरादाबाद भेज दिया है। मौके पर पहुंचे परिजनों का रोते बिलखते बुरा हाल था। उनका कहना था कि ससुराल पक्ष के लोगों ने ही उसे नशा करा कर हत्या की है। इंस्पेक्टर क्राइम रामनरेश यादव ने बताया कि मृतक की अपनी ससुराल वालों एवं घर वालों से कहासुनी होना उसके स्वजनों द्वारा बताया गया है। उसके शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही असलियत का पता लगेगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

चीनी की मिठास पर महंगाई की कड़वाहट

देश में चीनी की कीमतों में इन दिनों काफी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है और चीनी के प्रति किलो के दाम 60 रुपए प्रति किलो या इससे ज्यादा तक पहुंच गये हैं। इस क्रम में यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि चीनी की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी चिंता का विषय जरूर है, लेकिन फिलहाल स्थिति बहुत गंभीर नहीं है।इस संबंध में यहां पर पाठकों को बताता चलूं कि त्योहारी सीजन को देखते हुए सरकार ने 31 अक्तूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। इससे बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ेगी और कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। अच्छी बात यह भी है कि सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए भंडारण सीमा भी सख्त की है।

यहां पर यह सवाल जरूर उठता है कि जब देश में चीनी की कमी नहीं है, तो कीमतें इतनी तेजी से क्यों बढ़ रही हैं। इसके पीछे गन्ने के उत्पादन में कमी, गन्ने का अधिक हिस्सा इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल होना या गन्ने की खेती का पर्याप्त विस्तार न होना जैसे कारण हो सकते हैं। वास्तव में देश में चीनी उत्पादन में कमी, खराब मौसम और कम बारिश, त्योहारी सीजन में मांग बढ़ना, भंडार में कमी और जमाखोरी की आशंका, वैश्विक बाजार में आपूर्ति का दबाव तथा गन्ने से इथेनॉल बनाने की नीति को भी चीनी कीमतों की चर्चा में प्रमुखता मिली है, जिसके कारण चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा कीमत वृद्धि का मुख्य कारण इथेनॉल के लिए चीनी का डायवर्जन नहीं है।

पाठक जानते होंगे कि हमारे देश में गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल मुख्यतः पेट्रोल में मिलाकर किया जा रहा है। इसे इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कहा जाता है। हमारे देश में स्थिति की बात करें तो ई-20 पेट्रोल यानी 20% इथेनॉल तथा 80% पेट्रोल अब भारत में पेट्रोल का प्रमुख मानक मिश्रण है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2025-26 में औसत इथेनॉल मिश्रण लगभग 20% तक पहुंच गया है।अप्रैल 2026 से बीएस-श्क वाहनों के लिए ई-20 उत्सर्जन मानकों को पूरा करना अनिवार्य किया गया है। वास्तव में, इथेनॉल मिश्रण का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना, विदेशी मुद्रा बचाना, किसानों के लिए अतिरिक्त बाजार उपलब्ध कराना और कार्बन उत्सर्जन घटाना है। सरकार के अनुसार ईबीपी कार्यक्रम से अब तक लगभग ?1.97 लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा बचत हुई है। संक्षेप में कहें तो हमारे देश भारत पेट्रोल वाहनों को धीरे-धीरे इथेनॉल आधारित ईंधन की ओर ले जा रहा है। आज की स्थिति में ई-20 सामान्य पेट्रोल व्यवस्था का हिस्सा है। ऐसे में कृषि और पेट्रोलियम मंत्रालय को मिलकर इन पहलुओं की समीक्षा जरूर करनी चाहिए। इथेनॉल की बढ़ती मांग को देखते हुए गन्ने का उत्पादन भी बढ़ाना जरूरी है, ताकि चीनी और इथेनॉल दोनों की जरूरत पूरी हो सके और किसानों को भी बेहतर लाभ मिले।

जिनके घर शीशे के हों वह दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकते

बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले के विरोध में प्रदर्शन कर रही युवा पीढ़ी पर तीखी टिप्पणियां की थीं। कंगना ने प्रदर्शनकारी युवाओं को 'गटर जनरेशन' कहकर संबोधित किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा था कि "जेन जी के आंदोलनों के वीडियो देखकर मुझे झटका लगा। मैंने अपनी जिंदिगी में इतना अजीब और इतना बुरा कुछ नहीं देखा है। इन्हें (युवा पीढ़ी को) किसने जन्म दिया है? कौन इनका पालन-पोषण कर रहा है? यह गटर की पीढ़ी है।" कंगना ने प्रदर्शन के दौरान युवाओं द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा को बेहद असभ्य और अमर्यादित बताया था। उन्होंने इसे "उल्टी आने जैसा" व्यवहार करार दिया था। प्रदर्शनकारी छात्राओं और युवतियों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा था कि इन लड़कियों का आचरण बेहद निराशाजनक है।

-तनवीर जाफरी-

देश में इन दिनों छात्रों और युवा पीढ़ी अर्थात जेन जी के छिड़े घमासान के बीच जेन जी को ही केंद्र में रखकर कुछ ऐसे बयान सुनने में आ रहे हैं जिनकी न तो भाषा शालीन है न ही बयान देने वालों का व्यक्तित्व ही ऐसा है जिसे देश में शिक्षा, रोजगार, पारदर्शिता, जवाबदेही, भ्रष्टाचार, लोकतंत्र तथा संवैधानिक मूल्यों को लेकर संघर्षरत युवा पीढ़ी व छात्रों से जोड़ा जा सके। इस संबंध में सबसे दिलचस्प वाकयुद्ध बाबा रामदेव व फिल्म अभिनेत्री व भारतीय जनता पार्टी सांसद कंगना रनौत के बीच छिड़ा। इस वाक्युद्ध ने एक दूसरे की पोल पट्टी खोलकर रख दी। गौरतलब है कि बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले के विरोध में प्रदर्शन कर रही युवा पीढ़ी पर तीखी टिप्पणियां की थीं। कंगना ने प्रदर्शनकारी युवाओं को 'गटर जनरेशन' कहकर संबोधित किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा था कि "जेन जी के आंदोलनों के वीडियो देखकर मुझे झटका लगा। मैंने अपनी जिंदिगी में इतना अजीब और इतना बुरा कुछ नहीं देखा है। इन्हें (युवा पीढ़ी को) किसने जन्म दिया है? कौन इनका पालन-पोषण कर रहा है? यह गटर की पीढ़ी है।" कंगना ने प्रदर्शन के दौरान युवाओं द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा को बेहद असभ्य और अमर्यादित बताया था। उन्होंने इसे "उल्टी आने जैसा" व्यवहार करार दिया था। प्रदर्शनकारी छात्राओं और युवतियों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा था कि इन लड़कियों का आचरण बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि "यह लड़कियां भविष्य में अच्छी गृहिणी भी नहीं बन सकतीं।" कंगना ने केवल छात्रों को ही नहीं बल्कि उनके माता-पिता को भी कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने सवाल उठाया कि माता-पिता अपने बच्चों को ऐसे संस्कार कैसे दे सकते हैं, जो उन्हें सार्वजनिक रूप से इस तरह के अभद्र व्यवहार की अनुमति देते हैं?

कंगना रनौत के इस बयान की खासकर इसकी शब्दावली की चारों ओर घोर आलोचना की गयी। परन्तु सबसे तीखी प्रतिक्रिया योग गुरु एवं व्यवसायी बाबा रामदेव द्वारा एक टी वी चैनल पर इसी संबंध में पूछे गये एक सवाल पर दी गयी। जब बाबा रामदेव से कंगना के 'गटर जेनरेशन' वाले बयान पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कंगना की मानसिक स्थिति, उनकी योग्यता और उनके अतीत पर ही गंभीर सवाल उठा दिये। रामदेव ने कहा कि "उनकी क्वालिफिकेशन (शिक्षा)क्या है? उनका बचपन कैसा रहा है? उनकी जवानी कैसी रही है? उनके पहले के कारनामे कैसे रहे हैं? मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करना चाहता। किसी भी देश के जवानों को और जेन-जी को 'गटर' बोलना यह बिगड़े हुए दिमाग की निशानी है। यह गलत बात है और उनकी पार्टी (बीजेपी) को इस पर संज्ञान लेना चाहिए।" हमेशा भाजपा सरकार की पैरवी करने वाले बाबा रामदेव के इस बयान को लेकर वैसे भी लोग आश्चर्यचकित हैं कि आखिर उन्होंने किस तरह सत्ता के विरोध में आवाज उठाने की हिम्मत जुटाई? कुछ लोग तो उनके इस बयान की वजह से उन्हें राजनीति का 'मौसम विज्ञानी' भी कहने लगे हैं। बहरहाल सवाल यह है कि रामदेव ने कंगना रानौत को लेकर इतने सारे सवाल एक साथ कैसे और किस आधार पर खड़े किये? और क्या वजह थी कि रामदेव के इन सवालों से तिलमिलाकर कंगना को भी रामदेव पर तीखे जवाबी बाण छोड़ने पड़े?

दरअसल कंगना रनौत ने स्वयं अपने अनेक इंटरव्यू में अपने शुरूआती जीवन, चरित्र, नशे और संघर्षों को लेकर बेहद चौंकाने वाले और बेबाक बयान दिए थे। उनके ये बयान समय-समय पर सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में बड़े विवाद की वजह बने हैं। कंगना रनौत ने साल 2020 में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में उन्होंने खुलकर स्वीकार किया था कि वह एक समय पर ड्रग्स की लत का शिकार हो चुकी थीं। उन्होंने कहा था कि "जब मैं घर से भागी थी, उसके डेढ़-दो साल के अंदर ही मैं एक फिल्म स्टार भी थी और एक 'ड्रग एडिक्ट' भी थी।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि शुरूआती दिनों में उनके एक 'मेंटॉर' जो बाद में प्रताड़ित करने वाले बन गए, उनकी ड्रिंक्स में नशीली चीजें मिलाकर देते थे ताकि वह पुलिस के पास न जा सकें। बाद में एक इंटरव्यू में उन्होंने स्पष्ट किया कि वे योग और स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं की मदद से नशे की इस लत से बाहर आ पाईं। उसी 2020 के वीडियो में अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कंगना ने खुद को 'खतरनाक' बताया था। उन्होंने कहा था कि जब वह कम उम्र में घर से भागकर मुंबई आई थीं, तो बहुत गलत लोगों के चंगुल में फंस गई थीं। उन्होंने कहा था कि "मेरी जिंदिगी में इतने स्कैंडल चल रहे थे और मैं ऐसे लोगों के हाथों में पड़ गई थी, जहां से सिर्फ मौत ही मुझे बचा सकती थी। यह सब मेरी जिंदिगी में तब हो रहा था जब मैं सिर्फ एक टीनेजर (किशोरी) थी। सोच लो, मैं कितनी खतरनाक हूँ! " कंगना ने यह भी बताया था कि उनके पिता उन्हें डॉक्टर बनाना चाहते थे, लेकिन जब उन्होंने मना किया तो उनके पिता ने उन्हें थप्पड़ मारा था, जिसके बाद उन्होंने घर छोड़ दिया। वह महज 15-16 साल की उम्र में बिना पैसों के घर से भागकर दिल्ली और फिर मुंबई आ गई थीं।

वास्तव में कंगना की इस तरह की स्वीकारोक्ति को ही आधार बनाकर रामदेव ने उन्हें लेकर अनेक प्रश्न खड़े कर दिये। और प्रश्नों की उसी शब्दावली के अनुरूप ही कंगना ने भी रामदेव पर सीधा व्यक्तिगत प्रहार करते हुये कहा कि "बाबा जी, मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में आप दिन में सपने मत देखिए। कोई सिर्फ अफवाहों और गॉसिप के आधार पर ही ऐसा अंदाजा लगा सकता है।" कंगना ने पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों वाले मामले की ओर इशारा करते हुये कहा कि "कम से कम मुझे कभी झूठे या फर्जी मेडिकल दावों के लिए सुप्रीम कोर्ट से फटकार नहीं लगी है। मेरे दावे हमेशा ठोस तथ्यों पर आधारित होते हैं, न कि किसी अफवाह पर।" कंगना ने बाबा रामदेव को करारा जवाब देते हुए कहा, "इसलिए आप मुझे चरित्र का पाठ मत पढ़ाइए। मेरा चरित्र आपसे कहीं ज्यादा बेहतर है, यहां कोई धोखाधड़ी/फ्रॉड नहीं पकड़ी गई है।" कंगना द्वारा रामदेव इसतरह के शब्द बाण भी अकारण नहीं छोड़े गये। इसके पीछे रामदेव और उनकी कंपनी पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ विभिन्न अदालतों विशेषकर सुप्रीम कोर्ट और सरकारी प्राधिकरणों द्वारा की गई कई गंभीर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाइयां शामिल हैं। कभी सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद को उन सभी दवाओं और उत्पादों के विज्ञापन और ब्रांडिंग करने से पूरी तरह रोक दिया, जो 'ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954' के तहत प्रतिबंधित बीमारियों को पूरी तरह ठीक करने का दावा करते थे कभी कोर्ट में लिखित आश्वासन देने के बावजूद भ्रामक विज्ञापन जारी रखने पर कोर्ट ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया। कभी कोर्ट ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से अदालत में हाजिर होने का आदेश दिया और उनकी कानूनी टीम को कड़ी फटकार लगाई। तो कभी उन्होंने अदालत में बिना शर्त माफी मांगी अदालत ने "महज दिखावा" कहकर खारिज कर दिया था। यहाँ तक कि कड़े अदालती रुख के बाद पतंजलि को देश के प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्रों में बड़े आकार में सार्वजनिक माफीनामा प्रकाशित करना पड़ा। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं जिनसे यह साबित होता है कि रामदेव व उनका व्यवसाय भी दूध का धुला नहीं। कुल मिलाकर कंगना रानौत हों या रामदेव दोनों ही अपने उज्जवल भविष्य के लिये चिंतित व संघर्षरत देश की युवा पीढ़ी के लिये आदर्श नहीं हो सकते न ही इनकी नसीहत या आलोचना युवाओं के पतन या उत्थान का कारण बन सकती है।

बेहद खतरनाक है वोट बैंक के लालच में मुफ्तखोरी की बाढ़

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

तमिलनाडु की तमिलगा वेत्री कड़गम गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने थाईमामन थंगा मोथिरम थिट्टम यानी मामा की सोने की अंगूठी योजना घोषणा की है जिसकी औपचारिक शुरूआत पूर्व मुख्यमंत्री सी.एन. अन्नादुराई की जयंती पर आगामी 15 सितंबर 2026 को की जायेगी। इस योजना के तहत 22 जून 2026 या उसके बाद सरकारी अस्पतालों में पैदा होने वाले सभी बच्चों को इस योजना का लाभ मिलेगा। यह तो एक नवीनतम बानगी है। ईमानदाराना बात तो यह है कि वर्तमान में भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति अत्यंत संवेदनशील और संक्रमणकालीन दौर से गुजर रही है। चुनाव अब विकास के मुद्दों, दीर्घकालिक नीतियों, विदेशी साख, विश्व सहयोग, जीवन स्तर के मापदण्ड, बुनियादी ढांचे के निर्माण या औद्योगिक क्रांति पर नहीं, बल्कि इस बात पर लड़े जा रहे हैं कि कौन सा दल मतदाताओं को कितनी लोक लुभावन वस्तुएं मुफ्त में दे सकता है। तात्कालिक राजनीतिक लाभ और वोट बैंक को सुरक्षित करने की इस अंधी होड़ ने देश में मुफ्तखोरी की एक भयावह बाढ़ ला दी है। चुनावी वैतरणी पार करने का यह शॉर्टकट अब देश की आर्थिक रीढ़ तोडने के साथ साथ समाज को एक गहरे संकट की ओर भी धकेल रहा है। मुफ्तखोरी का तीव्र से तीव्रतम होता यह दावानल अब खतरे के निशान से ऊपर पहुंचता जा रहा है। लोक लुभावन रेवड़ियां बांटने की यह होड़ देश के लगभग सभी राज्यों में चल रही है। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत महिलाओं को 1, 250 रुपये से 1, 750 रुपये प्रति माह की दिये जाते है। कर्नाटक में गृह लक्ष्मी योजना के तहत परिवार की महिला मुखिया को 2, 000 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं। पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार योजना के तहत महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। तमिलनाडु में कलेग्नार मगालिर उरीमाई थोगाई योजना के तहत महिलाओं को 1, 000 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं। दिल्ली में पिंक टिकट योजना के तहत महिलाओं के लिए डीटीसी और क्लस्टर बसों में सफर पूरी तरह मुफ्त है। कर्नाटक में शक्ति योजना के तहत राज्य की सभी महिलाओं के लिए सरकारी ऑर्डिनरी बसों में यात्रा मुफ्त है। पश्चिम बंगाल व आंध्र प्रदेश में भी महिलाओं के लिए सरकारी परिवहन बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा लागू है। उत्तर प्रदेश में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की बुजुर्ग महिलाओं के लिए रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा दी जाती है। पंजाब, तेलंगाना, केरल और जम्मू-कश्मीर में भी महिलाओं के लिए यह सुविधा उपलब्ध है। इसी तरह पंजाब में घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट प्रति माह मुफ्त बिजली दी जा रही है। दिल्ली में उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और 400 यूनिट तक आधे दाम पर बिजली का लाभ मिलता है। कर्नाटक में गृह ज्योति योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को उनकी औसत खपत के आधार पर 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान की जाती है। मध्य प्रदेश में साइकिल वितरण, मोबाइल वितरण, स्कूटी वितरण जैसे कार्यक्रम चलाये गये। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत पीएम किसान के अलावा 6, 000 रुपए वार्षिक अतिरिक्त दिए जाते हैं। इस प्रकार किसानों को कुल 12, 000 रुपये मिलते हैं। कुछ राज्यों ने अतिरिक्त स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत केंद्र की आयुष्मान भारत योजना यानी 5 लाख के बीमा के अलावा भी अतिरिक्त धनराशि दी जा रही है जिसमें राजस्थान की चिरंजीवी योजना, पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य साथी योजना और तमिलनाडु की मुफ्त इलाज गांटी योजनायें शामिल हैं। केन्द्र सरकार भी इस दौड में पीछे नहीं है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रति माह मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। वन नेशन वन राशन कार्ड यानी देश के किसी भी कोने में उचित मूल्य की दुकान से मुफ्त या तय दर पर राशन लेने की सुविधा। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र परिवारों को सूचीबध्द अस्पतालों में प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवरेज मिलता है। प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना के तहत आम जनता को कम कीमत पर जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराना। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को पक्के मकान देने के लिए वित्तीय सहायता और सब्सिडी प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरों की छतों पर सोलर पैनल लगवाने के लिए भारी सब्सिडी व मुफ्त बिजली का प्रावधान। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनाः गरीब महिलाओं को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन का लाभ। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत किसान परिवारों को प्रति वर्ष 6, 000 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में दी जाती है। अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना व सुरक्षा बीमा योजना, मुफ्त कोचिंग और प्रतियोगी परीक्षा सहायता योजना, मुफ्त अध्ययन सामग्री, प्रमुख छात्रवृत्ति योजनाओं में खास जातियों को सामान्य शिक्षा हेतु 75, 000 रुपये लेकर से 1, 25, 000 रुपये प्रति वर्ष तक और उच्च शिक्षा हेतु 2 लाख रुपये प्रति वर्ष प्रदान किये जाते हैं। राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा 8वीं के बाद पढ़ाई न छोड़ने के लिए खास छात्रों को 1, 000 रुपये मासिक प्रदान किये जा रहे हैं। केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना के तहत कॉलेज और विश्वविद्यालय के खास छात्रों को उच्च शिक्षा के खर्चों के लिए सीधे बैंक खाते में धनराशि हस्तांतरित की जा रही है। तात्कालिक रूप से इन योजनाओं को सामाजिक कल्याण का मुखौटा पहनाया गया लेकिन इसका असली मकसद मतदाताओं को सीधे तौर पर लुभाकर सत्ता पर कब्जा बनाए रखना था। आज कोई भी राज्य इस राजनीतिक संक्रमण से अछूता नहीं है। योजनाओं को गहराई से समीक्षा करने पर स्पष्ट हो जाता है यह नीतियां अब जनता को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें आश्रित रखने के लिए बनाई जा रही हैं।

आयुष्मान का सपना और अस्पतालों की हकीकत

-सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'-

स्वास्थ्य मनुष्य की सबसे बड़ी जरूरत है। रोटी, कपड़ा और मकान के बाद यदि किसी चीज को जीवन की अनिवार्य आवश्यकता कहा जा सकता है तो वह है; स्वास्थ्य और समय पर उपचार। लेकिन विडंबना यह है कि जब कोई गरीब या मध्यमवर्गीय परिवार बीमारी की मार से टूटता है, तब उसे केवल बीमारी से ही नहीं, बल्कि इलाज के खर्च और अस्पताल की व्यवस्था से भी संघर्ष करना पड़ता है। इसी पीड़ा को कम करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारतझप्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJA) जैसी महत्वाकांक्षी योजना शुरू की। योजना का मूल उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को अस्पताल में भर्ती होकर होने वाले द्वितीयक और तृतीयक उपचार के लिए प्रतिवर्ष प्रति परिवार 5 लाख तक का स्वास्थ्य कवर उपलब्ध कराना है। योजना को कैशलेस और पेपरलेस उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया है।

निश्चित रूप से यह योजना करोड़ों जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत बनी है। लेकिन किसी भी जनकल्याणकारी योजना की सफलता केवल उसके बजट, कार्डों की संख्या अथवा लाभार्थियों की संख्या से तय नहीं होती। उसकी असली सफलता तब मानी जाएगी, जब बीमारी से परेशान व्यक्ति अस्पताल पहुंचे और उसे बिना आर्थिक भय के सम्मानजनक, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके। यहीं से कुछ गंभीर सवाल खड़े होते हैं। पांच लाख की सुरक्षा या पांच लाख की सीमा? आम नागरिक के मन में यह धारणा स्वाभाविक रूप से बनती है कि उसके पास आयुष्मान कार्ड है तो बीमारी की स्थिति में उसे पांच लाख रुपये तक का उपचार बिना भुगतान मिल सकेगा। लेकिन व्यवहार में उपचार की प्रक्रिया, पैकेज, स्वीकृति, बिलिंग और अस्पतालों की भूमिका इतनी जटिल हो जाती है कि कई परिवार स्वयं को असहाय महसूस करने लगते हैं। कई लाभार्थियों द्वारा ऐसी शिकायतें सामने आती रही हैं कि जिस उपचार पर वास्तविक खर्च अपेक्षाकृत कम है, उसके लिए योजना के अंतर्गत अधिक राशि का दावा प्रस्तुत किया गया। कहीं पैकेज की पूरी राशि का उपयोग करने का दबाव दिखाई देता है तो कहीं मरीज और उसके परिजन से ऐसी मदों में पैसा मांगे जाने की शिकायत सामने आती है, जिन्हें उन्हें कैशलेस उपचार का हिस्सा समझा गया था।

यहां यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि हर अस्पताल या डॉक्टर को संदेह की दृष्टि से देखना उचित नहीं है। हजारों चिकित्सक और अस्पताल ईमानदारी से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। समस्या उन अपवादों की है जहां किसी गरीब की बीमारी को अवसर और सरकारी स्वास्थ्य योजना को कमाई का माध्यम समझ लिया जाता है। यही अपवाद पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाते हैं। सीएजी की रिपोर्ट ने भी उठाए गंभीर सवाल। यह चिंता केवल आम नागरिकों की शिकायतों तक सीमित नहीं है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की 2023 की निष्पादन लेखापरीक्षा में भी सामने आया कि कुछ सूचीबद्ध अस्पतालों में लाभार्थियों से उपचार के लिए शुल्क लिया गया, जबकि योजना का उद्देश्य लाभार्थियों के जेब से होने वाले खर्च को कम करना है। कुछ अस्पताल निर्धारित न्यूनतम अधोसंरचना और गुणवत्ता मानकों पर भी खरे नहीं उतर रहे थे। इसके अलावा सीएजी की हालिया रिपोर्टों में भी योजना के क्रियान्वयन, लाभार्थी फीडबैक, मेडिकल ऑडिट और दावों की निगरानी से जुड़ी कमियों की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है।अर्थात समस्या काल्पनिक नहीं है। व्यवस्था में सुधार की गुंजाइश स्वयं सरकारी ऑडिट संस्थाओं की रिपोर्टों में दिखाई देती है।

सरकार कार्रवाई करती है, लेकिन सवाल है क्या पर्याप्त है? सरकार ने भी अनियमितताओं को लेकर कठोर कदम उठाए हैं। अगस्त 2025 में सरकार द्वारा संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, योजना के अंतर्गत अनियमितताओं के लिए 3, 167 अस्पतालों के विरुद्ध कार्रवाई, 1, 114 अस्पतालों को सूची से बाहर, 549 अस्पतालों को निलंबित किया गया तथा 1, 504 अस्पतालों पर कुल 122 करोड़ का जुमार्ना लगाया गया था। यह कार्रवाई निश्चित ही स्वागत योग्य है।

लेकिन प्रश्न यह है कि यदि इतनी बड़ी संख्या में अस्पतालों के विरुद्ध कार्रवाई की आवश्यकता पड़ी, तो क्या केवल कार्रवाई करना पर्याप्त है?

गंगा संरक्षण का भविष्य और स्थानीय संस्थागत क्षमता की आवश्यकता

-शक्ति सिंह चंदेल-

भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक परंपरा और पर्यावरणीय विरासत में गंगा का स्थान अद्वितीय है। यह नदी केवल एक जलधारा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, आजीविका, कृषि व्यवस्था, पर्यटन और सामाजिक विकास की आधारशिला है। सदियों से गंगा भारतीय सभ्यता की वाहक रही है और आज भी देश के विशाल भूभाग के लिए जीवन का महत्वपूर्ण स्रोत बनी हुई है। यही कारण है कि गंगा संरक्षण का विषय केवल पर्यावरणीय चिंता तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय विकास, जल सुरक्षा और भावी पीढ़ियों के हितों से भी गहराई से जुड़ा हुआ है।

पिछले वर्षों में नमामि गंगे अभियान ने गंगा संरक्षण के क्षेत्र में एक व्यापक और संगठित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। इस पहल के अंतर्गत प्रदूषण नियंत्रण, सीवेज प्रबंधन, घाटों के विकास, जैव विविधता संरक्षण, ग्रामीण स्वच्छता तथा जनजागरूकता जैसे अनेक क्षेत्रों में कार्य किए गए हैं। इन प्रयासों ने गंगा संरक्षण को एक राष्ट्रीय आंदोलन का स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही समाज में नदी संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और विभिन्न संस्थाओं को इस दिशा में सक्रिय करने का कार्य भी किया है।

किसी भी बड़े पर्यावरणीय अभियान की सफलता केवल उसके लिए आवंटित संसाधनों या पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या से निर्धारित नहीं होती। उसकी वास्तविक प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसके लिए विकसित की गई व्यवस्थाएं कितनी सक्षम, उत्तरदायी और दीर्घकाल तक कार्य करने में समर्थ हैं। गंगा संरक्षण के संदर्भ में यह पहलू विशेष महत्व रखता है क्योंकि नदी संरक्षण एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसे किसी निश्चित समय सीमा में पूर्ण नहीं किया जा सकता।

गंगा और उसकी सहायक नदियों से जुड़े अनेक विषय ऐसे हैं जिन पर लगातार ध्यान देने की आवश्यकता होती है। जल गुणवत्ता की निगरानी, नदियों में गिरने वाले अपशिष्टों का प्रबंधन, वेटलैंड्स का संरक्षण, नदी तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा, स्थानीय जल निकायों का पुनर्जीवन तथा जनसहभागिता को बढ़ावा देना ऐसे कार्य हैं जिनकी प्रासंगिकता समय के साथ और अधिक बढ़ती जाती है। इसके अतिरिक्त बढ़ता शहरीकरण, औद्योगिक विस्तार, जनसंख्या वृद्धि और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियां नदी संरक्षण के महत्व को और अधिक रेखांकित करती हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि गंगा संरक्षण को केवल एक परियोजना के रूप में नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रशासनिक और सामाजिक दायित्व के रूप में देखा जाना चाहिए। किसी भी संरक्षण कार्यक्रम की स्थिरता इस बात पर निर्भर करती है कि स्थानीय स्तर पर उसके लिए कितनी प्रभावी संस्थागत व्यवस्था उपलब्ध है। यही कारण है कि जिला स्तर की भूमिका इस पूरे अभियान में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

प्रत्येक जिले की भौगोलिक, सामाजिक और पर्यावरणीय परिस्थितियां अलग होती हैं। कहीं प्रदूषण के स्रोत अलग हैं, कहीं सहायक नदियों के संरक्षण की आवश्यकता अधिक है, तो कहीं जल निकायों और नदी तटीय क्षेत्रों के प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। ऐसे में स्थानीय प्रशासन, क्षेत्रीय अनुभव और उपलब्ध सूचनाएं संरक्षण संबंधी निर्णयों को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होती हैं। गंगा संरक्षण की दीर्घकालिक सफलता के लिए स्थानीय स्तर पर समन्वित और सक्षम व्यवस्थाओं का होना आवश्यक माना जाता है।

वर्तमान समय में पर्यावरणीय प्रबंधन का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। अब नीतिगत निर्णयों में वैज्ञानिक अध्ययनों, डिजिटल निगरानी प्रणालियों, डेटा विश्लेषण और स्थानीय स्तर पर एकत्रित सूचनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि इन जानकारियों का व्यवस्थित संकलन और संरक्षण किया जाए तो योजनाओं को अधिक सटीक और प्रभावी बनाया जा सकता है। इससे न केवल संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा बल्कि संरक्षण संबंधी प्रयासों की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा।

गंगा संरक्षण के लिए जनभागीदारी का महत्व भी किसी संस्थागत व्यवस्था से कम नहीं है। स्थानीय समुदाय, शैक्षणिक संस्थान, सामाजिक संगठन और जागरूक नागरिक इस प्रक्रिया के महत्वपूर्ण साझेदार हैं। जब समाज स्वयं नदी संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करता है, तब संरक्षण संबंधी प्रयासों को स्थायित्व और व्यापक समर्थन प्राप्त होता है। यही कारण है कि जनजागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को गंगा संरक्षण की आधारभूत आवश्यकता माना जाता है।

भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए यह आवश्यक है कि गंगा संरक्षण के प्रयासों को निरंतर सुदृढ़ किया जाए और स्थानीय स्तर पर संस्थागत क्षमता को और अधिक विकसित किया जाए। इससे न केवल वर्तमान योजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ेगी बल्कि आने वाले वर्षों में उत्पन्न होने वाली नई चुनौतियों का सामना करने में भी सहायता मिलेगी। गंगा भारत की अमूल्य धरोहर है और इसका संरक्षण एक सतत राष्ट्रीय दायित्व है। इस दिशा में मजबूत स्थानीय व्यवस्थाएं, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सक्रिय जनभागीदारी मिलकर एक ऐसे भविष्य की नींव रख सकती हैं जिसमें गंगा की अविरलता, निर्मलता और पर्यावरणीय महत्ता लंबे समय तक सुरक्षित बनी रहे।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार

प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

अंतरराष्ट्रीय नशा-आतंक नेटवर्क का भंडाफोड़, अर्श डल्ला सिंडिकेट के 4 गुर्गे गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने संगठित नशीले पदार्थों की तस्करी और आतंकी गतिविधियों से जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए अर्श डल्ला सिंडिकेट के 4 कथित गुर्गों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि यह गिरोह नशीले पदार्थों की तस्करी से जुटाए गए धन का इस्तेमाल हथियारों की खरीद और आतंकी गतिविधियों को आर्थिक मदद देने के लिए करता था। मामले की जांच आगे बढ़ने के साथ नेटवर्क से जुड़े कई अन्य

लोगों की तलाश भी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मामले की शुरूआत कनाडा भेजे जा रहे एक कूरियर पार्सल से अफीम बरामद होने के बाद हुई। जांच आगे बढ़ने पर नशीले पदार्थों के बदले हथियार हासिल करने और आतंकी गतिविधियों के लिए धन जुटाने वाले कथित नेटवर्क का पता चला। इस नेटवर्क के तार विदेश में मौजूद खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डल्ला से जुड़े पाए गए हैं। 5.138 किलो अफीम बरामद विशेष पुलिस आयुक्त, अपराध शाखा हर गोविंद सिंह धालीवाल के अनुसार, पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 5.138 किलो उच्च गुणवत्ता वाली अफीम बरामद की है। पुलिस का दावा है कि कनाडा में इसकी कीमत करीब 3.5 करोड़ रुपये है। जांच में सामने आया कि यह नेटवर्क पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के अलावा विदेश तक फैला हुआ था। आरोपित सामान्य खाद्य पदार्थों के पैकेट में नशीले पदार्थ छिपाकर कूरियर के माध्यम से विदेश भेजते थे। इसके लिए फर्जी पहचान संबंधी दस्तावेजों का भी इस्तेमाल किया जाता था। कूरियर पार्सल से शुरू हुई जांच पुलिस के मुताबिक, 7 फरवरी को नई दिल्ली स्थित एक कूरियर कार्यालय से मामले की जांच शुरू हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि कनाडा भेजे जा रहे एक पार्सल में खाद्य पदार्थों के नीचे अफीम छिपाकर भेजी जा रही है। जांच के दौरान पार्सल के भीतर विशेष रूप से बनाए गए गुप्त खाने से 2.998 किलो अफीम बरामद हुई। इसके बाद अपराध शाखा में स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने जांच को केवल नशीले पदार्थों की बरामदगी तक सीमित नहीं रखा। आरोपितों के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, वित्तीय लेन-देन और कूरियर व्यवस्था की गहन जांच की गई। इसके बाद पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में कार्रवाई करते हुए अन्य पार्सलों और नेटवर्क से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई गई।

दूसरे राज्यों में भेजे जाएंगे खतरनाक कैदी

दिल्ली में लागू होगा कैदियों के अंतरराज्यीय स्थानांतरण का प्रावधान, संगठित अपराधों पर लगेगी रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने राजधानी की जेलों में बंद विचाराधीन गैंगस्टरों, संगठित अपराधियों और अधिक जोखिम (हाई रिस्क) वाले कैदियों को जरूरत पड़ने पर दूसरे राज्यों की जेलों में स्थानांतरित करने की योजना तैयार कर ली है। इसके लिए सरकार ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स (पंजाब एमेंडमेंट) एक्ट, 2025 को दिल्ली में लागू करेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य जेल सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए ऐसे कैदियों के अंतरराज्यीय स्थानांतरण को संभव बनाना और संगठित अपराध से निपटने में राज्यों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। दिल्ली सरकार के इस प्रस्ताव के तहत संबंधित राज्यों की आपसी सहमति अथवा गृह मंत्रालय की स्वीकृति से विचाराधीन गैंगस्टरों, संगठित अपराधियों और अन्य अधिक जोखिम वाले कैदियों को एक राज्य से दूसरे राज्य की जेल में स्थानांतरित किया जा सकेगा। इससे आपराधिक न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने और जेलों के बेहतर प्रबंधन में भी मदद मिलने की उम्मीद है। विज्ञप्ति के मुताबिक, दिल्ली की जेलों में दोषियों के साथ बड़ी संख्या में कठोर और कुख्यात अपराधी विचाराधीन कैदी के रूप में बंद हैं। मई 2026 में दिल्ली में 26 चिन्हित गिरोहों के 188 सदस्य चिन्हित किए गए थे, जिनमें से 107 गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया गया था। ऐसे कठोर विचाराधीन कैदी जेल के भीतर से भी लक्षित हत्या, रंगदारी, गैंग प्रतिद्वंद्विता, धमकी और संगठित आपराधिक साजिश जैसी हिंसक गतिविधियों में शामिल रहते हैं। वर्तमान व्यवस्था में ऐसे विचाराधीन गैंगस्टरों और कुख्यात अपराधियों को दिल्ली की जेलों से दूसरे राज्यों में स्थानांतरित करना संभव नहीं है। ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स एक्ट, 1950 के अंतर्गत स्थानांतरण का प्रावधान केवल दोषसिद्ध कैदियों के लिए है। वहीं, विचाराधीन कैदी संबंधित ट्रायल कोर्ट के विशेष रिमांड वारंट के अंतर्गत रखे जाते हैं और उनके स्थानांतरण की व्यवस्था प्रिजनर्स एक्ट, 1900 के तहत होती है, जो केवल राज्य के भीतर कैदियों के स्थानांतरण की अनुमति देता है।

इस कानूनी कमी को दूर करने के लिए पंजाब सरकार ने ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स (पंजाब एमेंडमेंट) एक्ट, 2025 पेश किया था। इस संशोधन अधिनियम को 21 अप्रैल 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली थी। संशोधन के तहत सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने अथवा जनहित में विचाराधीन कैदियों को भी एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने का प्रावधान किया गया है।

कंझावला हत्याकांड: टिल्लू ताजपुरिया गिरोह का तीसरा शूटर अर्जुन सोनीपत से गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बीते 30 जुलाई को कंझावला इलाके में हुई सनसनीखेज हत्या के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने कुख्यात टिल्लू ताजपुरिया गिरोह के तीसरे शूटर अर्जुन उर्फ प्रमोद को हरियाणा के सोनीपत से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अर्जुन विरोधी गोगी-दिनेश कराला गिरोह के बदमाश हरीश माथुर की हत्या की वारदात में सीधे तौर पर शामिल था। वारदात के बाद से ही आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदलकर पुलिस की गिरफ्त से बचने की कोशिश कर रहा था। हत्याकांड में शामिल दो अन्य शूटर राहुल रंगा और साहिल उर्फ विशाल को रोहिणी जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम पहले गिरफ्तार कर चुकी है। डीसीपी चंद्र कुमार सिंह के मुताबिक, अर्जुन पंडित उर्फ प्रमोद, सोनीपत का रहने वाला है और वहीं पर पहले पानी की बोतल सप्लाई करने वाली गाड़ी

चलाता था। उसके ममेरे भाई की मुलाकात एक ऑनलाइन गेमिंग एप के जरिए राहुल रंगा से हुई थी। राहुल ने जल्द अमीर बनने और पैसों का लालच देकर अर्जुन को टिल्लू ताजपुरिया गिरोह में शामिल करा दिया था। 30 जुलाई को हत्या की वारदात को अंजाम देने से पहले तीनों आरोपियों ने रोहिणी के एक होटल में साथ बैठकर शराब पी। इस दौरान वे एन्क्रिप्टेड कालिंग एप के जरिए टिल्लू गिरोह के आकाओं से लगातार निर्देश ले रहे थे। योजना के तहत अर्जुन बाइक चला रहा था, जबकि राहुल रंगा और साहिल पीछे बैठे थे। तीनों ने पहले कराला स्थित हरीश माथुर के दफ्तर की रेकी की। उसके बाद दफ्तर से घर लौटते समय अर्जुन ने बाइक से हरीश का पीछा किया और नजदीक पहुंचते ही बाइक रोक ली। इसके बाद राहुल और साहिल ने हरीश माथुर पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात के राहुल और साहिल ने अर्जुन को सोनीपत में छोड़ दिया और कुछ दिन तक उसे भूमिगत रहने को कहा।

एक नजर

धोखाधड़ी का आरोपी 16 साल बाद दोषमुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। कड़कड़डूमा कोर्ट ने संपत्ति जालसाजी और धोखाधड़ी के 16 साल पुराने मामले में पुलिस जांच की खामियों को उजागर करते हुए आरोपी इमाम रजा नकवी को दोषमुक्त कर दिया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी इसरा जैदी की अदालत ने फैसले में स्पष्ट किया कि पुलिस यह साबित करने में पूरी तरह नाकाम रही कि जिस संपत्ति को फर्जी तरीके से बेचे जाने का दावा किया जा रहा था, कागजों में भी उसका अस्तित्व वही था। पुलिस ने दस्तावेजों की आपस में तुलना तक नहीं की। संपत्ति संख्या के विरोधाभास और पुलिस की कमजोर जांच के चलते 16 साल लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आरोपी को दोषमुक्त कर दिया गया। मामला वर्ष 2004 में हुए मुस्तफाबाद स्थित एक मकान के कथित सौदे से जुड़ा था। आरोपी नकवी के खिलाफ वर्ष 2010 में गोकलपुरी थाने में धोखाधड़ी और जालसाजी की धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था।

निजी स्कूलों की ड्रेस पर रोक लगाने की मांग, सरल यूनिफॉर्म लागू करने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने निजी स्कूलों में अभिभावकों से यूनिफॉर्म के नाम पर लिए जा रहे अतिरिक्त खर्च पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने शिक्षा मंत्री आशीष सूद को पत्र लिखकर दिल्ली के लाखों मध्यमवर्गीय अभिभावकों को राहत देने के लिए स्कूल यूनिफॉर्म की व्यवस्था सरल करने का आग्रह किया है।

कपूर ने कहा कि कई निजी स्कूल गर्मी व सर्दी की अलग-अलग ड्रेस, स्पोर्ट्स ड्रेस, समारोहों की ड्रेस व कई प्रकार के जूते खरीदने के लिए अभिभावकों को बाध्य करते हैं। इन वस्तुओं की बिक्री स्कूलों द्वारा निर्धारित दुकानों से ही होती है, जहां मनमानी कीमत वसूली जाती है। दो या अधिक बच्चों वाले परिवारों पर आर्थिक बोझ और बढ़ जाता है। उन्होंने मांग की कि सभी निजी स्कूलों में केवल एक सरल व एक रंग की यूनिफॉर्म लागू की जाए, तथा ड्रेस व जूते बाजार से खरीदने की स्वतंत्रता दी जाए। कपूर ने एक अप्रैल 2027 से नए प्रवेश वाले विद्यार्थियों के लिए स्कूलों पर किताबें, स्टेशनरी, बैग व ड्रेस बेचने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि दिल्ली शिक्षा अधिनियम के तहत सरकार को यूनिफॉर्म के रंग, प्रकार व कीमत तय करने का अधिकार है। निजी स्कूलों की लॉबी मजबूत है, लेकिन अभिभावकों का हित अधिक महत्वपूर्ण है।

पुलिस ने चोरी के आरोपी को दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहदरा जिले के गीता कॉलोनी थाना पुलिस ने घर में हुई चोरी का 24 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 38 वर्षीय प्रमोद उर्फ गांजा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का मोबाइल, तीन महंगी घड़ियां और आईपैड बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, वह गीता कॉलोनी थाने का घोषित बदमाश है और पहले भी 12 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, 20 अगस्त को गीता कॉलोनी के मकान नंबर 6/349 में चोरी की शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि रात के समय अज्ञात लोग घर में घुसे और कीमती सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने रानी गार्डन इलाके में 22 अगस्त को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

ऑपरेशन छापामारी चक्रव्यूह में 10 बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में अपराध पर लगाम लगाने के लिए रोहिणी जिला पुलिस ने विशेष अभियान ऑपरेशन छापामारी चक्रव्यूह चलाकर 10 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर अवैध हथियार, कारतूस, नशीले पदार्थ और चोरी के वाहन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, अभियान का उद्देश्य वाहन चोरी, नशा तस्करी और अवैध हथियारों से जुड़े अपराधियों के गिरोह पर कार्रवाई करना था। कार्रवाई के दौरान 161 चोरी के दोपहिया वाहन, ब्राजील निर्मित एक अत्याधुनिक पिस्तौल, 6 अवैध कट्टे, 15 कारतूस और 9 चाकू बरामद किए गए।

इसके अलावा पुलिस ने 686 ग्राम हेरोइन भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उनके संपर्कों और आपराधिक नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाने में लगी है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के आधार पर इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपितों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है।

मनोज तिवारी के बड़े भाई का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद और अभिनेता मनोज तिवारी के सबसे बड़े भाई साधु शरण तिवारी का शनिवार दोपहर निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली एम्स में दोपहर करीब 1:15 बजे अंतिम सांस ली। उनके पार्थिव शरीर को काशी ले जाया गया है जहां रविवार दोपहर 12 बजे मणिकर्णिका घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। मनोज तिवारी ने सोशल मीडिया पर अपने बड़े भाई के निधन की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि परिवार के सभी सदस्य उन्हें साधु भैया कहकर बुलाते थे। चार भाइयों और एक बहन में वह सबसे बड़े थे। साधु शरण तिवारी ने बीएचयू से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। इसके बाद उन्होंने ओएनजीसी में विभिन्न स्थानों पर सेवाएं दीं और महाप्रबंधक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। वह काशी में रह रहे थे।

रुपये के लेन-देन के विवाद में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली, एजेंसी। नरेला के बुध बाजार चौक इलाके में शनिवार रात रुपये के लेन-देन को लेकर एक युवक पर गोली चलाई गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विजय नगर निवासी गौरव (35) ने पुलिस को बताया कि बुध बाजार चौक पर रवि भारद्वाज ने अपने दोस्तों के साथ उसकी कार रोकी। आरोप है कि रवि ने गाली-गलौज की और पिस्टल से दो गोली चलाई। गोली गौरव को नहीं लगी। पुलिस को मौके से दो खोखे और कार के टूटे शीशे मिले। मेडिकल जांच में गौरव को कोई चोट नहीं मिली। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर आरोपियों की धर-पकड़ में जुटी है।

सरकार के वादों की आज समीक्षा करेगी सीजेपी

नई दिल्ली, एजेंसी। पार्टी ने कहा, नया आंदोलन शुरू करने का विकल्प खुला नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सोमवार को अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक बुलाएगी। इसमें 25 जुलाई को अपना देशव्यापी आंदोलन वापस लेने के बाद केंद्र द्वारा किए गए वादों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। पार्टी का कहना है कि सरकार ने अभी तक उन वादों को पूरा करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में औपचारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी है। सीजेपी ने कहा कि वादों को पूरा कराने के लिए सभी कदमों पर विचार किया जाएगा, जिसमें एक और शांतिपूर्ण देशव्यापी आंदोलन शुरू करने की संभावना भी शामिल है। पार्टी ने छात्रों, युवा नागरिकों, अपने समर्थकों और स्वयंसेवकों से सोमवार की बैठक के नतीजों के लिए तैयार रहने को भी कहा। ये घोषणाएं सुप्रीम कोर्ट द्वारा 18 अगस्त को देश भर में छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर की एक संयुक्त सूची मांगने के कुछ दिनों बाद की गई हैं।

आंखों में मिर्च पाउडर डालकर पुलिसकर्मियों पर हमला, 3 घायल; किशोर हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली के भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर स्थित जनता विहार में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर हमला करने का मामला सामने आया है। मोटरसाइकिल के दस्तावेज नहीं मिलने पर उसे थाने में जमा कराने की कार्रवाई से नाराज बाइक मालिक और उसके परिजनों ने पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर ईंट और डंडों से हमला कर दिया। घटना में 2 प्रधान आरक्षक समेत 3 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस ने मौके से 17 वर्षीय किशोर को हिरासत में लिया है, जबकि मुख्य आरोपित समेत अन्य लोग फरार हैं। बिना दस्तावेज मिली मोटरसाइकिल बनी विवाद की वजह पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त को करीब 3

बजे बीट पर तैनात प्रधान आरक्षक दिनेश और प्रधान आरक्षक राजेश जनता विहार इलाके में गश्त और जांच कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक मोटरसाइकिल मिली, जिसके वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे। नियमानुसार पुलिस ने मोटरसाइकिल को दिल्ली पुलिस अधिनियम की धारा 66 के तहत थाने में जमा करा दिया। करीब आधे घंटे बाद, लगभग 3:30 बजे दोनों पुलिसकर्मी जब दोबारा अपने बीट क्षेत्र में पहुंचे तो मोटरसाइकिल का मालिक और उसके परिवार के कुछ सदस्य वहां पहुंच गए। अचानक हिंसक हो गए आरोपित पुलिस के मुताबिक, मोटरसाइकिल को थाने में जमा कराने की कार्रवाई को लेकर बाइक मालिक और उसके परिजनों ने पुलिसकर्मियों से बहस शुरू कर दी। बातचीत के दौरान स्थिति अचानक बिगड़ गई और आरोपितों ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने पहले पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया। इसके बाद ईंट और डंडों से उनकी पिटाई की गई। हमले में प्रधान आरक्षक दिनेश के सिर में चोट आई। मदद के लिए पहुंचे पुलिसकर्मी को भी पीटा पुलिसकर्मियों पर हमला होने की सूचना मिलने पर प्रधान आरक्षक टीनू मौके पर पहुंचे।

प्रॉपर्टी डीलर और गोगी गैंग के सदस्य की हत्या में वांछित बदमाश सोनीपत से गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कंझावला इलाके में गोगी गैंग के सदस्य और पेशे से प्रॉपर्टी डीलर हरीश माथुर की हत्या में वांछित बदमाश अर्जुन पंडित उर्फ प्रमोद को गिरफ्तार किया है। आरोपी टिल्लू ताजपुरिया गैंग का सक्रिय सदस्य है। शुरूआती पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि हत्या गैंग की आपसी दुश्मनी के कारण की गई। शाखा के पुलिस उपायुक्त चंद्र कुमार सिंह ने बताया कि 30 जुलाई की रात कराला इलाके में प्रॉपर्टी का काम करने वाले 36 साल के हरीश माथुर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जांच में पता चला कि हत्या में तीन शूटर शामिल थे। आरोपियों की पहचान राहुल रंगा, साहिल उर्फ विशाल और अर्जुन उर्फ प्रमोद के रूप में हुई। मामले की जांच करते हुए रोहिणी जिला स्पेशल स्टाफ ने राहुल रंगा और साहिल उर्फ विशाल को 2 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया। जबकि अर्जुन उर्फ प्रमोद गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। एसीपी उमेश बर्थवाल के देखरेख में पुलिस टीम उसकी तलाश शुरू की। तकनीकी जांच के बाद पुलिस ने 22 अगस्त को उसे राय सोनीपत हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में उसने इस मामले में अपनी संलिप्तता कबूल की।

उसने बताया कि वह अपने ममेरे भाई के जरिये राहुल रंगा के संपर्क में आया। जो खुद एक ऑनलाइन गेम के जरिए राहुल के संपर्क में आया था। राहुल ने उसे जल्दी पैसे कमाने के लालच में टिल्लू ताजपुरिया गैंग में शामिल होने के लिए उकसाया। इसके बाद अर्जुन गैंग और आपराधिक गतिविधियों से जुड़ गया।

डॉक्टर हत्याकांड में दो आरोपियों को जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। जंगपुरा में मई 2024 में डॉक्टर योगेश चंदर पॉल की हत्या और लूट के मामले में हाईकोर्ट ने दो आरोपियों को नियमित जमानत दे दी है। अदालत ने कहा कि दोनों आरोपी दो साल से अधिक समय से जेल में हैं, जबकि मामले में अभियोजन के 46 गवाहों में से अब तक सिर्फ एक की गवाही हुई है। ऐसे में मुकदमे के जल्द पूरा होने की संभावना नहीं है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने हिमांशु जोशी और बसंती को जमानत देते हुए कहा कि मुकदमे में देरी के लिए दोनों आरोपियों को जिम्मेदार ठहराने वाली कोई सामग्री रिकॉर्ड पर नहीं है।

अदालत ने यह भी कहा कि मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है। लंबे समय से हिरासत और मुकदमे की स्थिति को देखते हुए दोनों जमानत के हकदार हैं। पुलिस के मुताबिक, दस मई 2024 को जंगपुरा एक्सटेंशन स्थित डॉक्टर पॉल के घर में उनके संदिग्ध परिस्थितियों में मृत होने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो डॉक्टर के दोनों हाथ बंधे हुए थे और सिर के पीछे चोट का निशान था। घर से नकदी और आभूषण भी गायब मिले थे। इस मामले में हजरत निजामुद्दीन थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोप है कि डॉक्टर की भरोसेमंद घरेलू सहायिका बसंती ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर हत्या और लूट की साजिश रची थी। वहीं, आरोपियों की ओर से कहा गया कि अभियोजन का पूरा मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों और आरोपियों के कथित खुलासा बयानों पर आधारित है। दोनों से कोई बरामदगी नहीं हुई है और घटना के समय वे मौके पर भी मौजूद नहीं थे।

राहुल गांधी के प्रदर्शन के दौरान संसद मार्ग थाने की दीवार गंदी करने पर एक की गिरफ्तारी, फिर जमानत पर रिहाई

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद मार्ग पुलिस थाने की दीवार पर ग्रैफिटी बनाने के मामले में दिल्ली पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह मामला लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रदर्शन से जुड़ा है।

पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान थाने की दीवार पर ग्रैफिटी लिखकर उसे गंदा किया गया था। इस मामले में पुलिस ने दिल्ली संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान की गई और फिर उसे गिरफ्तार किया गया। हालांकि, इस मामले में जमानती धाराओं में एफआईआर दर्ज होने

के कारण आरोपी को जमानत पर छोड़ दिया गया है। बता दें कि 21 अगस्त को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नई दिल्ली के संसद मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। वे जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के दौरान छात्रों पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर चल रही जांच की प्रगति जानने के लिए डीसीपी ऑफिस गए थे। राहुल गांधी पहले कनॉट प्लेस पुलिस स्टेशन गए थे। वहां से वे सीधे संसद मार्ग थाने में स्थित डीसीपी ऑफिस पहुंचे। वे पैलेट गन पीड़ित साहिल को साथ लेकर गए थे और इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाने पहुंचे थे।

रक्षा मंत्रालय की महिला अधिकारी की संदिग्ध मौत, पति और ससुराल वालों पर मामला दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के द्वारका क्षेत्र में रक्षा मंत्रालय में सहायक अनुभाग अधिकारी के पद पर तैनात 30 वर्षीय नाजिया खानम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। भरथल गांव में हुई इस घटना के बाद मृतका के परिजनों ने पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों पर प्रताड़ना और दहेज से जुड़े गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। द्वारका जिला पुलिस के अनुसार, मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 85 और 108 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है कि घटना से जुड़े सभी तथ्यों और साक्ष्यों की जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, 21 अगस्त को शाम 4:21 बजे भरथल गांव में एक महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने की सूचना पुलिस नियंत्रण कक्ष को मिली थी। सूचना मिलते ही सेक्टर-23 द्वारका थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और महिला के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतका की पहचान नाजिया खानम के रूप में हुई।

24 जोड़े बने यजमान, बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

नई दिल्ली, एजेंसी। सावन के रविवार को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जौहरीपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में द्वादश ज्योतिलिंगों का पार्थिव पूजन व रुद्राभिषेक कराया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। द्वादश ज्योतिर्लिंग पार्थिव पूजन में 24 जोड़े यजमान के रूप में शामिल हुए। वैदिक विधि से सभी जोड़ों को पूजा कराई गई। रुद्राभिषेक के दौरान भगवान शिव को 108 बेलपत्र व 108 फूल अर्पित किए गए। श्रद्धालुओं ने जल, दूध व अन्य सामग्री से शिवलिंग का अभिषेक किया। मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य पंडित विजय कृष्ण ने बताया कि सावन में शिव पूजा का विशेष महत्व है।

काशी विद्यापीठ में परीक्षा व्यवस्था को लेकर छात्रों का प्रदर्शन, फूंका पुतला, परीक्षा नियंत्रक को हटाने की मांग

वाराणसी, एजेंसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में परीक्षा व्यवस्था को लेकर शनिवार को छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित छात्रों ने कुलपति, परीक्षा नियंत्रक और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए परीक्षा नियंत्रक समेत प्रशासन का पुतला फूंका। छात्रों ने परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। छात्रों का आरोप रहा कि विश्वविद्यालय की परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन विश्वविद्यालय परिसर से बाहर निजी एजेंसियों के माध्यम से कराया जा रहा है। छात्रों का दावा है कि बाहरी एजेंसियों द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में कथित तौर पर अनियमितताएं बरती जा रही हैं। इसका सीधा असर विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम और उनके शैक्षणिक भविष्य पर पड़ रहा है।

छात्रों ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन की जानकारी में यह व्यवस्था संचालित हो रही है। उनका सवाल है कि जब विश्वविद्यालय के पास अपने स्तर पर उत्तर पुस्तिकाओं का निष्पक्ष मूल्यांकन कराने की व्यवस्था उपलब्ध है, तो कॉपियों को बाहरी एजेंसियों के माध्यम से जांच के लिए क्यों भेजा जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि कई विद्यार्थियों को परीक्षा में उपस्थित होने के बावजूद अनुपस्थित दर्शाया जा रहा है। छात्रों का कहना है कि ऐसी कथित गड़बड़ियों के कारण विद्यार्थियों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। छात्रों ने कुलपति और परीक्षा नियंत्रक के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए परीक्षा नियंत्रक को पद से हटाने की मांग की। उनका कहना है कि परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ ही उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन और परीक्षा परिणामों से जुड़ी शिकायतों की उच्चस्तरीय जांच कराई जानी चाहिए। छात्र नेता शिवम यादव ने कहा कि जब तक परीक्षा नियंत्रक को पद से हटाने और कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग पर विश्वविद्यालय प्रशासन ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

माध्यमिक विद्यालयों की मान्यता फीस पर 18 फीसदी जीएसटी अनिवार्य

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त एवं संबद्ध विद्यालयों तथा नवीन मान्यता के लिए आवेदन करने वाली संस्थाओं के लिए मान्यता शुल्क पर अब 18 फीसदी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का भुगतान अनिवार्य होगा। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था एक अप्रैल 2026 से ऑनलाइन पोर्टल पर नवीन मान्यता अथवा संबद्धता के लिए किए जा रहे आवेदनों पर लागू होगी। यह जानकारी शनिवार को परिषद के सचिव भगवती सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग की ओर से जारी निर्देशों तथा केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम के प्रावधानों के तहत मान्यता, संबद्धता शुल्क पर 18 फीसदी जीएसटी देय है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और नियमों के अनुपालन के लिए परिषद की मान्यता प्रक्रिया में इस व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। सचिव के अनुसार, एक अप्रैल 2026 से जिन संस्थाओं ने नवीन मान्यता या संबद्धता के लिए आवेदन किया है अथवा आवेदन कर रहे हैं, उन्हें निर्धारित मान्यता शुल्क के अतिरिक्त 18 प्रतिशत जीएसटी की धनराशि जमा करना अनिवार्य होगा। जीएसटी जमा होने के बाद ही मान्यता प्रदान करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। उन्होंने बताया कि भविष्य में मान्यता के लिए प्रस्तुत किए जाने वाले सभी आवेदनों के साथ भी निर्धारित मान्यता शुल्क पर 18 फीसदी जीएसटी अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। बिना जीएसटी भुगतान के प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा और उन्हें अग्रसारित अथवा संस्तुत नहीं किया जाएगा।

वाराणसी में निकला शब्बीर सफदर का जुलूस

जंजीर का हुआ मातम, गूंजी या हुसैन का सदाएं

वाराणसी, एजेंसी। मोहर्रम के बाद की परंपरा के तहत शनिवार को दालमंडी स्थित पुरानी अदालत से शब्बीर सफदर का जुलूस निकाला गया। करीब दो माह आठ दिन बाद निकले इस जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। जुलूस दालमंडी, नई सड़क, फाटक, सलीम, कालीमहल और पितरकुंडा होते हुए फातमान पहुंचा।

जुलूस की व्यवस्था और संचालन अंजुमन हैदरी चौक की देखरेख में किया गया। पूरे मार्ग में नौहाख्वानी के दौरान शहीदाने कर्बला को याद किया गया। लियाकत अली और शराफत हुसैन समेत अन्य नौहाख्वानों ने नौहे पढ़े। जुलूस में शामिल अकीदतमंद मातमी सदाओं के साथ चलते रहे और जगह-जगह या हुसैन की सदाएं बुलंद होती रहीं। जुलूस में आलम, ताबूत और दुलदुल के साथ ऊंट भी शामिल रहा। इसके अलावा हजरत इमाम हुसैन की बेटी जनाबे सकीना के कुर्ते और इमाम हुसैन के बेटे अली असगर के झूले का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया गया। इन प्रतीकों के माध्यम से कर्बला के शहीदों और उनके परिवार के बलिदान को याद किया गया। नई सड़क पर जंजीर का मातम भी किया गया। इसमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक अकीदतमंदों ने हिस्सा लिया। जुलूस के दौरान मौलाना इरशाद अब्बास ने विभिन्न स्थानों पर तकरीर की, जबकि कालीमहल में मौलाना नदीम अजगर ने तकरीर कर कर्बला के इतिहास और शहीदों की कुर्बानी पर प्रकाश डाला। आयोजकों के अनुसार, यह जुलूस कर्बला के बाद इमाम हुसैन के परिवार के लोगों को कैद कर शाम ले जाए जाने और बाद में रिहाई के उपरांत उनके मदीना लौटने की याद को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाता है। जुलूस में अकीदतमंद या हुसैन की सदाएं बुलंद करते हुए और अलविदा कहते हुए आगे बढ़े।

उत्तर प्रदेश में पर्याप्त चीनी उपलब्ध, कतई परेशान न हों आमजन : मुख्यमंत्री योगी

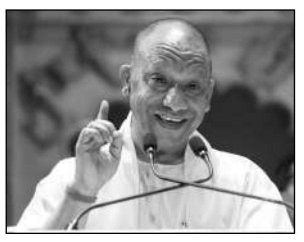

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि राज्य में चीनी की कोई कमी नहीं है, इसलिए आम नागरिक कतई परेशान न हों। प्रदेश की चीनी मिलों में वर्तमान में 179.38 लाख कुंतल चीनी का भंडार उपलब्ध है। चीनी मिलों ने दो महीने (जून-जुलाई) में 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की है। मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया कि आवश्यकता पड़ने पर चीनी मिलें 15 अक्टूबर से संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में कहा कि सहकारी चीनी मिलों में 23.60 लाख कुंतल, निगम की चीनी मिलों में 5.28 लाख कुंतल और निजी चीनी मिलों में 150.50 लाख कुंतल (कुल 179.38 लाख कुंतल) चीनी प्रदेश में उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जून व जुलाई में चीनी मिलों ने 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की है, इसमें से अधिकांश चीनी अभी भी खुले बाजार में उपलब्ध है। आवश्यकता पड़ने पर 15 अक्टूबर से चीनी मिलों को संचालित किया जाए। भ्रम फैलाने व कालाबाजारी करने वालों पर करें कार्रवाई मुख्यमंत्री योगी ने आमजन से अपील की कि चीनी की कमी बताकर भ्रम फैलाने वालों से सावधान रहें। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि चीनी की कालाबाजारी और भ्रम फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने भारत सरकार के निर्देश के क्रम में कहा कि कोई भी डीलर 30 दिन से अधिक चीनी स्टॉक का भंडारण नहीं करेगा और वे एक समय में 400 टन से ज्यादा स्टॉक भी नहीं रख सकते। बल्क कंज्यूमर्स (10 मीट्रिक टन प्रतिमाह खपत) भी 15 दिन से अधिक का स्टॉक नहीं रख सकते। चीनी मिलें भी अपने मासिक कोटे के अंतर्गत विक्रित चीनी को विक्रय की तिथि से सात दिन से अधिक अवधि तक गोदाम में नहीं रोकेंगी। भौतिक सत्यापन कराएं जिलाधिकारी मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद की समस्त पंजीकृत चीनी मिलों, थोक एवं फुटकर विक्रेताओं के गोदामों का भौतिक सत्यापन कराते हुए उपलब्ध स्टॉक की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट प्राप्त करें। निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक धारित करने अथवा जमाखोरी पर कठोर कार्रवाई की जाए।

एक नजर

उफनाई गंगा के पानी से 36 गांव जलमग्न

फर्रुखाबाद, एजेंसी। उफनाई गंगा से उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले के 36 गांव जलमग्न हो गए हैं। इसको देखते हुए प्रशासन सतर्क है। ग्रामीणों को समस्या न हो उन्हें व्यवस्था मुहैया कराया जा रहा है।

अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह का कहना है कि उफनाई गंगा नदी का पानी तकरीबन 36 गांवों में घुस चुका है। जहां नाव की व्यवस्था कर दी गई है। बाढ़ रहे जलस्तर को देखकर सभी बाढ़ चौकिया पर तैनात अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि गंगा नदी का जल स्तर खतरे के निशान से 5 सेमी दूर रह गया है।

गंगा का जल स्तर शनिवार को 137.5 सेमी रिकॉर्ड किया गया। खतरे का निशान 137.10 मीटर पर है। उन्होंने बताया कि कादरी गेट थाना क्षेत्र के पांचाल घाट स्थित गंगा नदी पुल की हालत है। लोगों से पता चला है कि पांचाल घाट पुल के जॉइंट पिछले करीब एक वर्ष से कई बार क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। पुल के नीचे गंगा तट की ओर जलस्तर के ऊपरी हिस्से में लगा प्लास्टर भी जगह-जगह से छूटने लगा है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने पुल के निचले हिस्से में भी मरम्मत कार्य शुरू करा दिया है।

वाराणसी में प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच जल संरक्षण जागरूकता अभियान, केंद्रीय मंत्री ने की सराहना

वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जल है तो कल है संदेश से प्रेरणा लेते हुए वाराणसी में आराजी लाइन के शिवरामपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के बीच जल संरक्षण जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। शिवरामपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय की जानकारी मिलने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने शनिवार को इसकी सराहना करते हुए कहा कि वाराणसी में अभियान के माध्यम से बच्चों को जल के महत्व, उसके विवेकपूर्ण उपयोग और पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजने की आवश्यकता के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को जल संरक्षण का संदेश देने वाली नोटबुक्स भी वितरित की गईं, ताकि जल बचाने की सीख केवल विद्यालय तक सीमित न रहे, बल्कि उनके दैनिक जीवन और परिवारों तक भी पहुंचे। आज की जागरूक पीढ़ी जल-सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव है। वहीं, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री की सराहना से शिवरामपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों में जोश और उत्साह का माहौल है। अध्यापकों ने जलशक्ति मंत्री को उत्साहवर्धन के लिए धन्यवाद किया है।

प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर बढ़ा, सभी तटबंध सुरक्षित

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद प्रयागराज संगम में गंगा और यमुना के जलस्तर में पिछले 24 घंटे के दौरान लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जिला प्रशासन की ओर से शनिवार को सुबह आठ बजे जारी जलस्तर के अनुसार सभी तटबंध सुरक्षित हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 80.69 मीटर दर्ज किया गया, जिसमें पिछले 24 घंटे में 37 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। नैनी में पिछले 24 घंटे के दौरान 10 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। गंगा नदी का जलस्तर फाफामऊ में 81.11 मीटर रहा। यहां भी पिछले 24 घंटे में 38 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। फाफामऊ में इस अवधि में बारिश नहीं हुई। छतनाग में गंगा का जलस्तर 80.34 मीटर दर्ज किया गया, जहां पिछले 24 घंटे में 37 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। यहां भी बारिश नहीं हुई। बक्सी बांध स्थित एसटीपी के पास जलस्तर 80.88 मीटर दर्ज किया गया। जिला प्रशासन के अनुसार प्रयागराज में बाढ़ का निर्धारित खतरे का निशान 4.734 मीटर है। हालांकि वर्तमान में जलस्तर खतरे के स्तर से नीचे है। जिला प्रशासन ने बताया कि नदियों के जलस्तर में हो रही वृद्धि को देखते हुए संबंधित विभागों और अधिकारियों को सतर्क रखा गया है। तटबंधों की निगरानी की जा रही है। फिलहाल सभी तटबंध सुरक्षित हैं और स्थिति नियंत्रण में है।

विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही योगी सरकार : गिरीश चंद्र यादव

जौनपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में कलेक्ट्रेट परिसर में अवस्थापना निधि के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत विकास कार्य का शनिवार को शिलान्यास किया गया। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव ने विकास भवन से जिला पंचायत कार्यालय तक 250 मीटर इंटरलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस विकास कार्य पर 53.12 लाख रुपये की लागत आएगी। कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद कलेक्ट्रेट परिसर में आवागमन सुगम होने के साथ ही जल निकासी की व्यवस्था भी बेहतर होगी। शिलान्यास के दौरान राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए शहरों और सरकारी परिसरों में बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि जौनपुर में भी सड़क, नाली, जल निकासी सहित आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर लगातार काम किया जा रहा है। कलेक्ट्रेट परिसर में होने वाला यह कार्य कर्मचारियों, अधिकारियों और यहां आने वाले आम लोगों के लिए सुविधाजनक साबित होगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य विकास कार्यों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा कराकर आम जनता को उसका सीधा लाभ पहुंचाना है। कलेक्ट्रेट परिसर में इंटरलॉकिंग और नाली निर्माण से जलभराव की समस्या कम होने के साथ परिसर की व्यवस्था भी बेहतर होगी।

औरैया डीएम-एसपी ने पीएम श्री नवोदय विद्यालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में जिलाधिकारी बृजेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने पीएम श्री नवोदय विद्यालय तैइयापुर में आकस्मिक निरीक्षण कर विद्यालय में संचालित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, भोजन, छात्रावास एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति परखी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए कि शासन की शिक्षा एवं बाल कल्याण से जुड़ी योजनाओं का लाभ पात्र विद्यार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार गुणवत्तापूर्ण एवं डिजिटल शिक्षा के साथ कौशल विकास, खेलकूद और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दे रही है। विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को इन सुविधाओं का अधिकतम लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाए। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, परिसर की सुरक्षा तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों की जानकारी ली। एसपी ने छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विद्यालय प्रशासन एवं संबंधित पुलिस अधिकारियों को आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने विद्यालय में पेयजल, भोजन की गुणवत्ता, छात्रावास, शौचालय, विद्युत व्यवस्था और साफ-सफाई का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद डीएम और एसपी ने विद्यालय के भोजनालय का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता एवं तैयार करने की प्रक्रिया को परखा। दोनों अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं के साथ बैठकर भोजन किया और उनसे बातचीत की। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई, विषयों की समझ और विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन, खेलकूद एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

मुरादाबाद में सातवां तेंदुआ पिंजरे में कैद, ग्रामीणों को मिली राहत

मुरादाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद जनपद के तहसील ठाकुरद्वारा ग्राम सरकड़ा परम क्षेत्र में शनिवार को सुबह वन विभाग के लगाए गये पिंजरे में एक और तेंदुआ कैद हो गया। यह सातवां तेंदुआ है, जिसको टीम ने रेस्क्यू किया है। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पिंजरे को अपने कब्जे में ले लिया। उसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुटी थी। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैसिया ने बताया कि संवेदनशीलता के दृष्टिकोण से वन विभाग की देखरेख में रेस्क्यू टीम लगातार सक्रिय है। साथ ही प्रशासनिक स्तर से पूरे संवेदनशील क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामों में सतर्कता एवं जागरूकता के लिए चौपालें आयोजित की जा रही हैं। पूरे संवेदनशील क्षेत्र से अब तक 07 तेंदुओं का रेस्क्यू किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने बताया कि थाना ठाकुरद्वारा क्षेत्र के कई गांव में बीते तीन पखवाड़े से तेंदुए कई लोगों को और उनके जानवरों को अपना शिकार बना चुके हैं। इसके बाद से तेंदुए की सक्रियता ने ठाकुरद्वारा क्षेत्र के कई गांव के ग्रामीणों की चिंता बढ़ा रखी थी। खेत में काम करने जाने वाले किसानों और चारा लेने जाने वाली महिलाओं को भी डर लग रहा था कि कब तेंदुआ उन पर हमला कर दे। हालांकि वन विभाग ने लोगों को सतर्कता बरतने के साथ प्रभावित गांवों में निगरानी बढ़ाने के साथ जगह पिंजरे लगाए थे।

इन्हीं पिंजरों में से एक पिंजरे शनिवार सुबह के लगभग सात बजे के आसपास वन विभाग की रेस्क्यू टीम को ग्राम तहसील ठाकुरद्वारा ग्राम सरकड़ा परम क्षेत्र में पूर्व में लगाए गए पिंजरे में तेंदुए के कैद हो जाने की सूचना मिली। उसके बाद वन विभाग की टीम ने पहुंचकर उसे अपने कब्जे में लिया। तेंदुए के पिंजरे में कैद हो जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। अब उसके शारीरिक परीक्षण के बाद घने जंगल में छोड़ा जाएगा, ताकि वह दोबारा गांव की ओर न आ सके।

कार में लिफ्ट देकर छीन लिए ब्रेसलेट, चेन और अंगूठी, पुलिस ने तीन को पकड़ा, आभूषण बरामद

वाराणसी, एजेंसी। लंका थाना पुलिस ने कार में बैठाकर छिनैती की घटना को अंजाम देने के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छिनैती से संबंधित पीली धातु की चेन, ब्रेसलेट और अंगूठी के अलावा घटना में प्रयुक्त वाहन तथा एक हस्तनिर्मित चाकू बरामद करने का दावा किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना, सीसीटीवी फुटेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की मदद से आरोपियों तक पहुंचने की बात कही है।

पुलिस के अनुसार, 21 अगस्त को एक व्यक्ति ने लंका थाने में पहुंचकर उसके साथ छिनैती होने की शिकायत दर्ज कराई थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा संख्या 0426/2026 में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया। घटना के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में संदिग्ध गतिविधियों और वाहन की आवाजाही के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के संबंध में जानकारी जुटाई। इसके साथ ही मुखबिर तंत्र और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से उनकी लोकेशन का पता लगाने का प्रयास किया गया। इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली कि संदिग्ध आरोपी गढ़वा घाट के पीछे स्थित खाली मैदान के पास मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी की और तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अश्विनी कुमार निवासी नासिरपुर, थाना चित्तईपुर, वाराणसी, वैभव कुमार मौर्या निवासी दुल्लमपट्टी, थाना सैयदराजा, चंदौली और राजशेखर केसरी निवासी लोकमनपुर जमानिया मोड़, थाना सैयदराजा, चंदौली के रूप में हुई।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों के पास से पीली धातु की एक चेन, एक ब्रेसलेट, एक अंगूठी, एक हस्तनिर्मित चाकू और घटना में प्रयुक्त वाहन संख्या यूपी 32 आरई 5005 बरामद किया गया। पुलिस ने बरामद सामान को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। सीसीटीवी से मिले अहम सुराग पुलिस अधिकारियों के अनुसार घटना के बाद इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की बारीकी से जांच की गई। संदिग्ध वाहन की पहचान और उसके आवागमन से जुड़े फुटेज को अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों से मिलाया गया। इसके बाद मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने गढ़वा घाट क्षेत्र में दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

भाजपा सरकार युवाओं के साथ, नेतृत्व के समक्ष रखेंगे छात्रों की मांग : ब्रजेश पाठक

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं के साथ है। प्रत्येक युवा के सपने को साकार करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। हम केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष छात्रों की मांगों को रखेंगे। अगले दो दिन में छात्रों के प्रतिनिधिमंडल की भेंट केंद्रीय मंत्री से कराएंगे। उप मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर आरक्षण सुधार आंदोलन कर रहे युवाओं के साथ लखनऊ में शनिवार को पत्रकार वार्ता की। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने छात्रों के प्रतिनिधिमंडल की हर मांग को ध्यान से सुना गया और उचित निस्तारण के लिए आश्वस्त किया। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हर्ष दुबे, मत्युंजय पाठक, शिवा शर्मा एवं उनके साथियों के साथ पत्रकार वार्ता कर ब्रजेश पाठक ने कहा कि उनकी मांगों को आगामी दो दिनों के भीतर केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जाएगा। साथ ही, संबंधित केंद्रीय मंत्री से छात्रों के प्रतिनिधिमंडल की भेंट कराई जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि छात्रों के प्रतिनिधिमंडल से उन्हें पत्र भी प्राप्त हुआ है, जिसे केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंचाया जाएगा। ब्रजेश पाठक ने कहा कि छात्रों की समस्याओं और उनकी न्यायसंगत मांगों के समाधान के लिए संवाद और सकारात्मक पहल के माध्यम से प्रभावी प्रयास किए जाएंगे।

बाढ़ से 19 गांव बाढ़ से प्रभावित, प्रशासन अलर्ट

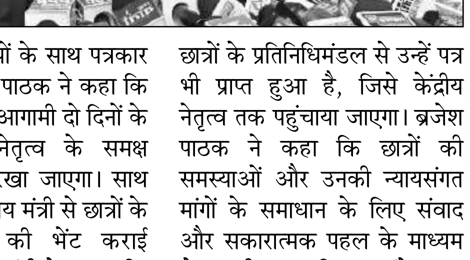

बाराबंकी, एजेंसी। सरयू नदी के बढ़ते जलस्तर ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। एल्गिन ब्रिज पर शनिवार को नदी का जलस्तर 106.170 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान से 10 सेंटीमीटर ऊपर है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने राहत और बचाव कार्यों को तेज कर दिया है। जिले की तीन तहसीलों के 19 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रहने और प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी के निर्देश दिए हैं। बाढ़ की सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के लिए जिला और तहसील स्तर पर 24 घंटे नियंत्रण कक्ष सक्रिय हैं। जिले में 18 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जिनमें एक वर्तमान में संचालित है। प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 22 चिकित्सा टीमें गठित की गई हैं। इनमें 11 टीमें मौके पर उपचार कर रही हैं। बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद के लिए, रामसनेहीघाट तहसील के सेमरी, बसंतपुर, सिकरी जीवल (आंशिक), उमरहरा और अतरसुइया में राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने दो हजार राहत किट वितरित कीं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कोई भी पात्र परिवार राहत से वंचित न रहने पाए।

वैश्विक अस्थिरता और महंगाई चिंताओं के बीच सोना-चांदी फिर चमके

सोना 1,205 रुपए मजबूत, चांदी में 1,745 रुपए की तेजी

नई दिल्ली।

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और बढ़ती महंगाई की चिंताओं के बीच शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। निवेशक मुद्रा और बॉन्ड बाजारों में बढ़ती अस्थिरता के कारण सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा ईरान पर व्यापक प्रतिबंधों की आशंका से कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें महंगाई की चिंताएं बढ़ा रही हैं। इसके साथ ही, केंद्रीय बैंकों, विशेषकर चीन की लगातार खरीदारी ने भी बहुमूल्य धातुओं को मजबूत समर्थन प्रदान किया है। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी बहुमूल्य धातुओं की चमक बरकरार रही। खबर लिखे जाने के समय एमसीएक्स पर सोने का अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 256 रुपये की तेजी के साथ 1,59,681 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 1,367 रुपये की बढ़त के साथ 2,44,610 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर था। सुबह के सत्र में सोने का बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट 1,205 रुपये की तेजी के साथ 1,60,630 रुपये पर और चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 1,745 रुपये की बढ़त के साथ 2,44,988 रुपये पर खुला था। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोना और चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोना 4,592.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर था, जो पिछले बंद भाव 4,571.40 डॉलर से 21.10 डॉलर की बढ़त दर्शाता है। इसी तरह, चांदी भी 0.96 डॉलर की तेजी के साथ 69.06 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी, जबकि इसका पिछला बंद भाव 68.10 डॉलर था। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी की आशंकाएं, भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं द्वारा अपनाई जा रही ढीली मौद्रिक नीतियां सोने-चांदी को आगे भी समर्थन देती रहेंगी। निवेशक सुरक्षित निवेश के रूप में सोने को प्राथमिकता दे रहे हैं, खासकर ऐसे समय में जब पारंपरिक वित्तीय बाजार अस्थिरता का सामना कर रहे हैं। केंद्रीय बैंकों द्वारा अपने भंडार में सोने की खरीदारी जारी रखना भी कीमतों को उच्च स्तर पर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

महंगी चीनी से कड़वा हुआ त्योहारों का स्वाद, बंगाल में कीमतें 70 रुपए के पार

केंद्र ने 10 लाख टन कच्ची चीनी आयात की दी अनुमति; कारोबारी बोले- आयात नाकाफी

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा सहित आगामी त्योहारी सीज़न से ठीक पहले चीनी की कीमतें आसमान छू गई हैं। खुदरा बाजार में चीनी 70 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है, जिससे उपभोक्ताओं का बजट बिगड़ गया है। पिछले एक महीने में ही यह 20 रुपये महंगी हुई है। व्यापारियों के अनुसार बीते कुछ दिनों में ही कीमतों में अचानक 10 प्रतिशत का उछाल आया है। चीनी से बने गुड़, बताशा और नकुलदाना जैसे उत्पादों के दाम भी इसी तरह बढ़े हैं। कन्फेडरेशन ऑफ वेस्ट बंगाल ट्रेड एसोसिएशन (सीडब्ल्यूबीटीए) के एक अधिकारी ने चीनी मिलों पर नियंत्रण न होने और एथनॉल उत्पादन के लिए चीनी के बढ़ते उपयोग को इसका मुख्य कारण बताया है। कीमतों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने एक दशक बाद 10 लाख टन कच्ची चीनी आयात करने की अनुमति दी है। साथ ही, थोक खरीदारों पर भी भंडार सीमा (15 दिन की खपत) लगाई है। हालांकि, कारोबारियों का कहना है कि आयात की यह मात्रा देश की केवल दो सप्ताह की मांग को पूरा करेगी और फिलहाल इसका खुदरा बाजार पर कोई खास असर नहीं दिख रहा है। उनका मानना है कि अधिक हस्तक्षेप की जरूरत है। वहीं पश्चिम बंगाल के मंत्री दिलीप घोष ने चीनी की कीमत वृद्धि के लिए एथनॉल मिश्रण को नहीं बल्कि जमाखोरी को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, एक चीनी मिल अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मिलों में पेराई अप्रैल में ही खत्म हो चुकी है और अब वे केवल अपने मौजूदा भंडार से चीनी जारी कर रही हैं, इससे अधिक कुछ नहीं कर सकतीं।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही उतार-चढ़ा हावी रहने से बाजार पर अंकुश लगा रहा। अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में उछाल और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण से भी बाजार पर दबाव आया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से भी घरेलू बाजार पर दबाव बना। दिनभर के कारोबार के बाद दोनों प्रमुख सूचकांक सपाट बंद हुए।

इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स केवल 3.11 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 77,540.83 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी केवल 20.15 अंक बढ़कर 24,252.00 के स्तर पर बंद हुआ। आज बड़े शेयरों में कमजोरी रही पर छोटे और मध्यम शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप सूचकांक में 0.1 फीसदी की बढ़त रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक 0.69 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

इससे साफ है कि खुदरा निवेशकों का भरोसा छोटे शेयरों में बना हुआ है।

आज के कारोबार में धातु और निजी बैंकों के शेयरों में सबसे ज्यादा चमक रही। इन दोनों सेक्टरों ने बाजार को सहारा देने का काम किया जबकि , एफएमसीजी, ऑटो और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव रहा और इन्होंने बाजार के

मुकाबले कमजोर प्रदर्शन किया। आज सबसे अधिक गिरावट मारुति सुजुकी और इंटरग्लोब एविएशन के शेयरों में रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 82.30 अंक बढ़कर 77,620.02 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी भी 18.65 अंक की बढ़त के साथ 24,250.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ब्रॉडर मार्केट में मिलाजुला रुख दिखा।

निफ्टी मिडकैप में 0.04 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.44 फीसदी की अच्छी बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था।

अपस्टॉक्स आईपीओ की तैयारी में, 40 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य

निवेश बैंकों से प्रारंभिक चर्चा शुरू, 2 करोड़ ग्राहक का आंकड़ा पार कर कंपनी का विस्तार पर जोर

मुंबई।

प्रमुख निवेश मंच अपस्टॉक्स ने अपने महत्वाकांक्षी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए निवेश बैंकों के साथ शुरुआती चर्चा शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से 35-40 करोड़ डॉलर (लगभग 3,351-3,829 करोड़ रुपये) जुटाने की योजना बना रही है, ऐसे समय में जब इसने अपने केवाईसी पंजीकृत ग्राहकों की संख्या 2 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित आईपीओ में नए शेयर जारी करने के साथ ही मौजूदा निवेशकों की ओर से बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल होगी। अपस्टॉक्स ने अब तक छह वित्त पोषण दौरों के माध्यम से करीब 22 करोड़ डॉलर जुटाए हैं और 2021 में 3.5 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल किया था। इस बीच कंपनी ने हाल ही में घोषणा की है कि उसके केवाईसी पंजीकृत ग्राहकों की संख्या 2 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। अपस्टॉक्स का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में अपने उपयोगकर्ता आधार को बढ़ाकर 10 करोड़ तक पहुंचाना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस उपलब्धि पर कहा कि उनका ध्यान ग्राहकों को बेहतर वित्तीय निर्णय लेने और वित्तीय बाजारों तक उनकी पहुंच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर केंद्रित है। यह आईपीओ कंपनी को अपने विस्तार योजनाओं को गति देने में मदद करेगा।

पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल फिर महंगा

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान की जनता को एक बार फिर महंगाई का सामना करना पड़ा है। सरकार ने पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की है, जिसके बाद नए दाम 21 अगस्त से लागू हो गए हैं। इस बढ़ोतरी के बाद अब पाकिस्तान में पेट्रोल 337.78 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर और डीजल 364.70 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। एक स्थानीय अखबार की रिपोर्ट के अनुसार सरकार पेट्रोल पर 114 रुपये और डीजल पर 100 रुपये प्रति लीटर तक का भारी टैक्स और ड्यूटी वसूल रही है, जो ईंधन की उच्च कीमतों का एक प्रमुख कारण है। पेट्रोलियम डिवीजन के नोटिफिकेशन के मुताबिक, ये नई कीमतें 21 अगस्त से प्रभावी हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव के चलते, अब ऑयल एंड गैस रेगुलेटरी अथॉरिटी दैनिक आधार पर ईंधन की कीमतें तय करेगी। तुलनात्मक रूप से, भारतीय मुद्रा में पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत लगभग 114.85 रुपये प्रति लीटर बैठती है, जो भारत के बड़े शहरों, जैसे दिल्ली (102.12 रुपये) और चंडीगढ़ (101.54 रुपये), की तुलना में काफी अधिक है, जिससे पाकिस्तानी उपभोक्ताओं पर भारी बोझ पड़ रहा है।

पीएनबी की चेतावनी, निष्क्रिय खाते बंद होने का खतरा, तुरंत करें केवायसी अपडेट

बैंक ने ग्राहकों को सितंबर तक केवायसी अपडेट करने या लेनदेन करने की चेतावनी दी

मुंबई।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने लाखों ग्राहकों के लिए एक अहम चेतावनी जारी की है। बैंक ने ऐसे निष्क्रिय खातों को बंद करने की प्रक्रिया शुरू करने का ऐलान किया है जिनमें लंबे समय से कोई लेनदेन नहीं हुआ है और जिनका बैलेंस शून्य है। ग्राहकों को सितंबर तक कार्रवाई करने की सलाह दी गई है, ताकि उनके खाते बंद होने से बच सकें। पीएनबी के अनुसार, ऐसे बैंक खाते जिनमें पिछले तीन साल से कोई लेनदेन दर्ज नहीं हुआ है और खाते में कोई राशि भी नहीं है, उन्हें बंद किया जा सकता है। बैंक ने यह कदम खातों के गलत इस्तेमाल और उनसे जुड़े जोखिमों को रोकने के लिए उठाया है। पीएनबी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया माध्यमों पर भी यह महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है, जिसमें खाताधारकों को सचेत किया गया है। निष्क्रिय खाताधारक अपने खाते को बंद होने से बचाने के लिए सितंबर तक संबंधित बैंक शाखा में अपने केवायसी दस्तावेज जमा कराकर इसे दोबारा सक्रिय करवा सकते हैं। केवायसी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ग्राहक बैंक की सेवाओं का इस्तेमाल जारी रख सकेंगे।

बैंक ने यह भी सलाह दी है कि कोई भी ग्राहक अपना खाता बंद करने का निर्णय लेने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि यह पेंशन, सब्सिडी, लोन, बीमा या किसी अन्य महत्वपूर्ण भुगतान से जुड़ा न हो। पीएनबी ने ग्राहकों से समय-समय पर अपने खाते में लेनदेन करने और अपनी केवायसी जानकारी अपडेट रखने का आग्रह किया है।

किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए ग्राहक पीएनबी के आधिकारिक हेल्पलाइन माध्यमों से संपर्क कर सकते हैं।

भारतीय प्राइवेट क्रेडिट बाजार गुलजार, रियल एस्टेट सबसे आगे

अगले 1-2 वर्षों में बाजार की मजबूती बरकरार रहने का अनुमान

नई दिल्ली।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का प्राइवेट क्रेडिट बाजार अगले एक से दो वर्षों में भी मजबूत बना रह सकता है। एच1 2026 में रियल एस्टेट सेक्टर ने इसमें अहम भूमिका निभाई, जबकि घरेलू निवेशकों ने वैश्विक फंड्स को पीछे छोड़ दिया। इस अवधि में करीब 3.5 अरब डॉलर का निवेश हुआ। एक सर्वे रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2026 की पहली छमाही (एच1 2026) में भारत के प्राइवेट क्रेडिट बाजार में उल्लेखनीय विस्तार हुआ, जो वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मजबूत घरेलू आर्थिक आधार और बेहतर बैंकिंग सेक्टर से प्रेरित था। इस दौरान कुल निवेश लगभग 3.5 अरब डॉलर रहा, जिसमें घरेलू फंड्स का दबदबा रहा। कुल डील वैल्यू में घरेलू खिलाड़ियों की हिस्सेदारी 74 फीसदी रही, जबकि डील की संख्या में यह आंकड़ा 79 फीसदी रहा। सेक्टरवार विश्लेषण में रियल एस्टेट कुल प्राइवेट क्रेडिट डील वैल्यू के 35 फीसदी हिस्से के साथ सबसे आगे रहा, जिसके बाद हेल्थकेयर (13 फीसदी) का स्थान रहा। एक महत्वपूर्ण बदलाव फूड एंड बेवरेज (एफएंडबी) सेक्टर में देखा गया, जिसकी हिस्सेदारी एच 2 2025 में मात्र 1 फीसदी से बढ़कर एच1 2026 में 12 फीसदी पर पहुंच गई। यह तेजी भारतीय बैंकिंग सेक्टर की सुदृढ़ वित्तीय स्थिति से भी प्रेरित है। मार्च 2026 तक बैंकों का कैपिटल टू रिस्क-वेटेड एसेट्स रेश्यो 17.7 फीसदी और सीईटी1 अनुपात 15.3 फीसदी रहा। वित्तीय वर्ष 2026 में सकल एनपीए अनुपात घटकर 1.8 फीसदी और शुद्ध एनपीए 0.4 फीसदी रह गया, जो एसेट क्वालिटी में महत्वपूर्ण सुधार दर्शाता है। सर्वे में शामिल 60 फीसदी प्रतिभागियों ने अगले 1-2 वर्षों के लिए भारतीय प्राइवेट क्रेडिट बाजार को लेकर सकारात्मक रुख जताया है। हालांकि, बढ़ती प्रतिस्पर्धा एक चिंता का विषय बनी हुई है। रियल एस्टेट, हालांकि सबसे सक्रिय सेक्टर है, इसे डिफॉल्ट के लिहाज से सबसे जोखिम भरा भी माना गया है। स्ट्रेस, कैपेक्स और विलय-अधिग्रहण फाइनेंसिंग इस बाजार की प्रमुख मांग बने हुए हैं।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 5 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.69 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया नौ पैसे बढ़क 95.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर में कमजोरी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों की चुनौती से भारत के लिए कमजोर डॉलर का असर कम हो रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.69 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में 95.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त है। वहीं रुपया गुरुवार को शुरुआती बढ़त गंवाकर एक पैसे की गिरावट के साथ 95.74 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 फीसदी टूटकर 98.74 पर आ गया।

टाटा मोटर्स की गाड़ियां होंगी महंगी, 1 सितंबर से 25,000 तक बढ़ेंगे दाम

कच्चे माल की बढ़ती लागत और वैश्विक चुनौतियों के कारण कंपनी ने लिया फैसला

नई दिल्ली।

अगर आप टाटा मोटर्स की कोई नई कार या एसयूवी खरीदने का मन बना रहे हैं, तो आपके लिए यह खबर महत्वपूर्ण है। कंपनी ने अपने यात्री वाहनों की कीमतों में 1 सितंबर 2024 से 25,000 रुपये तक की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। यह कदम कच्चे माल की लगातार बढ़ती लागत और वैश्विक बाजार में बनी अनिश्चितता के चलते उठाया गया है, जिसका सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ेगा। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने शुक्रवार को घोषणा की कि यह मूल्य वृद्धि उसके पूरे यात्री वाहन पोर्टफोलियो पर लागू होगी। हालांकि, किस मॉडल और वैरिएंट की कीमत में कितनी बढ़ोतरी होगी, इसका खुलासा कंपनी ने नहीं किया है। अधिकतम बढ़ोतरी 25,000 रुपये तक होगी। कंपनी ने बताया कि कच्चे माल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की लागत में लगातार वृद्धि हो रही है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर बनी अनिश्चितता के कारण भी कंपनियों के खर्च पर भारी दबाव बना हुआ है। कंपनी अब तक बढ़ी हुई लागत का एक बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही थी, लेकिन लगातार बढ़ते खर्चों के कारण अब इसका कुछ बोझ ग्राहकों पर डालना अनिवार्य हो गया है। वैश्विक व्यापार और ऊर्जा बाजार में रुकावट, महंगा कच्चा माल और बढ़ती परिचालन लागत वाहन कंपनियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर भी ऊर्जा और आपूर्ति से जुड़ी लागतों पर पड़ रहा है। टाटा मोटर्स के यात्री वाहन पोर्टफोलियो में टियागो, टिगोर, पंच, अल्ट्रोज, नेक्सॉन, कर्व, हैरियर और सफारी जैसे लोकप्रिय मॉडल शामिल हैं। ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे खरीदारी से पहले अपने नजदीकी डीलर से नई कीमतों की विस्तृत जानकारी प्राप्त करें। यह 2024 में टाटा मोटर्स की ओर से की जाने वाली तीसरी मूल्य वृद्धि होगी। इससे पहले कंपनी ने 1 अप्रैल से पेट्रोल-डीजल वाले यात्री वाहनों की कीमतों में 0.5 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। इसके बाद 1 जुलाई से कंपनी ने अपने पूरे यात्री वाहन पोर्टफोलियो के दाम 1.5 फीसदी बढ़ाए थे। अब 1 सितंबर से एक बार फिर कीमतों में 25,000 रुपये तक की वृद्धि होने जा रही है, जो ग्राहकों के लिए चुनौती पेश कर सकती है।

निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों में मामूली सुधार, सर्विस सेक्टर ने संभाली कमान

अगस्त में कंपोजिट पीएमआई बढ़कर 54.6 हुआ, लेकिन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में आई सुस्ती

नई दिल्ली।

भारत के निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों में अगस्त में मामूली सुधार दर्ज किया गया है। जुलाई में चार साल के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद यह सुधार सेवा क्षेत्र की मजबूत रफ्तार से संभव हुआ, जिसने विनिर्माण क्षेत्र की धीमी पड़ती गतिविधियों को काफी हद तक संतुलित किया। एक सर्वे के मुताबिक अगस्त में कंपोजिट पीएमआई बढ़कर 54.6 पर पहुंच गया, जबकि जुलाई में यह 54.3 था। जारी सर्वे के अनुसार अगस्त में निजी क्षेत्र की गतिविधियों में विस्तार लगातार 61वें महीने बना रहा, हालांकि कंपोजिट पीएमआई मार्च 2022 के बाद दूसरा सबसे कमजोर आंकड़ा रहा। इस दौरान सेवा क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियां जुलाई के 53.3 से बढ़कर 54.5 हो गईं, जो वृद्धि को प्रमुख सहारा मिला। इसके विपरीत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ और धीमी पड़ गई। पीएमआई जुलाई के 53.5 से घटकर अगस्त में 52.9 रह गया। एक अर्थशास्त्री ने बताया कि विनिर्माण ग्रोथ पांच साल में सबसे धीमी रही। नए ऑर्डर में सुधार हुआ, लेकिन उसकी गति उम्मीद से कम रही।

कंपनियों की इनपुट लागत सात महीनों की सबसे धीमी रफ्तार से बढ़ी, फिर भी उन्होंने ग्राहकों से वसूले जाने वाले अंतिम बिक्री मूल्य में तेजी से बढ़ोतरी की। अगस्त में कुल रोजगार सृजन में सुधार हुआ, जिसका मुख्य कारण सेवा क्षेत्र में कर्मचारियों की भर्ती थी। हालांकि, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में ढाई साल में पहली बार कर्मचारियों की संख्या में कमी दर्ज की गई। कुल मिलाकर अगस्त के आंकड़े जुलाई की तुलना में कुछ राहत देते हैं, लेकिन विनिर्माण क्षेत्र की लगातार कमजोर होती ग्रोथ और समग्र पीएमआई का अपेक्षाकृत निचला स्तर आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार पर दबाव बने रहने का संकेत देता है।

सेबी की बड़ी कार्रवाई, दो कंपनियों पर लगा प्रतिबंध

गलत तरीके से कमाए गए मुनाफे जब्त करने का निर्देश

मुंबई

बाजार नियामक सेबी ने सेंसेक्स डेरिवेटिव्स अनुबंधों की साप्ताहिक अंतिम तिथि पर हुई कीमतों की असामान्य हेराफेरी के मामले में कड़ी कार्रवाई की है। एक विस्तृत जांच के बाद, सेबी ने जेपी मॉर्गन की मॉरीशस स्थित विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) कॉपटॉल मॉरीशस इन्वेस्टमेंट और मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग को बाजार में कीमतों की कृत्रिम छेड़छाड़ का दोषी पाया है। नियामक ने इन कंपनियों को शेयर बाजार में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया है और उनसे गलत तरीके से कमाए गए मुनाफे को जब्त करने का आदेश दिया है। यह मामला 13 अगस्त को क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) के दौरान सेंसेक्स में कुछ ही सेकंड में हुई कीमतों की अचानक उछाल से जुड़ा है। सेबी की अंतरिम जांच रिपोर्ट के अनुसार, इस उछाल के पीछे कॉपटॉल मॉरीशस इन्वेस्टमेंट का हाथ था। कंपनी ने लगभग 98 रुपए करोड़ मूल्य के खरीद ऑर्डर दिए, जिनकी कीमत संदर्भ मूल्य से अधिकतम 3 फीसदी अधिक थी और कीमतों में बदलाव के साथ ही एक-तिहाई ऑर्डर रद्द कर दिए। सेबी का आरोप है कि कॉपटॉल ने सेंसेक्स के सांकेतिक समान मूल्य (आईईपी) को बढ़ाकर बंद भाव में हेरफेर करने की कोशिश की, ताकि अपनी सिंथेटिक लॉन्ग एसेट पोजीशन से मुनाफा कमाया जा सके।

उसी दिन, मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग ने सेंसेक्स की आठ कंपनियों के शेयरों में संदर्भ मूल्य से लगभग 2.5 फीसदी कम पर बड़ी संख्या में बिक्री ऑर्डर दिए, जिन्हें बाद में रद्द कर दिया गया। इससे सेंसेक्स का आईईपी चार से पांच मिनट तक नीचे आ गया, जिससे कंपनी को वायदा पोजीशन से लाभ मिलने की संभावना थी। नियामक ने स्पष्ट किया है कि दोनों संस्थाओं ने आपस में मिलकर नहीं, बल्कि स्वतंत्र रूप से हेरफेर किया। सेबी के चेयरमैन ने बाजार में हेरफेर करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। इन घटनाओं ने बाजार से जुड़े लोगों की चिंता बढ़ाई है और वे सीएएस व्यवस्था में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

बंगाल का औद्योगिक सपना, दशकों का सफर और अनसुलझी तस्वीर

कोलकाता की चमकीली शहरी छवि, औद्योगिक मोर्चे पर स्थायी बदलाव की चुनौती

नई दिल्ली।

पश्चिम बंगाल ने पिछले तीन दशकों में अपनी औद्योगिक और आर्थिक छवि को बदलने के लिए एक लंबा सफर तय किया है। 1994 में वाम मोर्चा सरकार द्वारा निजी निवेश के द्वार खोलने से लेकर आज तृणमूल कांग्रेस के आईटी हब के प्रयासों तक, राज्य ने निवेश आकर्षित करने और अपनी उग्र मजदूर संघों वाली छवि से उबरने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। हालांकि, चमकदार शहरी विकास के बावजूद, राज्य की औद्योगिक तस्वीर अभी भी कई चुनौतियों से घिरी हुई है। सितंबर 1994 में तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार ने मुख्यमंत्री ज्योति बसु के नेतृत्व में, निजी निवेश के लिए द्वार खोलते हुए एक नई औद्योगिक नीति की घोषणा की। लाइसेंस राज के ढहने के बाद, राज्य ने चुनिंदा क्षेत्रों में नई तकनीक और निवेश का स्वागत किया। हालांकि, अप्रैल 2000 में हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की शुरुआत हुई, लेकिन अनेक समझौता ज्ञापन (एमओयू) ठोस निवेश या रोजगार में तब्दील नहीं हो पाए। तब तक राज्य की पहचान उग्र मजदूर संघों और औद्योगिक अशांति वाले प्रदेश के रूप में स्थापित हो चुकी थी, जिससे निवेशक दूर भाग रहे थे। नवंबर 2000 में बुद्धदेव भट्टाचार्य के मुख्यमंत्री बनने के बाद स्थिति में सुधार आना शुरू हुआ। उनके अभी करो वाले दृष्टिकोण ने औद्योगीकरण को गति दी। कोलकाता में साल्ट लेक और राजारहाट जैसे क्षेत्रों में आईटी कंपनियों के परिसर, भव्य शॉपिंग मॉल और रेस्तरां तेजी से विकसित हुए। इन आधुनिक केंद्रों ने शहर के पुराने औपनिवेशिक स्वरूप से हटकर एक नई व्यावसायिक पहचान गढ़ी, जो कांच और इस्पात के टावरों से चमक उठी। पिछले 15 वर्षों में तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में भी यह गति जारी रही, जिसमें बंगाल सिलिकॉन वैली टेक हब जैसी परियोजनाओं ने आईटी क्षेत्र को बढ़ावा दिया है। हालांकि, इनमें से अधिकांश परियोजनाएं अभी भी निर्माणाधीन हैं। नए दफ्तरों और फ्लाईओवर ने भले ही कोलकाता की भौतिक तस्वीर बदल दी हो, लेकिन राज्य की औद्योगिक छवि में आया बदलाव अस्थायी प्रतीत होता है।

अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय महिला पहलवानों ने 3 मेडल जीते

- मानसी को सिल्वर, तानवी और कोमल को ब्रॉन्ज मिला

स्लोवाकिया (एजेंसी)। भारत की महिला पहलवानों ने अंडर-20 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में तीन और मेडल जीते। मानसी लाठर ने सिल्वर, जबकि तानवी मगदुम और कोमल ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। स्लोवाकिया के ब्रातिस्लावा में चल रही चैंपियनशिप के 68 किलोग्राम कैटेगरी के गोल्ड मेडल मैच में मानसी को चीन की चेनलिंग सोंग के खिलाफ 1-2 से करीबी हार मिली। इसके चलते उन्हें सिल्वर से संतोष करना पड़ा।

कोमल ने हंगरी की पहलवान को हराया – 59 किलोग्राम कैटेगरी में कोमल ने हंगरी की एडा बालाज को 5-2 से हराया। कोमल ने यह मुकाबला जीतकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

- **तानवी ने कनाडा की पहलवान को हराया** – 57 किलोग्राम कैटेगरी में तानवी मगदुम ने कनाडा की अग्निया क्राकोव्स्का को 10-4 से हराया। इस जीत के साथ तानवी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

बीसीसीआई के टाइटल स्पॉन्सर रेस में जेमिनी और एसबीआई लाइफ

- बेस प्राइस 4.85 करोड़ रुपए प्रति मैच, 2 साल में 35 घरेलू मैचों के अधिकार मिलेंगे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के टाइटल स्पॉन्सर के अधिकारों की डील अभी फाइनल नहीं हुई है। BCCI को तय समय तक कोई ऐसी बोली नहीं मिली, जो उसकी उम्मीदों पर खरी उतरे। अब बोर्ड संभावित कंपनियों से सीधे बातचीत कर रहा है। गूगल का ढ्ड ब्रांड जेमिनी, स्पिनी और एसबीआई लाइफ के नाम इस रेस में सामने आए हैं। बीसीसीआई ने बोली जमा करने की आखिरी तारीख 13 अगस्त रखी थी। क्रिकबज के मुताबिक, या तो कोई बोली नहीं मिली या मिली हुई बोली बोर्ड की उम्मीद के मुताबिक नहीं थी। अब बीसीसीआई के पास सितंबर में घरेलू सीजन शुरू होने से पहले डील फाइनल करने का समय है।

- **बेस प्राइस 15.5 प्रतिशत बढ़ा** – बीसीसीआई ने टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए बेस प्राइस 4.85 करोड़ रुपए प्रति मैच रखा है। यह मौजूदा डील के मुकाबले करीब 15.5 प्रतिशत ज्यादा है। मौजूदा टाइटल स्पॉन्सर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक हर घरेलू इंटरनेशनल मैच के लिए बीसीसीआई को 4.2 करोड़ रुपए देता है। बैंक ने तीन साल पहले ये अधिकार हासिल किए थे।इस बार बीसीसीआई अधिकार सिर्फ दो साल के लिए बेच रहा है। यह डील 31 मार्च 2028 तक रहेगी। इस दौरान करीब 35 घरेलू इंटरनेशनल मैच होने की उम्मीद है।

दो बार के वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर जोलानी टेटे की हत्या

- घर के बाहर कार में गोली मारी गई, साउथ अफ्रीका के ईस्टर्न केप की घटना

नईदिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर जोलानी टेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 38 साल के टेटे को शुक्रवार को ईस्टर्न केप के मडांत्साने में उनके घर के बाहर निशाना बनाया गया। वह अपनी कार में बैठे थे और घर का गेट खुलने का इंतजार कर रहे थे। तभी बलाक्लावा पहने दो हथियारबंद लोगों ने उनकी कार पर कई गोलियां चला दीं। हमले में टेटे के साथ कार में मौजूद 27 साल की महिला भी घायल हुई। उसे कई गोलियां लगी हैं। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

- **11 सेकेंड में नॉकआउट, वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया** – टेटे को बॉक्सिंग में 'लास्ट बॉर्न' के नाम से जाना जाता था। उनके नाम वर्ल्ड टाइटल फाइट में सबसे तेज नॉकआउट का रिकॉर्ड है। उन्होंने 2017 में साउथ अफ्रीका के सिबोनिसो गोन्या को सिर्फ 11 सेकेंड में नॉकआउट किया था। इस जीत के साथ उन्होंने वर्ल्ड टाइटल फाइट में सबसे तेज नॉकआउट का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

बांग्लादेश की पहली पारी 64 पर ढेर

बदले की आग में मिचेल स्टार्क ने बरपाया कहर, पहले ही दिन गिरे 18 विकेट, ऑस्ट्रेलिया ने हासिल की मामूली बढ़त

मैके , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन मामूली बढ़त हासिल कर ली। दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में आठ विकेट पर 165 रन बनाए हैं और उसे अब तक 101 रनों की बढ़त मिली है। स्टंप्स के समय कैमरन ग्रीन 51 और नाथन लियोन 10 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले, दूसरे ही सत्र में बांग्लादेश की पहली पारी 64 रन पर ऑलआउट हुई। लेकिन शोरिफुल इस्लाम ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार झटके दिए जिससे टीम वापसी करने में सफल रही।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी

बांग्लादेश को सस्ते में ऑलआउट करने के बाद उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शोरिफुल इस्लाम ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार झटके दिए जिससे उसकी पारी लड़खड़ा गई। शुरुआती झटकों के बाद स्टीव स्मिथ और कैमरन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाला और टीम को बढ़त दिलाई। स्मिथ 42 रन बनाकर आउट हुए और ग्रीन के साथ उनकी साझेदारी टूट गई। इसके बाद एक छोर से विकेट गिरते रहे, लेकिन ग्रीन टिके रहे और उन्होंने अर्धशतक पूरा किया। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल ने छह विकेट लिए, जबकि तस्कीन अहमद और मेहदी हसन मिराज को अब तक एक-एक विकेट मिले।

पहला सत्र पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के नाम

स्टार्क ने बांग्लादेश की पारी लड़खड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। स्टार्क के आगे बांग्लादेश का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखरता चला गया। इसके बाद पैट कमिंस ने मुशफिकुर रहीम को आउट कर बांग्लादेश को पहले ही सत्र में छठा झटका दिया। बांग्लादेश ने इस तरह 21 रन के स्कोर पर छह विकेट गंवा दिए। लंच तक बांग्लादेश का स्कोर छह विकेट पर 35 रन था।

चार बल्लेबाज खाता खोले बिना आउट

इससे पहले, मैके में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने इसे सही साबित करने में ज्यादा देर नहीं लगाई और बांग्लादेश को झटके पर झटके दिए। स्थिति यह रही कि पहले ही सत्र में बांग्लादेश ने छह विकेट गंवा दिए। मिचेल स्टार्क ने पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की और शुरुआत से ही बांग्लादेश पर दबाव बनाया। स्टार्क पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को पवेलियन भेजा और फिर अपने अगले ओवर की पहली गेंद पर तंजिद हसन तमीम को खाता खोले बिना आउट किया। अगली ही गेंद पर नजमुल हुसैन शांतो स्टार्क का तीसरा शिकार बने। स्टार्क हालांकि, हैट्रिक पूरी नहीं कर सके। स्टार्क ने फिर कैमरन ग्रीन के हाथों मोमिनुल हक को कैच कराया जो नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद स्टार्क का पांचवां शिकार लिटन दास बने जो खाता खोले बिना आउट हुए। बांग्लादेश की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके।

दूसरे सत्र में हेजलवुड-कमिंस ने दिखाया दम

लंच ब्रेक के बाद जोश हेजलवुड और कमिंस ने दम दिखाया और दो विकेट झटकर बांग्लादेश को और मुश्किल में डाल दिया। कमिंस ने पहले मेहदी हसन मिराज को आउट किया जो 11 रन बनाकर आउट हुए और फिर हेजलवुड ने हसन महमूद को पवेलियन की राह दिखाई जो 10 रन बनाकर आउट हुए। कमिंस ने इसके बाद तस्कीन अहमद को आउट करने में ज्यादा देर नहीं लगाई और मैट रेनशॉ के हाथों कैच कराकर उनकी पारी का अंत किया। तस्कीन एक रन बनाकर आउट हुए। आखिरी विकेट गिराने के लिए हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को थोड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि तैजुल इस्लाम और शोरिफुल इस्लाम के बीच 10वें विकेट के लिए 25 रनों की साझेदारी हुई। यह बांग्लादेश की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही। इसे स्टार्क ने शोरिफुल को आउट कर तोड़ा। 11वें नंबर पर उतरे शोरिफुल ने बांग्लादेश के लिए पहली पारी में सबसे ज्यादा 14 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टार्क ने छह, कमिंस ने तीन और हेजलवुड ने एक विकेट लिया।

मिचेल स्टार्क ने स्टेन को पीछे छोड़ा! 19वीं बार टेस्ट में लिए पांच से अधिक विकेट

ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेटों के मामले में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन को पीछे दिया है। स्टार्क अब स्टेन को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट इतिहास के 10वें सफलतम गेंदबाज बन गए हैं। स्टार्क ने शनिवार से साउथ मैके में ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच शुरू हुए टेस्ट मैच के पहले दिन यह उपलब्धि हासिल की।

शुरुआती 22 गेंदों पर झटके पांच विकेट

साउथ मैके में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। स्टार्क ने अपनी आग उगलती गेंदबाजी से बांग्लादेश के शीर्ष क्रम बल्लेबाजी को तहस नहस कर दिया। स्टार्क ने अपनी शुरुआती 22 गेंदों पर ही पांच विकेट ले डाले। स्टार्क ने 10 ओवर की गेंदबाजी में छह मेडन फेंकते हुए मात्र 12 रन देकर छह विकेट लिए। इस दौरान पांचवां विकेट लेते ही उन्होंने डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया।

205 पारियों में 441 विकेट

36 साल के स्टार्क के अब 107 टेस्ट मैचों की 205 पारियों में 441 विकेट हो चुके हैं। स्टार्क टेस्ट मैच की एक पारी में 19 बार पांच या उससे अधिक विकेट ले चुके हैं, जबकि एक मैच में 10 या उससे अधिक विकेट तीन बार ले चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर सात विकेट है। स्टार्क से आगे अब वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कॉर्टनी वॉल्श हैं। वॉल्श के नाम 132 टेस्ट में 519 विकेट हैं। देखना होगा कि स्टार्क इस रिकॉर्ड को तोड़ पाते हैं, या नहीं। डेल स्टेन ने 2004 से 2019 के बीच 93 टेस्ट मैचों में 439 विकेट लिए थे। स्टेन अब टेस्ट के सफलतम गेंदबाजों की सूची में 11वें नंबर पर चले गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट श्रीलंका के ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने 1992 से 2010 के बीच 133 टेस्ट में 800 विकेट लिए हैं। दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न हैं। वॉर्न ने 1992 से 2007 के बीच 145 टेस्ट में 708 विकेट लिए थे।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में बड़ा बदलाव

इंग्लैंड के खिलाफ पारी से हारने पर पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे खिसका

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में पाकिस्तान की दूसरी पारी में सिर्फ 135 रनों पर ही सिमट गई. जिससे उनको पारी और 103 रनों से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ ही मेजबान टीम ने तीन दिन के अंदर ही शानदार जीत हासिल कर ली. पाकिस्तान की हार के लिए मुख्य रूप से रॉबिन्सन जिम्मेदार थे. उन्होंने मैच में 80 रन देकर 8 विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता। इससे पहले, पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम 171 रनों पर ऑल आउट हो गई थी, जिसमें रॉबिन्सन ने 51 रन देकर 5 और टंग ने 46 रन देकर 5 विकेट लिए थे. जवाब में इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर के चार बल्लेबाजों ने हाफ-सेंचुरी लगाई. जॉर्डन कॉक्स ने 73, जो रूट ने 66, हैरी ब्रूक ने 91 और डैन लॉरेंस ने 51 रन बनाए.

पाकिस्तान की करारी हार

मैच की बात करें तो जब पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की, तो उन पर भारी दबाव था क्योंकि इंग्लैंड ने पहली पारी में 238 रनों की बढ़त बना ली थी. मेहमान टीम की मुश्किलें लगभग तुरंत ही शुरू हो गईं जब आर्चर ने अपने पहले ही ओवर में इमाम-उल-हक (0) का विकेट ले लिया।शान मसूद ने कई बाउंड्री लगाकर पलटवार करने की कोशिश की, लेकिन इंग्लैंड ने दबाव बनाए रखा. इसके बाद अब्दुल्ला शफीक (15) डिफेंस करते हुए एज लगने से आउट हो गए, और लंच से पहले ही पाकिस्तान और भी मुश्किल स्थिति में आ गया। इसके बाद स्थिति और खराब हो गई जब टंग ने पाकिस्तान के मिडिल ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया.

पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे

पाकिस्तान ने पहली पारी में सिर्फ 171 रन बनाए थे. जबकि इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 409 रन बनाए. जिससे उनको 238 रनों की बढ़त मिल गई. इसके बाद पाकिस्तानी बल्लेबाज दूसरी पारी में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के जबरदस्त हमले का सामना नहीं कर सका. जोफ्रा आर्चर, जोश टोंग और ओली रॉबिन्सन ने मिलकर 9 विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड ने एकतरफा जीत हासिल की और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकल में महत्वपूर्ण अंक प्राप्त किए। इंग्लैंड की यह शानदार जीत जो रूट के फुल-टाइम टेस्ट कप्तान के तौर पर दूसरे कार्यकाल की मजबूत शुरुआत है. इससे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में इंग्लैंड की स्थिति भी बेहतर हुई है.

वैभव सूर्यवंशी पर राहुल द्रविड़ बोले

वह अभी सिर्फ 15 साल का है...

मुंबई (एजेंसी)। व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ने के बाद वैभव सूर्यवंशी अब रेड-बॉल में छाप छोड़ने वाले है. क्योंकि वो 23 अगस्त से शुरू होने वाले दिलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन की ओर से खेलने के लिए तैयार हैं. दिलीप ट्रॉफी में सूर्यवंशी को कम से कम दो लगातार फर्स्ट-क्लास मैच खेलने का मौका मिल सकता है, और अगर ईस्ट जोन फाइनल में पहुंचता है तो तीसरा मैच भी मिल सकता है.

वैभव को थोड़ा समय देना होगा – द्रविड़ ने कहा, वैभव ने शायद व्हाइट-बॉल क्रिकेट की तुलना में उतना रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेला है. वह अभी सिर्फ 15 साल का है, और मुझे लगता है कि आपको उसे थोड़ा समय देना होगा और उसके साथ धैर्य रखना होगा. जाहिर है कि उसे शुरुआत में ही बहुत सफलता मिली है, लेकिन उसे उतार-चढ़ाव का सामना भी करना पड़ेगा, और मुझे लगता है कि लोगों को उसके साथ धैर्य रखना होगा। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि उसे कुछ सफलता मिलेगी, लेकिन ऐसा समय भी आ सकता है जब चीजें उसके पक्ष में न हों. लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि वह अभी सिर्फ 15 साल का है और उसे अभी लंबा सफर तय करना है द्रविड़ को उम्मीद है कि सूर्यवंशी आगे चलकर टॉप लेवल पर रेड-बॉल क्रिकेट में भी अपनी जगह बना पाएगा और भारत के लिए सभी फॉर्मेट में खेलने वाला खिलाड़ी बन सकेगा।

वैभव को रेड-बॉल में भी काफी समय मिलना चाहि

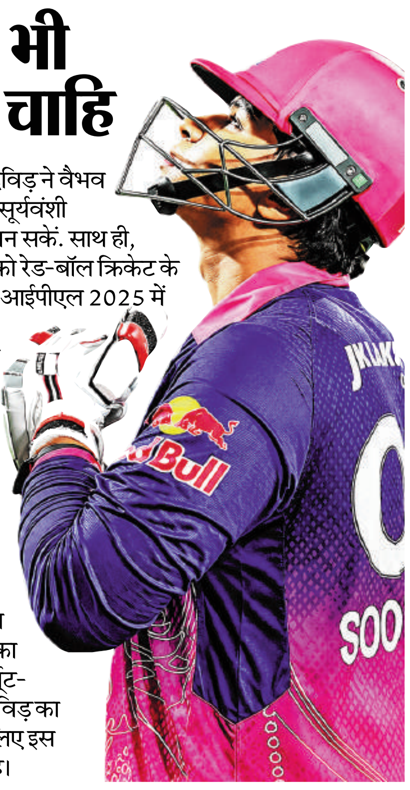

इस बीच भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार खिलाड़ी राहुल द्रविड़ ने वैभव पर बड़ा बयान दिया है. उनका मानना है कि क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो सभी फॉर्मेट के क्रिकेटर बन सकें. साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 15 साल के इस खिलाड़ी को रेड-बॉल क्रिकेट के लिए काफी समय मिलना चाहिए। बता दें कि राहुल द्रविड़ ने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स में बतौर हेड कोच सूर्यवंशी को कोचिंग दी थी. उसी सीजन में वैभव ने आईपीएल में डेब्यू करके धमाल मचाया था. द्रविड़ ने कहा कि इस युवा खिलाड़ी के विकास को सावधानी से संभालने की जरूरत है, ताकि व्हाइट-बॉल के मौकों और रेड-बॉल क्रिकेट के बीच संतुलन बना रहे। डबलिन में यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग के अनावरण के दौरान द्रविड़ ने क्रिकइन्फो से कहा, मुझे लगता है कि आपको हमेशा वह संतुलन बनाना होता है. यह बहुत अच्छी बात है कि वैभव को भारत में आईपीएल के जरिए कुछ व्हाइट-बॉल क्रिकेट खेलने का अनुभव मिल रहा है, लेकिन उन्हें वापस जाकर भारतीय घरेलू सिस्टम में रेड-बॉल क्रिकेट खेलने और अपने रेड-बॉल करियर को आगे बढ़ाने का समय भी मिल रहा है। सूर्यवंशी ने अब तक केवल आठ फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं, जिसमें उनका औसत 17.25 रहा है. द्रविड़ का मानना है कि अपनी रेड-बॉल स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए इस युवा खिलाड़ी को इस फॉर्मेट में लगातार खेलने की जरूरत है।

गिल के पास 3 हजार रन और 50 छक्के पूरे करने का मौका

भारत-श्रीलंका दूसरा टेस्ट आज से

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा। गॉल में 165 रन से जीत हासिल कर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। अब भारत की नजर सीरीज 2-0 से जीतने और तीन साल बाद विदेशी जमीन पर टेस्ट सीरीज अपने नाम करने पर है। भारत ने आखिरी बार जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ विदेशी टेस्ट सीरीज जीती थी। कप्तान शुभमन गिल के नाम टेस्ट क्रिकेट में अभी 2,993 रन हैं। वह 7 रन बनाते ही 3,000 टेस्ट रन पूरे कर लेंगे। इसके अलावा गिल 47 टेस्ट छक्के लगा चुके हैं और 3 छक्के लगाते ही 50 छक्के पूरे कर लेंगे।

जायसवाल पर भी बड़ी पारी का दबाव – ओपनर यशस्वी जायसवाल भी लंबे समय से बड़ी पारी का इंतजार कर रहे हैं। पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में शतक लगाने के बाद उनकी पिछली 8 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक आया है।गॉल टेस्ट की दूसरी पारी में जायसवाल तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो की शॉर्ट गेंद पर कट खेलने की कोशिश में विकेट के पीछे कैच हो गए थे। कोलंबो के नेट्स में उन्होंने इस शॉट पर भी काम किया। भारतीय तेज गेंदबाजों और बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्केल ने ऑफ स्टंप के बाहर गेंदबाजी कर उन्हें कट खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश की, लेकिन जायसवाल ने कई गेंदें छोड़कर जवाब दिया।

सुथार पर फिर रहेंगी नजरें – गॉल टेस्ट में मानव सुथार ने पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। कोलंबो की पिच भी मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिनर्स की मदद कर सकती है। ऐसे में सुथार के साथ रवींद्र जडेजा की भूमिका अहम होगी।

जडेजा के पास भी दो रिकॉर्ड बनाने का मौका – रवींद्र जडेजा इस टेस्ट में दो व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 399 चौके हैं। एक चौका लगाते ही वह 400 चौके पूरे कर लेंगे। वहीं जडेजा 49 टेस्ट कैच भी ले चुके हैं। एक कैच और लेते ही उनके 50 टेस्ट कैच पूरे हो जाएंगे।

भारत की नजर 2-0 की जीत पर – गॉल में जीत के बाद भारत मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में 53.33त्न पॉइंट्स के साथ पांचवें स्थान पर है। अगर भारत कोलंबो टेस्ट जीतकर सीरीज 2-0 से क्लीन स्वीप करता है तो उसके WTC पॉइंट्स प्रतिशत 57.58 तक पहुंच सकते हैं और टीम के चौथे स्थान पर जाने की संभावना बनेगी।

भारत ने श्रीलंका से 23 टेस्ट जीते – भारत के खिलाफ श्रीलंका का टेस्ट रिकॉर्ड भी कमजोर है। दोनों टीमों के बीच अब तक 47 टेस्ट खेले गए हैं। भारत ने 23 और श्रीलंका ने 7 मैच जीते हैं, जबकि 17 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं।

कोलंबो की पिच पर शुरुआत में बल्लेबाजों को फायदा – सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब की पिच पर शुरुआत में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है। यहां गेंद बल्ले पर अच्छी तरह आ सकती है और पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाया जा सकता है।मैच आगे बढ़ने के साथ पिच सूखने लगेगी, जिससे स्पिनर्स को टर्न और उछाल मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद कर सकती है।

अपने छोटे बच्चों को स्कूल भेजना और उसके सुनहरे भविष्य की कामना करना हर माता-पिता का हक होता है। अपने बच्चे के जन्म से ही वह उसके भविष्य के बारे में सोचने लगते हैं। प्री-स्कूलिंग, कॉलेज सब तय हो गया होता है, लेकिन विशेषज्ञों का दावा किसी और ही तरफ इशारा करता है। उनके अनुसार कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गलत असर डालता है।

मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए बुरा हो सकता है, कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना

बच्चों को प्री-स्कूलिंग के लिए भेजना हर पेरेंट्स के लिए काफी बड़ा कार्य होता है। यह पहली बार होता है उनका नन्हा-सा बच्चा अपने जीवन को सुधारने और उससे नई चीजों को सीखने के लिए वास्तविक दुनिया में कदम रखता है। स्कूलिंग के दौरान मिलने वाली औपचारिक शिक्षा उसे उसके सुनहरे भविष्य के लिए तैयार करती है। हम में से अधिकांश लोगों का मानना है कि यदि आपका बच्चा इसके लिए तैयार है, तो उसे प्री-स्कूल में एडमिशन दिलाने का कोई सही या गलत समय नहीं है, लेकिन विशेषज्ञ वास्तव में इससे सहमत नहीं हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भले ही आपका बच्चा प्रतिभाशाली हो और उसमें जल्दी सीखने की कौशलता हो, फिर भी उन्हें बहुत जल्दी स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। रिसर्चरों का कहना है कि आपका अपने बच्चों को प्री-स्कूल जल्दी भेजने का आग्रह स्वाभिक है, लेकिन अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही समय का इंतजार करना ही बेहतर होगा।

बच्चों को जल्दी स्कूल भेजना इसलिए होता है हानिकारक नए अध्ययन के शोधकर्ता सलाह देते हैं कि माता-पिता किंडरगार्टन में अपने साथियों के साथ अपने बच्चों की उम्र पर विचार करें। एक बड़ा अंतर आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। एक नए अध्ययन के अनुसार, जो बच्चे अपने साथियों से छोटे होते हैं (स्कूल शुरू करने के लिए न्यूनतम आयु कट-ऑफ के करीब), वह कक्षा में खराब प्रदर्शन करते हैं और उन्हें साथियों की तुलना में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इंग्लैंड में यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि बहुत जल्दी स्कूल शुरू करना आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

स्टडी क्या कहती है

अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं की टीम ने एक मौजूदा अध्ययन से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग किया, जिसे ''स्कूल अध्ययन में सहायक शिक्षक और बच्चे'' कहा जाता है। यह अध्ययन डेवोन, इंग्लैंड के 80 विभिन्न स्कूलों के 2,075 प्राथमिक विद्यालय के पांच से नौ वर्षों के छात्रों पर किया गया था। अध्ययन में माता-पिता और शिक्षकों से पूछे गए सवालों की एक श्रृंखला शामिल थी, जिससे यह पता चला कि जल्दी स्कूल भेजने से बच्चों में चिंता और भय, अपने साथियों के साथ खराब संबंध, व्यवहार और एकाग्रता के मुद्दों जैसी नकारात्मक भावनाएं जन्म लेती हैं।

परिणाम क्या निकला

अध्ययन के अंत में, यह निष्कर्ष निकाला गया कि छोटे बच्चों में उनके साथियों की तुलना में खराब मानसिक स्वास्थ्य होने की संभावना अधिक होती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कम उम्र में बड़े साथियों के साथ रहना थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। समस्या उन बच्चों में विशेष रूप से प्रमुख थी जो नई चीजें सिखने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे और समय से पहले पैदा हुए थे। यह खोज माता-पिता को इस बारे में विचार करने में मदद कर सकती है कि औपचारिक शिक्षा सेटिंग में बच्चे का नामांकन कब करना है, ताकि उनके स्वास्थ्य के लिए कुछ भी हानिकारक सिद्ध नहीं हो।

एडमिशन की सही उम्र

ज्यादातर लोगों का मानना है कि जितनी जल्दी वह अपने बच्चों को स्कूल भेजेंगे, उनके लिए उतना ही अच्छा होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा शुरू करने के लिए 3 साल एक आदर्श उम्र है। हालांकि, अपने बच्चे को स्कूल भेजने से पहले आपको कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए।

- उन्हें शौचालय प्रशिक्षित होना चाहिए।
- वह थोड़े समय के लिए स्थिर बैठ सकते हैं।
- वह अपने माता-पिता से दूर आराम से समय बिता सकते हैं।
- वह अपनी जरूरतों को बता सकते हैं और दूसरों की बातें सुन सकते हैं।

आपके किचन में मौजूद है सन टैन हटाने के आसान नुस्खे

अगर आप भी बीच पर छुट्टियां बिताकर हॉलिडे की यादों के साथ-साथ सन टैन लेकर लौटी हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं। गर्मियों में कितना भी धूप से बचो, सन टैन हो ही जाता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं सन टैन रिमूवल के कुछ तरीके, जिन्हें आप घर पर ही आजमा सकती हैं। खास बात ये कि ये चीजें आपके किचन में ही मिल जाएंगी.

खीरे की फ्रेश स्लाइस

खीरे की फ्रेश स्लाइस लें। इसे फेस के साथ-साथ सन टैन प्रभावित क्षेत्रों पर हल्के हाथों से रगड़ें। लगाने के बाद तकरीबन 10 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें और फिर पानी से धो लें। टैनिंग दूर हो जाएगी।

हल्दी, बेसन और दही का पैक

दो चम्मच बेसन, दो चम्मच हल्दी पाउडर और दो

चम्मच दही लें और इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को अपने फेस और सन टैन प्रभावित बॉडी पार्ट्स पर लगाएं। तब तक लगा रहने दें, जब तक वह पूरी तरह से सूख न जाए। जब सूख जाए, तो पानी से धो लें।

शहद और नींबू का पैक

दो चम्मच शहद और एक चम्मच नींबू का रस लें। इसे मिक्स करके तकरीबन 15 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। अब पानी से धो लें। टैनिंग दूर करने का यह सबसे आसान तरीका है।

कच्चा दूध

थोड़ा सा कॉटन ले लें और बिना उबले हुए कच्चे दूध में कॉटन को भिगोएं और इसे फेस पर लगाएं। इसे 10 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। फिर चेहरे को पानी से धो लें।

बच्चे का वेट बढ़ने में पैरंट्स का होता है इंपॉर्टेंट रोल

अक्सर ही खुद और बच्चे के वेट को लेकर टेंशन हो जाती है कि लगातार वजन कैसे बढ़ता ही जा रहा है लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चे के वेट बढ़ने में पैरंट्स का इंपॉर्टेंट रोल होता है। हाल ही में इसपर एक स्टडी भी सामने आई। आइए जानते है.

अक्सर ही यह देखा गया है कि परिवार में अगर कोई एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है तो दूसरों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। हालांकि अधिकतर यह पैरंट्स और बच्चों में देखने को मिलता है। यानी कि जिन पैरंट्स का वेट ज्यादा होता है उनके बच्चों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। वहीं पैरंट्स इस बात को लेकर खासे परेशान नजर आते हैं कि कैसे बच्चे का वजन कम हो। हाल ही में ऐसे मामलों पर की गई स्टडी से यह बात सामने आई है कि कैसे अपनी लाइफस्टाइल में कुछ तब्दीलियां लाकर पैरंट्स अपने साथ ही बच्चों के वेट बढ़ने पर नियंत्रण कर सकते हैं। स्टडी के मुताबिक पैरंट्स बच्चों को जो भी खिलाते हैं बच्चे वह खाते जाते हैं। इससे उनका वजन बढ़ने लगता है। लेकिन अगर आप अपने बच्चे को हेल्दी खाने और अच्छी आदतों के अनुसार ढालते हैं तो वह वजन बढ़ने की समस्या से निजात पा सकता है। शोधकर्ताओं ने इसके लिए (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) रिसर्च किया। यानी कि खाने और एक्सरसाइज के जरिए बच्चों और उनके पैरंट्स को बढ़े हुए वजन को नियंत्रित या कम करने के लिए प्रेरित किया। इस बारे में अमेरिका के लुसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के रिसचर्स केली हॉकिन्स और कॉर्बी के मार्टिन कहते हैं कि बच्चों पर सबसे ज्यादा प्रभाव उनके माता-पिता का ही पड़ता है।

रिसर्च में 16 परिवारों पर हुई स्टडी

पैरंट्स और उनके बच्चों के बढ़ते वजन को कैसे नियंत्रित और कम किया जा सके इसके लिए 16 परिवारों को 19 सप्ताह तक ऑब्जर्व किया गया। हालांकि इस दौरान उन्हें अपनी और बच्चों की लाइफस्टाइल में शामिल करने की बात कही गई थी। इसके बाद स्टडी में 2 से 6 साल के बच्चों का बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) 75प्रतिशत से अधिक पाया गया। बता दें कि (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) के सेशन्स में यह बात सामने आई कि इसमें नियमित स्नैक और खाने के साथ ही फिजिकल ऐक्टिविटीज के होने से बच्चों के बीएमआई में कमी देखी गई। साथ ही उनका वजन भी नियंत्रित था। वहीं पैरंट्स के वजन में भी थोड़ी तब्दीलियां देखने को मिलीं। लेकिन जिन बच्चों को ड्राइव के सेशन में शामिल नहीं किया गया केवल जानकारी ही दी गई थी उनके वजन में वृद्धि दर्ज की गई। शोधकर्ताओं के मुताबिक संयमित, नियमित खानपान और एक्सर्साइज से खुद और बच्चे दोनों के ही वजन को नियंत्रित किया जा सकता है।

बालों से डैंड्रफ दूर करने के लिए लगाएं टमाटर का जूस

टमाटर प्रकृति का दिया एक ऐसा उपहार हैं जो एंटीऑक्सीडेंट्स और विटमिन से भरपूर है। टमाटर खाना सेहत ले लिए लाभदायक है और इसे चेहरे पर लगाने से स्किन हेल्दी बनती है। इतना ही नहीं अगर आप इसे अपने बालों पर लगाएंगे तो रुखे और बेजान बाल चमकदार और रेशमी हो जाएंगे। आइए, यहां जानते हैं कि टमाटर का जूस बालों पर लगाने से क्या-क्या फायदे होते हैं.

- टमाटर का जूस बालों पर लगाने से बालों का टेक्चर स्मूद होता है और बालों की शाइनिंग में बढ़ती है।
- टमाटर का जूस बालों में पीएच लेवल बैलंस करता है, जिससे रुखे और बेजान बालों में वॉल्यूम आ जाता है।
- टमाटर में बड़ी मात्रा में विटमिन ए और विटमिन सी होता है। इसके जूस को बालों पर लगाने से बालों की स्कल्प को मजबूती मिलती है।
- टमाटर का जूस लगाने से बालों में मजबूती आती है और बाल जल्दी से दोमुहे नहीं होते हैं। साथ ही ग्रोथ अच्छी बनी रहती है।

ऐसे बनाएं कंप्लीट पैक

अगर आपके बालों में डाईनेस बहुत ज्यादा हो गई है और डैंड्रफ से भी परेशान हैं तो टमाटर के जूस में शहद मिलाकर हेयर मास्क बनाकर बालों पर लगाएं। आधा घंटा लगाए रखने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। हो सकता है लगाने के तुरंत बाद आपको सिर में हल्की जलन महसूस हो या खुजली हो लेकिन आप परेशान न हों। ऐसा टमाटर में एसिडिक प्रॉपर्टी होने के कारण होता है।

आज के जमाने में शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा जो डियोड्रेंट और परफ्यूम का इस्तेमाल न करता हो। फिर चाहे आपकी एज कुछ भी हो और आप महिला हों या पुरुष इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता, हर कोई चाहता है कि उसके शरीर से अच्छी स्मेल आए। ऐसे में रोज, लैवेंडर और फ्रूटी स्मेल से भरपूर डियोड्रेंट और परफ्यूम गर्मी के दिनों में पसीने की बदबू से लड़ने में मदद करते हैं।

घर में छोटे बच्चे हैं तो परफ्यूम और डियोड्रेंट यूज करते वक्त बरतें सावधानी

बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन न करने से नुकसान हालांकि इन परफ्यूम्स और डियोड्रेंट्स का इस्तेमाल करते वक्त जिस एक चीज का हम सब ध्यान नहीं रखते वह है बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन करना जो कई बार हानिकारक साबित हो सकता है। हाल ही में हुई एक स्टडी में यह बात साबित भी हो चुकी है कि बच्चों को लगने वाली चोट में 127 प्रतिशत चोटें पर्सनल केयर प्रॉडक्ट्स की वजह से लगती हैं जिनमें खुशबू और सुगंध से जुड़ी परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजें शामिल हैं। इस तरह की चीजें बच्चों के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो सकती हैं इसलिए इनका इस्तेमाल करते वक्त माता-पिता को भी काफी सावधानी बरतनी चाहिए।

इन चीजों को छोटे बच्चों की पहुंच से दूर रखें

परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजों को बच्चों की पहुंच से बहुत दूर रखें क्योंकि अगर बच्चे गलती से भी इन्हें अपनी आंख, नाक, कान या मुंह में स्प्रे कर लें तो यह बच्चों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इतना ही नहीं अगर घर में बहुत ज्यादा छोटे बच्चे हैं तब भी पैरंट्स को बहुत ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए वरना बच्चों द्वारा इन चीजों की बॉटल, ढक्कन आदि चीजों को मुंह में लेने की वजह से चोकिंग का भी खतरा रहता है।

बच्चे अगर यूज करें तो सेहत से जुड़ी समस्याओं का खतरा

अगर आपके घर में 13 से 17 साल के बीच के किशोर हैं तो उनमें संगी-साथियों के प्रेशर की वजह से समस्याएं अलग होती हैं। बड़े बच्चे खुद भी अच्छा स्मेल करने के लिए इन प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहते हैं। ऐसे में छोटी उम्र में परफ्यूम या डियोड्रेंट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने की वजह से बच्चों में फिजिकल हेल्थ से जुड़ी कई तरह की समस्याएं भी हो सकती हैं। साथ ही बच्चे बॉटल पर लिखे निर्देश पढ़े बिना इसे सीधे स्किन पर स्प्रे कर लेते हैं जिससे उन्हें स्किन ऐलर्जी, रिऐक्शन, अस्थमा और सांस लेने में दिक्कत जैसी कई समस्याएं भी हो सकती हैं।

ऋतिक-सबा के ब्रेकअप की खबरों ने पकड़ा जोर

अभिनेता ऋतिक रोशन कई साल से सबा आजाद को डेट कर रहे हैं। दोनों को अक्सर साथ में पार्टी और इवेंट में देखा जाता है। सोशल मीडिया पर भी दोनों एक-दूसरे पर खूब प्यार लुटाते हैं। मगर, इन दिनों बी-टाउन में दोनों के ब्रेकअप की अटकलों ने जोर पकड़ा है। इसकी वजह ऋतिक रोशन की प्रोफाइल का कथित तौर पर एक डेटिंग एप पर देखा जाना है।

सुजैन खान से तलाक के बाद ऋतिक रोशन की जिंदगी में सबा आजाद की एंट्री हुई है। दोनों के बीच उम्र का काफी अंतर है। मगर, आपसी समझ काफी अच्छी है। अक्सर दोनों छुट्टियां मनाने जाते हैं। साथ में पार्टी करते हैं और बॉलीवुड के कई इवेंट्स में साथ में शिरकत करते हैं। मगर, इन दिनों ऐसी अफवाहें हैं कि दोनों की राहें जुदा हो गई हैं।

क्यों शुरू हुई अटकलें

सबा से ऋतिक के रिश्ते में दूरी की वजह, एक डेटिंग एप पर अभिनेता की प्रोफाइल का पाया जाना है। दरअसल, 'राया' नाम के एक डेटिंग एप पर ऋतिक रोशन की प्रोफाइल होने का दावा किया गया है। इसके स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वायरल स्क्रीनशॉट में ऋतिक के प्रोफाइल बायो में 'एक्टर/ प्रोड्यूसर/ एंटरप्रेन्योर' लिखा दिख रहा है। इस वायरल प्रोफाइल के बाद ही ऐसे सवाल आ रहे हैं कि क्या दोनों का ब्रेकअप हो गया है? हालांकि, रिलेशनशिप को लेकर चल रहीं अटकलों पर अभी तक ऋतिक रोशन और सबा आजाद की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

उर्वशी रौतेला ने भी किया था दावा

रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2024 में उर्वशी रौतेला ने भी एक इंटरव्यू में दावा किया था कि उन्होंने सेलिब्रिटी डेटिंग एप 'राया' पर ऋतिक रोशन और आदित्य रॉय कपूर के प्रोफाइल देखे थे। हालांकि, उर्वशी रौतेला ने सीधे-सीधे ऋतिक रोशन के रिलेशनशिप स्टेटस से जोड़कर कोई टिप्पणी नहीं की थी। मगर, उर्वशी के पुराने बयान और अब वायरल स्क्रीनशॉट को लेकर सबा और ऋतिक के रिश्ते में आई दूरी से जोड़कर देख रहे हैं। देखना होगा कि ऋतिक या सबा ऐसी अफवाहों पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

वीर पहाड़िया को बिल्कुल अलग अंदाज में पेश करेगी 'प्रेम कीटाणु'

स्काई फोर्स से बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद वीर पहाड़िया लगातार बॉलीवुड में अपना दबदबा कायम करते जा रहे हैं और इसका सबूत है महेश भट्ट की नाम – टू लिव इज़ वॉर के बाद उनकी अगली थिएट्रिकल फिल्म प्रेम कीटाणु, जिसकी घोषणा उन्होंने हाल ही में की है। इस फिल्म में वीर पहाड़िया के साथ अपारशक्ति खुराना, आफिया सैयद, राकेश बेदी और निखिल विजय भी नजर आएंगे।

'प्रेम कीटाणु' का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है, जो 'सिर्फ एक बंदा काफी है' और चर्चित सीरीज 'एस्पिरेंट्स' के लिए जाने जाते हैं। यह फिल्म गौरव वर्मा के नए लॉन्च किए गए बैनर अवनिका फिल्म्स की पहली प्रोडक्शन है, जिसे फार्स फिल्म्स के साथ मिलकर प्रस्तुत किया जा रहा है। इसकी कहानी युवाओं की आकांक्षाओं, रिश्तों और रोजमर्रा की चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती इस फिल्म की कहानी एक दिल छू लेने वाली और रिलेटेबल एंटरटेनर है। हास्य और भावनाओं से भरपूर इस फिल्म में आधुनिक जीवन और प्यार को एक नए नजरिए से पेश करने की कोशिश भी की गई है। ऐसे में यह कहा जाए तो गलत नहीं होगा कि 'प्रेम कीटाणु' वीर पहाड़िया को उनके डेब्यू 'स्काई फोर्स' से बिल्कुल अलग अंदाज में पेश करेगी। 'स्काई फोर्स' में उन्होंने भारतीय वायुसेना के अधिकारी टी. विजया का किरदार निभाया था। वीर अपने करियर के शुरुआती दौर में ही अलग-अलग तरह के किरदार और जॉनर तलाश रहे हैं। जैसा कि वीर की आगामी फिल्मों की लिस्ट में डार्क एक्शन थ्रिलर 'नाम – टू लिव इज़ वॉर' भी शामिल है।

महेश भट्ट द्वारा प्रस्तुत और सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वीर के साथ वरुण शर्मा नजर आएंगे, जो पहली बार नेगेटिव भूमिका में दिखाई देने की उम्मीद है। फिल्म का निर्माण रिद्धि चावड़ा और उत्सव उपाध्याय कर रहे हैं। 'प्रेम कीटाणु' और 'नाम – टू लिव इज़ वॉर' के जरिए वीर पहाड़िया दो बिल्कुल अलग सिनेमाई दुनिया का हिस्सा बन रहे हैं। एक ओर जहां 'प्रेम कीटाणु' रोमांस, हास्य और युवा भारत की रोजमर्रा की वास्तविकताओं को सामने लाएगी, वहीं 'नाम – टू लिव इज़ वॉर' में उनका एक इंटेंस और रग्ड एक्शन अवतार देखने को मिलेगा। 'स्काई फोर्स' के बाद इन दोनों फिल्मों की घोषणा वीर पहाड़िया के करियर के अगले चरण की ओर इशारा करती है, जहां अभिनेता किसी एक इमेज तक सीमित रहने के बजाय अलग-अलग जॉनर और किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

रुक्मिणी वसंत ने टॉक्सिक को बताया अब तक किए हर काम से बिल्कुल अलग

मुंबई में टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के म्यूज़िक लॉन्च पर रुक्मिणी वसंत ने फिल्म का हिस्सा बनने और मेलिसा की दुनिया में कदम रखने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके अब तक के किए गए काम से बिल्कुल अलग है।

टॉक्सिक को अपने लिए खास बताते हुए रुक्मिणी ने कहा, टॉक्सिक मेरे लिए, और इस फिल्म का हिस्सा रहे हर इंसान के लिए बेहद स्पेशल फिल्म है। ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनके बारे में मैं बात कर सकती हूं। जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसका एक्सपैंसिव होना, फिल्म का स्केल... पहली बार जब मैंने इसके बारे में सुना था, तभी इसका स्केल मुझे बहुत इम्प्रेस कर गया था। हालांकि, रुक्मिणी ने बताया कि उन्हें फिल्म की तरफ सिर्फ इसका स्केल और ग्रैंड्योर ही नहीं खींच लाया, बल्कि इसके किरदारों की कॉम्प्लेक्सिटी ने भी उन्हें काफी एक्साइट किया। उन्होंने कहा, फिल्म के स्केल और इस दुनिया की ग्रैंड्योर के साथ-साथ, हर किरदार का ग्रे शेड भी बहुत शानदार है। हर किरदार इतना रॉ और इतना ह्यूमन है।

रुक्मिणी ने बताया कि वह यह जानने को लेकर काफी एक्साइटेड थीं कि टॉक्सिक की इस बड़ी दुनिया में मेलिसा की जगह क्या है और उसका बाकी किरदारों के साथ कनेक्शन कैसा है। उन्होंने कहा, मैं यह डिस्कवर करने को लेकर बहुत एक्साइटेड थी कि मेलिसा इस दुनिया में कहां फिट होती है और बाकी किरदार एक-दूसरे से कैसे जुड़े हुए हैं। यह सब किस तरह आपस में जुड़ा हुआ है, इसे लेकर मैं बहुत क्यूरियस थी। एक्टर ने यह भी माना कि यश के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना उनके लिए एक्साइटिंग एक्सपीरियंस था। रुक्मिणी ने कहा, यश सर की फैनगर्ल होना और फिर उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना, मेरे लिए यह भी एक बहुत शानदार एक्सपीरियंस था। जब रुक्मिणी से पूछा गया कि टॉक्सिक को उनके लिए इतना खास क्या बनाता है, खासकर तब जब ऑडियंस ने उन्हें इससे पहले ऐसी दुनिया या किरदार में नहीं देखा है, तो उन्होंने कहा, यह अब तक मैंने जो भी काम किया है, उससे बिल्कुल अलग है। मुझे लगता है कि इसमें एक यूनिकनेस है और उनके किरदार में एक खास तरह का जे ने से क्वा है। गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनी टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगे। फिल्म 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

रानी मुखर्जी को मेलबर्न में मिला खास सम्मान

रानी मुखर्जी ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक अलग-अलग किरदार निभाए हैं। उन्होंने कभी समाज की सोच को चुनौती देने वाली महिलाओं का किरदार निभाया, तो कभी मुश्किल हालात में हिम्मत दिखाने वाली महिलाओं की कहानी पर्दे पर उतारी। अब इसी को देखते हुए उन्हें विशेष सम्मान दिया गया है। तीन दशक से ज्यादा समय से अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली रानी को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में खास सम्मान दिया गया है।

उन्हें एक्टिंग में बेहतरीन योगदान के लिए स्पेशल सिटेशन से सम्मानित किया गया। रानी के इस सम्मान को भारतीय सिनेमा में उनके लंबे और शानदार सफर के लिए एक बड़ी पहचान माना जा रहा है। उन्होंने अपने करियर में कई ऐसे किरदार निभाए हैं, जिन्हें आज भी दर्शक याद करते हैं। उनके किरदारों और फिल्मों ने भारत के साथ-साथ विदेशों में भी लोगों के दिलों तक जगह बनाई है। 'ब्लैक', 'हम तुम', 'युवा', 'बंटी और बबली', 'नो वन किल्ड जेसिका', 'हिचकी', 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी और 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' जैसी फिल्मों में रानी की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया है। रानी ने हर फिल्म में अपने किरदार को पूरी ईमानदारी और भावनाओं के साथ निभाने की कोशिश की है। यही वजह है कि उनके कई किरदार आज भी दर्शकों के बीच खास जगह रखते हैं। इस सम्मान के बाद रानी मुखर्जी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी फिल्में, उनके किरदार और उनकी आवाज घर से बहुत दूर तक पहुंची हैं। उनके लिए यह सफर बेहद खास रहा है। रानी का यह सम्मान सिर्फ उनकी एक्टिंग को पहचान नहीं देता, बल्कि यह भी दिखाता है कि भारतीय सिनेमा की कहानियां अब दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दर्शकों तक पहुंच रही हैं।

आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'प्रलय' में नजर आएंगी कल्याणी प्रियदर्शनी, रणवीर सिंह ने शुरू की शूटिंग

रणवीर सिंह ने अपनी आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में लीड रोल निभाने के साथ ही रणवीर इस फिल्म से बतौर निर्माता भी जुड़े हैं। 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद रणवीर सिंह का यह पहला प्रोजेक्ट है। इस फिल्म को लेकर अभिनेता के फैंस बेहद एक्साइटेड हैं।

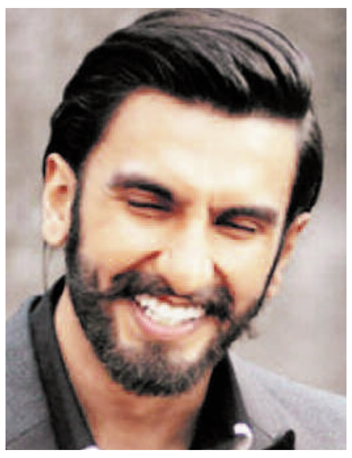

'प्रलय' को रणवीर के करियर का सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स बताया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है। इसे लाइव लोकेशन पर भी शूट किया जाएगा। रणवीर इस फिल्म में अभिनय करने के साथ ही इसका निर्माण भी कर रहे हैं। यह एक धमाकेदार एक्शन फिल्म होगी। रणबीर के लिए यह महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक है। फिल्म में 'लोका' फेम एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शनी भी अभिनय करती नजर आएंगी।

बड़े पैमाने पर होगा काम

रिपोर्ट्स के मुताबिक 'प्रलय' की कहानी काफी हद तक विजुअल इफेक्ट्स पर निर्भर करेगी। फिल्म में धुआंधार एक्शन सीन्स भी होंगे। रणवीर इस फिल्म के डेवलपमेंट प्रोसेस के दौरान क्रिएटिव चर्चाओं में भी एक्टिव रूप से शामिल हुए हैं। लगभग 300 करोड़ रुपए के बजट में बनने वाली 'प्रलय' रणवीर सिंह के करियर की सबसे महंगी स्टैंडअलोन फिल्म हो सकती है।

फिल्म 'प्रलय' के बारे में

'प्रलय' में रणवीर सिंह मुख्य किरदार में नजर आएंगे। वहीं कल्याणी प्रियदर्शन भी अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं। वहीं फिल्म का निर्माण अनन्या बिड़ला स्टूडियोज कर रहा है।

'7 डॉग्स' की रिलीज को लेकर बेहद उत्साहित हूं

अभिनेता संजय दत्त जल्द ही सलमान खान के साथ इंटरनेशनल फिल्म '7 डॉग्स' में नजर आएंगे। यह फिल्म अगले हफ्ते रिलीज होने वाली है। एक्टर ने इस फिल्म में काम करने के अपने अनुभव को साझा किया।

फिल्म '7 डॉग्स' एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट है। कुछ दिन पहले ही मेकर्स ने फिल्म का नया ट्रेलर लॉन्च किया था। अब इस फिल्म के बारे में संजू बाबा ने अपने अनुभव बताए। संजू ने कहा मैं '7 डॉग्स' के दर्शकों तक पहुंचने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मुझे भारत में इसके रिलीज होने का बहुत इंतजार था। इस तरह के बड़े प्रोजेक्ट में अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ काम करने का काफी खास अनुभव रहा है। इस तरह के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका जिंदगी में बार -बार नहीं मिलता। यह फिल्म भारतीय दर्शकों को पसंद आएगी। उन्हें इसे देखकर खूब मजा आने वाला है। जब दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखेंगे तो उनके लिए यह अलग तरह का अनुभव होगा। अपनी बातचीत में आगे संजय दत्त ने कहा, 'मुझे लगता है भारतीय दर्शकों को इस फिल्म को खुले मन से देखना चाहिए और वे हैरान रह जाएंगे। यह एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म है, लेकिन इसकी भावनाएं दर्शकों के लिए आसानी से जुड़ने वाली हैं। इसमें एक्शन है, ड्रामा है, दमदार किरदार हैं और फिल्म को बहुत बड़े स्तर पर बनाया गया है।'

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। संपादक : मो इस्माईल खान RNI No. DLHIN/2010/37009